अर्थ शास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा-बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य - 12

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग - 13

संसद को कानून बनाने का अधिकार, वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं - 13

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा - 14

आज का मौसम 32.0⁰ अधिकतम तापमान 17.0⁰ न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.34 सूर्यास्त 06.09

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी 08:43 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 28 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 189, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

अचूक वार

राजस्थान के जैसलमेर जिले में पाकिस्तान सीमा के पास शुक्रवार को भारतीय वायु सेना ने वायु शक्ति अभ्यास के दौरान मिसाइलों से लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी उपस्थित थीं।

पाकिस्तान का खुली जंग का एलान, काबुल में किए हवाई हमले

अफगानिस्तान के खिलाफ की ऑपरेशन गजब लिल हक की घोषणा, दोनों देशों के बीच तेज हुई जंग

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के जवाबी हमले के बाद दोनों देशों में जंग तेज हो गई है। अफगानिस्तान की ओर से बृहस्पतिवार देर रात सीमा पर हमलों के बाद पाकिस्तान ने शुक्रवार तड़के अफगानिस्तान के खिलाफ की ऑपरेशन गजब लिल हक की घोषणा करते हुए उसकी राजधानी काबुल और दो अन्य प्रांतों में हवाई हमले किए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों के बीच सीमा पर बढ़ती झड़पों पर चिंता जताई है।

अफगानिस्तान ने बृहस्पतिवार देर रात सीमा पार पाकिस्तान पर हमला किया था। इसके जवाब में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने अफगानिस्तान के साथ खुली जंग का एलान किया है। शुक्रवार तड़के काबुल में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इनमें कहां और कितने लोग हताहत हुए हैं। सरकारी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद के मुताबिक पाकिस्तान ने दक्षिण में कंधार और दक्षिण-पूर्वी प्रांत पकतिया में भी हवाई हमले किए हैं। इससे कतर की मध्यस्थता से दोनों देशों में हुआ युद्धविराम भी खतरे में पड़ गया है। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

सीमा पर अफगानी लड़ाके

● दोनों देशों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का किया दावा

एक-दूसरे के तमाम सैनिक मारने का दावा

दोनों देशों की सरकारों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने की बात कही है। अफगानी रक्षा मंत्रालय ने देर रात बताया कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिनमें कुछ के शव अफगानिस्तान लाए गए। कई सैनिकों को पकड़ लिया गया। उसके आठ सैनिक मारे गए और 11 घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना की 19 चौकियों और दो सैन्य अड्डों को भारी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ अली जैदी ने किसी पाकिस्तानी सैनिक के पकड़े जाने की बात से इन्कार किया। कहा, अफगानिस्तान के 133 लड़ाके मारे गए और 200 से अधिक घायल हो गए। अफगानिस्तान की 27 चौकियां नष्ट कर दी गईं और नौ लड़ाकों को पकड़ लिया गया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग कहां हताहत हुए हैं।

कूटनीति से हल करें विवाद: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने शुक्रवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पार झड़पों की खबरों पर चिंता जताई। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव ने दोनों पक्षों से मतभेदों को कूटनीति के जरिए सुलझाने की अपील की है।

ब्रीफ न्यूज

रिंकू सिंह के कैंसर पीड़ित पिता का निधन

नोएडा। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे और काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली वेंटिलेटर पर रखा गया था और शुक्रवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। पिता की गंभीर हालत होने के कारण रिंकू सिंह को टी20 विश्वकप को बीच में छोड़कर देश लौटना पड़ा था।

ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में ईडी के समक्ष शुक्रवार को पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। एजेंसी ने यस बैंक से जुड़े धनशोधन मामले में उनका बयान दर्ज करने के लिए उन्हें तलब किया था। अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने पूछताछ टालने का अनुरोध किया। अनिल अंबानी से बृहस्पतिवार को उनकी समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशन से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में करीब नौ घंटे तक पूछताछ की गई थी।

'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज का रास्ता साफ

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' फिल्म की रिलीज स्थगित करने संबंधी एकल न्यायाधीश के अंतरिम आदेश पर शुक्रवार को दो हफ्ते के लिए रोक लगा दी। फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने के कुछ घंटों बाद बृहस्पतिवार देर रात निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की ओर से दायर अपील पर न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति पीवी बालकृष्णन की पीठ ने फैसला सुनाया। पीठ ने बृहस्पतिवार रात फैसला सुरक्षित रख लिया था। विपुल शाह ने अपनी अपील में दावा किया था कि फिल्म केरल राज्य या किसी भी धार्मिक समुदाय को बदनाम नहीं करती।

केजरीवाल-सिसोदिया समेत सभी बरी

कोर्ट ने कहा- तय योजना के तहत बढ़ी सीबीआई की कहानी, हर किसी को फंसाया गया

आबकारी घोटाला

● आरोप पत्र पर नहीं लिया संज्ञान, आदेश को सीबीआई ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के कविता समेत सभी 23 आरोपियों को शराब नीति मामले में बरी कर दिया। अदालत ने आरोप पत्र का संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया और सीबीआई पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह नाकाम रहा है। सीबीआई ने निचली अदालत के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाते हुए कहा, इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी से किसी भी आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया भी कोई मामला नहीं बनता, और न ही कोई गंभीर शक है। इसलिए आरोपी संख्या 1 से 23 को उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से बरी किया जाता है। सिंह ने अपने आदेश में कहा कि ऐसा लगता है कि जांच पहले से तय रास्ते पर आगे बढ़ी है, जिसमें नीति बनाने या लागू करने से जुड़े लगभग हर व्यक्ति को फंसाया गया है, ताकि एक कमजोर कहानी को गहराई और भरोसे का भ्रम दिया जा सके।

अदालत का फैसला आने के कुछ ही घंटे बाद सीबीआई ने उसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दे दी। सीबीआई ने कहा कि निचली अदालत में जांच के कई पहलुओं की या तो अनदेखी की गई या उन पर सही से विचार नहीं किया गया। सीबीआई आप सरकार की आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार की जांच कर रही है।

अदालत का फैसला आने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रो पड़े अरविंद केजरीवाल।

कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं, कई प्रश्न अनुत्तरित: भाजपा

भाजपा की दिल्ली इकाई ने कहा है कि शराब नीति से जुड़े कई सवाल अनुत्तरित हैं और कानूनी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मामले में अदालत ने अपने फैसले में सबूतों की कमी की बात कही है लेकिन जांच एजेंसी ने बार-बार कहा है कि केजरीवाल और सिसोदिया ने सबूत नष्ट किए हैं। जांच एजेंसी नष्ट किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया लंबी है। केजरीवाल के पास अब भी कुछ सवालों के जवाब नहीं हैं। अगर आबकारी नीति सही थी, तो जांच शुरू होते ही इसे वापस क्यों ले लिया गया, और ठेकेदारों का कमीशन बढ़ाने का मकसद क्या था।

मीडिया के सामने रोए केजरीवाल बोले- मोदी-शाह ने की थी साजिश

फैसला आने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए केजरीवाल रो दिए। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलकर आम आदमी पार्टी को खत्म करने की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश रची। मौजूदा मुख्यमंत्री को उनके घर से घसीटकर जेल में डाल दिया गया, ऐसा देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वह भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें छह महीने और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दो साल तक जेल में रहना पड़ा। टीवी चैनलों पर उनका चरित्र हनन किया गया। केजरीवाल ने कहा, मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है।

● दिल्ली में फिरोज शाह रोड पर अरविंद केजरीवाल के बंगले में जश्न मनाया गया। नारों की गूंज के बीच पार्टी कार्यकर्ता ढोल की थाप पर जमकर नाचे। लोगों को लड्डू और गुझिया बांटे गए। केजरीवाल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अंदर बंगले में थे। मनीष सिसोदिया भी इस जश्न में मौजूद थे।

पंजाब-गुजरात में चुनाव हैं, इस कारण वाशिंग मशीन से धो दिया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया कि भाजपा गुजरात और पंजाब के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केजरीवाल को नहला-धुलाकर और वाशिंग मशीन से निकालकर पेश कर रही है ताकि चुनावों में मुख्य विपक्षी दल को कमजोर किया जा सके। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक 'इच्छाधारी नाग' है जो सिर्फ कांग्रेस को हराने के लिए अपना रूप बदलती रहती है और इसके लिए वह किसी भी स्तर तक गिर सकती है। खेड़ा ने दावा किया कि कैसे कांग्रेस को कमजोर किया जाए, यही भाजपा का खेल है और इसमें कई खिलाड़ी और अंपायर बिके हुए हैं।

होली से पहले हर हालत में जारी किया जाए वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● जापान से लौटते ही मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को दिए सख्त आदेश

● वेतन जारी करने के लिए शनिवार को घोषित किया गया कार्य दिवस

अमृत विचार : होली से पहले प्रदेश के राज्यकर्मियों को हर हालत में वेतन जारी किया जाए। सिंगापुर और जापान के दौरे से लौटते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बारे में सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वेतन भुगतान में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आदेश का कड़ाई से पालन करें।

हालांकि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का विवरण नहीं देने वालों का जनवरी माह का वेतन भी नहीं मिलने से उनकी हालत और पस्त है। इस बीच कई विभागों के आदेशों में एकरूपता का अभाव था। शासन ने सभी विभागों को 28 फरवरी तक वेतन देने की बात कही थी, लेकिन महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कार्यालयों व निदेशालयों में कार्यरत स्थायी, संविदा, आउटसोर्स, शिक्षकीय एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की वेतन भुगतान प्राथमिकता के आधार पर दो मार्च से पहले हर हाल में जारी करने के निर्देश जारी किए थे।

इन स्थितियों की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार सुबह स्पष्ट निर्णय लिया कि शनिवार को किसी भी विभाग, बैंक या कोषागार की में छुट्टी नहीं होगी। इस दिन को कार्यदिवस घोषित करते हुए वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। योगी ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वेतन भुगतान और अवकाश संबंधी आदेशों के अनुपालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई या अनदेखी स्वीकार नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी ने विशेष तौर पर आउटसोर्सिंग कर्मियों, संविदाकर्मियों, सफाईकर्मियों समेत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों का भुगतान शनिवार को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दो, तीन व चार मार्च को होली अवकाश

प्रदेश सरकार ने होली पर्व के अवसर पर दो, तीन और चार मार्च को अवकाश घोषित किया है। इस दौरान राज्य सरकार के सभी कार्यालय बंद रहेंगे।

सेंसेक्स 961 अंक लुढ़का, निवेशकों के पांच लाख करोड़ रुपये डूबे

● निफ्टी में 318 अंकों की गिरावट 25,200 के नीचे आया

मुंबई। कमजोर वैश्विक रुझानों, बढ़ते तनाव और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 961 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 318 अंक टूटकर 25,200 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशकों की पूंजी करीब पांच लाख करोड़ रुपये कम हो गई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक 961.42 अंक यानी 1.17 प्रतिशत लुढ़ककर 81,287.19 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 1,089.46 अंक यानी 1.32 प्रतिशत तक गिरकर 81,159.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 317.90 अंक यानी 1.25 प्रतिशत गिरकर 25,178.65 पर बंद हुआ।

दिवंगत अजित पवार को 25,000 करोड़ के घोटाले में क्लीन चिट

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को महाराष्ट्र प्रदेश सहकारी बैंक के कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और दिवंगत अजित पवार एवं अन्य आरोपियों को क्लीन चिट दे दी।

अदालत की ओर से क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किए जाने का फैसला महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री पवार की बारामती में विमान दुर्घटना में मृत्यु के लगभग एक महीने बाद आया है। सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों से संबद्ध विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने ईओडब्ल्यू की 'सी-समरी' रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए कहा कि कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक

● राज्य सरकार और आशुतोष पांडेय को जवाब दाखिल करने का आदेश

● शंकराचार्य के वकील ने कहा- सरकार के इशारे पर झूठे केस में फंसाया

प्रयागराज/वाराणसी, एजेंसी: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बटुकों के कथित यौन शोषण मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर शुक्रवार को रोक लगा दी। राज्य सरकार और वादी आशुतोष पांडेय को इस मामले में अपने जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया गया है।

न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया जिसके मार्च के तीसरे सप्ताह में सुनाए जाने की संभावना है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के वकील दिलीप गुप्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता आशुतोष पांडेय कई आपराधिक मामलों में लिप्त रहे हैं और याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के इशारे पर इस मामले में झूठा फंसाया गया है।

नार्को टेस्ट के लिए तैयार

वाराणसी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाफ यौन शोषण मामले में यदि सच्चाई का पता लगाने के लिए नार्को टेस्ट जरूरी हो तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, यदि नार्को टेस्ट से सच्चाई सामने आ सकती है तो अवश्य किया जाना चाहिए। सच उजागर करने के लिए जो भी तरीके उपलब्ध हैं, उन्हें अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, झूठ अधिक समय तक नहीं टिकता। जिन्होंने झूठी कहानी गढ़ी है, वे बेनकाब हो रहे हैं।

दुबई में पकड़ा गया शाइन सिटी का सीएमडी 60,000 करोड़ रुपये की ठगी का है आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● पांच लाख रुपये का इनामी है राशिद नईम, ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर की गई गिरफ्तारी

अमृत विचार: हजारों लोगों से निवेश व भूखंड के नाम पर करीब 60 हजार करोड़ रुपये की ठगी करने वाला शाइन सिटी का सीएमडी राशिद नसीम गिरफ्तार हो गया है। ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर उसे दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया। दस वर्ष से दुबई में ठिकाना बनाए हुए राशिद पर यूपी सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

राशिद मूलतः प्रयागराज के करेली का रहने वाला है। उसके खिलाफ यूपी में 554 मामले दर्ज हैं। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उसके खिलाफ पीएमएलए के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। उसे अप्रैल 2025 में विशेष पीएमएलए कोर्ट ने आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत भगोड़ा घोषित किया था।

इसके बाद ईडी ने उसकी 127.98 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त कर दिया। राशिद के खिलाफ यूपी के अलावा दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और महाराष्ट्र तक निवेशकों ने एफआईआर दर्ज कराई हैं। कंपनी में 10 लाख से अधिक निवेशकों का रुपया फंसा था।

प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू : ईडी व ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तारी के बाद भारत राशिद के प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सारे जरूरी दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। इसमें ईडी व ईओडब्ल्यू की टीम अपनी रिपोर्ट भी तैयार कर रही है। दोनों एजेंसियां आरोपी के वित्तीय लेनदेन, शेल कंपनियों और देश-विदेश में मौजूद संपत्तियों की जांच कर रही हैं।

आह्वान | मोदी ने वित्तीय संस्थानों से व्यावहारिक समाधान प्रदान कर बाजार विश्वास को मजबूत करने का किया आग्रह

निवेश एवं नवाचार कर बजट घोषणाओं का लाभ उठाएं उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग से निवेश एवं नवाचार बढ़ाने का शुक्रवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आक्रामक पूंजीगत व्यय और बजट में लगातार अनुकूल नीतिगत माहौल बनाकर आधार तैयार कर दिया है और अब निजी क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने का समय आ गया है।

'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय पर बजट के बाद आयोजित 'वेबिनार' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 11 वर्ष पहले दो लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर केंद्रीय बजट 2026-27 में 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसने विस्तार के लिए एक मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि अधिक आवंटन निजी क्षेत्र को नए जोश के साथ निवेश करने और 2026-27 के बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का संकेत देता है। मोदी ने कहा, भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए।

मोदी ने कहा, वित्तीय संस्थानों को व्यावहारिक समाधान तैयार करने और बाजार विश्वास बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत की मजबूत क्षमता दृढ़ विश्वास आधारित सुधारों और कारोबार सुगमता में निरंतर सुधार के प्रयासों से प्रेरित रही है। भारत ने प्रौद्योगिकी आधारित सुशासन को अपनाया है, संस्थानों को मजबूत किया है और आज भी देश सुधारों के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, सुधारों की तेज गति को बनाए रखने के लिए हमें केवल नीतिगत मंशा पर ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट क्रियान्वयन पर भी ध्यान देना होगा। सुधारों का मूल्यांकन उनके जमीनी प्रभाव के आधार पर होना चाहिए।

सुधारों के बाद भी निजी क्षेत्र ने नहीं दिखाया जुझारूपन

प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार की ओर से निजी निवेश को आकर्षित करने और मध्यम अवधि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डिजिटल अवसंरचना तथा ऊर्जा नेटवर्क पर व्यय में तेज वृद्धि की गई है। हालांकि, निजी क्षेत्र ने अभी तक वह तथाकथित जुझारूपन (एनिमल स्पिरिट) पूरी तरह से प्रदर्शित नहीं किया है। उन्होंने सुधारों को ठोस परिणामों में तब्दील करने के लिए सरकार, उद्योग और ज्ञान क्षेत्र के भागीदारों के बीच घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया। मोदी ने कहा, हमें अवसंरचना में अधिक भागीदारी एवं वित्तीय मॉडल में नवाचार की आवश्यकता है, हमें परियोजना स्वीकृति पद्धतियों को मजबूत करना चाहिए और मूल्यांकन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ा

अमृत विचार, लखनऊः सेवानिवृत वरिष्ठ आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी का मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में लगातार चौथी बार एक साल और कार्यकाल बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अवनीश अवस्थी भी सिंगापुर और जापान दौरे गए हुए थे और शुक्रवार को ही लौटे है। अवनीश अवस्थी फरवरी 2022 में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत होने के बाद ही उन्हें मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके बाद उनका कार्यकाल लगातार बढ़ता रहा है। अब तक उनका चार बार बढ़ चुका है। 1987 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी का जन्म 19 अगस्त 1962 में हुआ था। आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक हैं। वह गृह सचिव, सूचना विभाग के प्रमुख और यूपी एक्सप्रेसवे अथॉरिटी के सीईओ भी रह चुके हैं।

हर्बल गुलाल संग 'लखपति दीदी' अभियान को रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊः उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिला स्वावलंबन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से होली पर राज्यव्यापी विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिससे स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं की आय बढ़ेगी। एसएचजी ग्रुप की दीदियां हर्बल गुलाल, पापड़, चिप्स, मिठाइयां, अगरबत्ती व अन्य हस्तशिल्प उत्पाद तैयार कर रही हैं। पलाश के फूल, चुकंदर और गेंदे से बना केमिकल-फ्री गुलाल "स्वस्थ होली–सुरक्षित होली" का संदेश दे रहा है। सभी जिलों में सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जा रहे हैं और ई-सरस समेत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था की जा रही है। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण महिलाओं को "लखपति दीदी" लक्ष्य से जोड़ने की दिशा में अहम कदम है।

10 दिवसीय 'कला अभिरुचि पाठ्यक्रम' संपन्न

अमृत विचार, लखनऊः उ.प्र. राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय 'कला अभिरुचि पाठ्यक्रम' के अंतिम दिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। अतिका वर्मा ने प्रथम, कशिश चौधरी ने द्वितीय और कुलदीप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रिया तिवारी और ऋचा मेहरोत्रा को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनकी रचनात्मकता और समर्पण की सराहना की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस तरह के पाठ्यक्रम युवाओं में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को प्रदेश की समृद्ध विरासत और परंपराओं से जोड़कर उनमें गर्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

कौशल विकास मिशन का छह संस्थाओं से एमओयू

अमृत विचार, लखनऊः मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान करने की दिशा में लगातार पहल कर रही है। लखनऊ स्थित मिशन मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मिशन निदेशक पुलकित खरे और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार की उपस्थिति में नॉन-फाइनेंशियल एमओयू साइन किए गए। यह पहल व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में की गई। मिशन निदेशक ने बताया कि भारतेंदु नाट्य अकादमी के सहयोग से युवाओं को मंच कौशल और संवाद क्षमता का प्रशिक्षण मिलेगा, जबकि ऑरेकल द्वारा विकसित ऑनलाइन कोर्स मिशन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

आयकर विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाया तो लपेटे में आ सकते हैं कई दिग्गज नेता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित कंपनी के आफिस पर आयकर विभाग की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी रही। पूरे दिन अधिकारी बरामद नकदी, जेवर और जमीन और प्लाटों के दस्तावेज, लूज शीट, रसीदें आदि के जरिए कथित टैक्स चोरी की हिसाब किताब लगाते रहे। उधर सूत्रों का दावा है कि मिले दस्तावेजों से साफ हो रहा है कि विधायक के बसपा के साथ ही भाजपा और सपा के नेताओं से भी संबंध थे। साथ ही विभागों के आला अफसरों से सांठगांठ कर टेंडर प्राप्त किए जाते थे। अब आशंका इस बात की है कि यदि आयकर विभाग की टीमों ने जांच में विस्तार किया तो कई दिग्गज नेता भी दायरे में आ सकते हैं।

■ बसपा विधायक के यहां तीसरे दिन भी जारी रही आयकर टीम की कार्रवाई

■ छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के आफिस में मिली संपत्ति का हिसाब लगाते रहे अफसर

बलिया के रसड़ा से बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर बुधवार को सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। इसके साथ ही बलिया, सोनभद्र और कौशांबी समेत विधायक से जुड़ी कंपनियों और कई लोगों के यहां भी कार्रवाई जारी है। दावा है कि इस कार्रवाई में करीब 10 करोड़ की संपत्ति के साथ ही जेवर और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, लूज सीट, डायरी, हाथ से लिखे हिसाब, टेंडर भुगतान के कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। हालांकि आयकर विभाग ने इस बारे में को छापे की जड़ में उमाशंकर सिंह द्वारा बनाई गई सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी बताई जा रही है।

कंपनी की स्थापना उमाशंकर सिंह ने जनवरी 2009 में की थी। पहले वह खुद ही इसके निदेशक थे, लेकिन बाद में पत्नी को निदेशक बना दिया। छापे में साफ हुआ है कि छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईराम इंटर प्राइजेज बसपा, सपा और भाजपा सरकार में कई करोड़ों के ठेके लिए। सोनभद्र में खनन के मामले में कैग की रिपोर्ट में 60 करोड़ रुपये का घपला पकड़ा गया था। माना जा रहा है कि कैग की रिपोर्ट के आधार पर ही आयकर विभाग ने कार्रवाई की है।

आवास और आफिस में पसरा सन्नाटा

■ विधायक उमाशंकर सिंह का आवास गोमती नगर के विपुल खंड में है। आवास से ही कुछ दूरी पर सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी का आफिस है। पहली बार जब बुधवार को छापा पड़ा था तो वहां पर समर्थकों और आसपास के लोगों की काफी भीड़ लगी रही, लेकिन दूसरे दिन भी कुछ लोग आते और जाते रहे। लेकिन तीसरे दिन शुक्रवार को आवास और आफिस पर सन्नाटा पसरा रहा। अंदर टीम जांच में जुटी है, वहीं बाहर महिला और पुरुष पुलिस कर्मी तैनात रहे।

फरवरी तक 1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह

आबकारी से 13 प्रतिशत अधिक आय, जीएसटी-वैट-परिवहन सहित हर क्षेत्र में बढ़ा राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के फरवरी महीने के अं तक की कर एवं करेत्तर राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा की। इसमें अब तक 1.96 लाख करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रह किया जा चुका है। आबकारी से 13 प्रतिशत अधिक आय के साथ जीएसटी-वैट-परिवहन सहित हर क्षेत्र में राजस्व बढ़ा है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। योगी ने होली के मद्देनजर पर अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई के साथ लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और बेहतर कर सेवाओं की पर जोर दिया।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीकरण, परिवहन, ऊर्जा, भू-राजस्व व खनन विभागों द्वारा प्रस्तुत लक्ष्यों और उपलब्धियों का आकलन करते हुए कहा कि राजस्व वृद्धि प्रदेश में विकास कार्यों की गति को निर्धारित करती है। उन्होंने सभी विभागों को पारदर्शिता, दक्षता और नवाचार-आधारित कार्यप्रणाली के साथ लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिए कर-राजस्व का वार्षिक लक्ष्य 2.95 लाख करोड़ निर्धारित है, जिसके मुकाबले फरवरी 2026 तक 1,96,177 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व में निरंतर वृद्धि से प्रदेश में बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण योजनाओं, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। आबकारी विभाग का वार्षिक लक्ष्य 63,000 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 48,501 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13.2 प्रतिशत अधिक है। मार्च में करीब 9,050 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री ने होली पर्व को देखते हुए अवैध और जहरीली शराब के निर्माण व बिक्री पर शून्य सहनशीलता अपनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैंड रिकॉर्ड डिजिटाइजेशन और रजिस्ट्री कार्यालयों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। परिवहन निगम की बसों की फिटनेस सुनिश्चित करने, नए रूट चिन्हित कर निजी क्षेत्र के सहयोग से बस सेवाएं शुरू करने और होली के दौरान कानून-व्यवस्था व आबकारी नियंत्रण को लेकर प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए।

अपने आवास पर राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

जीएसटी–वैट से मजबूत योगदान

■ राज्य कर (जीएसटी वैट) का वार्षिक लक्ष्य 1,75,725 करोड़ है, जिसके सापेक्ष फरवरी तक 1,03,770 करोड़ का संग्रह हुआ। इसमें जीएसटी से 75,195 करोड़ और वैट से 28,575 करोड़ शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि जीएसटी 2.0, एआई आधारित जोखिम विश्लेषण, ई-इनवॉइसिंग, ई-वे बिल की प्रभावी निगरानी और फर्जी आईटीसी पर नियंत्रण से कर अनुपालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रयासों से अब तक 3,117 करोड़ की अतिरिक्त वसूली की गई है।

स्टाम्प व परिवहन में भी मजबूती

■ स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने लक्ष्य 38,150 करोड़ के सापेक्ष फरवरी तक 29,487 करोड़ की प्राप्ति दर्ज की। परिवहन विभाग ने 14,000 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 11,005 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वहीं, खनन विभाग ने लक्ष्य 6,000 करोड़ के सापेक्ष फरवरी तक 3,597 करोड़ का संग्रह किया, जबकि मार्च में लगभग 600 करोड़ की अतिरिक्त प्राप्ति का अनुमान है।

76 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा अपना भवन

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आंगनबाड़ी ढांचे को पूरी तरह सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के बचे सभी 76 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को उनके स्वयं के भवनों में संचालित करने के लिए विस्तृत और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री-प्राइमरी शिक्षा की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए इनका वातावरण सुरक्षित, आकर्षक और शैक्षिक रूप से समृद्ध होना चाहिए। सीएम आवास पर हुई बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1.89 लाख से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से लगभग 76 हजार केंद्रों के पास अपना भवन नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन केंद्रों के भवन निर्माण में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) से सहयोग लिया जाए और आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार भी वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल ईंट–पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी की मजबूत बुनियाद हैं। प्रस्तावित नए भवनों में आधुनिक और समावेशी सुविधाओं का समावेश किया जाना। इनमें सुरक्षित पेयजल व विद्युत व्यवस्था, बाल–मित्र शौचालय और लो–हाइट वॉश यूनिट, खेल आधारित गतिविधियों के लिए पर्याप्त प्ले एरिया, किचन शेड व हॉट–कुक्ड मील की व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु पृथक कक्ष और रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और पोषण वाटिका जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाने को आज से लगेगी एचपीवी वैक्सीन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सर्वाइकल (गर्भाशय) कैंसर की रोकथाम के लिए आज से ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान शुरू हो रहा है। अभियान के तहत प्रदेश की लगभग 46 लाख किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 14 वर्ष की आयु की किशोरियों को गार्डासिल-4 वैक्सीन की सिंगल डोज निःशुल्क दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक राजधानी लखनऊ में इसका शुभारंभ करेंगे। यह अभियान राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका शनिवार को प्रधानमंत्री अजमेर से शुभारंभ करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ.अरूण कुमार अरूण के अनुसार यह टीका सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध रहेगा। अभियान तीन माह तक प्रतिदिन संचालित होगा, इसके बाद नियमित टीकाकरण दिवसों पर भी यह वैक्सीन लगाई जाएगी।

अब मतदाता बनने के लिए बचे मात्र तीन दिन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दावे और आपत्तियां अब केवल अब छह मार्च तक ही स्वीकार की जाएंगी। ऐसे में नए मतदाताओं और नाम संशोधन कराने वालों के पास आवेदन करने के लिए केवल तीन दिन ही बचे हैं। दस अप्रैल को एसआईआर के तहत तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

निर्वाचन विभाग के अनुसार जो युवा एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे यदि छह मार्च तक आवेदन कर देते हैं तो उनका नाम 10 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार के बाद रविवार अवकाश रहेगा, जबकि सोमवार, मंगलवार और बुधवार को होली का सार्वजनिक अवकाश घोषित है। ऐसे में व्यावहारिक रूप से शनिवार के बाद पांच और छह मार्च को ही बीएलओ से संपर्क कर फार्म जमा करना का अवसर मिलेगा। हालांकि राहत की बात यह है कि जो लोग आनलाइन आवेदन करते हैं तो वह हो जाएंगे।

किसी का वोट एक से अधिक स्थान पर है तो स्वेच्छा से नाम कटवा लें

■ मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को अलीगढ़ में एसआईआर के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान कहा कि यदि किसी मतदाता का नाम एक से अधिक स्थान पर है तो फार्म-7 भरकर स्वेच्छा से उसे कटवा लें। यह एक दण्डनीय अपराध है, जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित मतदाता का होगा। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को भी सम्मानित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अलीगढ़ में विधान सभा क्षेत्र कोल के सन्त फिदेलिस स्कूल के सुनवाई केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

ओबीसी योजनाओं का लाभ देने के लिए तैयार होगी जिलेवार रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ओबीसी कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ ओबीसी वर्ग को मिल रहा है या नहीं, इसकी जिलेवार समीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

आयोग के अध्यक्ष, शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने योजनाओं की समीक्षा करते हुए जोर दिया गया कि उनका लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। इस दौरान नियुक्तियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को लेकर प्राप्त शिकायतों पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उत्थान से जुड़ी योजनाओं और आरक्षण संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा विभिन्न जातियों के सम्मेलन और निष्कासन से जुड़े प्रत्यावेदनों की भी समीक्षा की गई। आयोग ने स्पष्ट किया कि ओबीसी समाज के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आयोग ने भरोसा दिलाया कि वह पारदर्शिता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा, ताकि पिछड़ा वर्ग के अधिकारों और हितों की रक्षा हो सके। बैठक में उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली समेत आयोग के सदस्य मौजूद रहे।

बैठक लेते आयोग के पदाधिकारी।

आयुध कारखाना के पूर्व सीजीएम पर आय से अधिक संपत्ति की एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सीबीआई ने आयुध उपकरण कारखाना हजरतपुर फिरोजाबाद के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह पर आय से अधिक संपत्ति हासिल करने की रिपोर्ट दर्ज की है। सीबीआई जांच में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने व पद के दुरुपयोग कर अवैध कमाई की पुष्टि हुई।

मामले की जांच सीबीआई एसीबी गाजियाबाद के एएसपी अशोक कुमार को सौंपी गई है। सीबीआई के मुताबिक अमित सिंह 1 अप्रैल 2022 से 31 दिसंबर 2025 के बीच आयुध उपकरण कारखाना, हजरतपुर, फिरोजाबाद में महाप्रबंधक व मुख्य महाप्रबंधक के पद पर तैनात थे। इस अवधि के दौरान उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। जांच में करीब 55,58,471 रुपये (73.28 प्रतिशत) की अनुपातहीन संपत्ति का मामला सामने आया है।

अमित सिंह भारतीय आयुध कारखाना सेवा (बैच 1998) के अधिकारी हैं। उन्होंने 7 सितंबर 1998 को सेवा शुरू की थी। 30 जून 2022 को उन्होंने हजरतपुर स्थित आयुध उपकरण कारखाना में महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। यह कारखाना रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन संचालित ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड की विनिर्माण इकाइयों में शामिल है। जो भारतीय सशस्त्र बलों, गृह मंत्रालय की सेनाओं और विभिन्न राज्य पुलिस बलों के लिए पैराशूट, बैग, वर्दी सहित रक्षा उपकरणों का उत्पादन करता है।

■ सीबीआई की जांच में पाया गया आय से अधिक खर्च व पद के दुरुपयोग का मामला

■ आयुध उपकरण कारखाना हजरतपुर फिरोजाबाद के मुख्य महाप्रबंधक अमित सिंह पर कार्रवाई

2023 में बने थे मुख्य महाप्रबंधक

■ जांच एजेंसियों के अनुसार ओईएफ हजरतपुर में अमित सिंह सबसे वरिष्ठ अधिकारी थे। कारखाने के प्रशासन, संचालन, संसाधनों के उपयोग तथा मानव संसाधन प्रबंधन की समग्र जिम्मेदारी उनके पास थी। उन्हें वर्ष 2023-24 में मुख्य महाप्रबंधक बनाया गया, लेकिन जिम्मेदारियां वहीं रहीं। 25 दिसंबर 2025 को उनका तबादला आयुध वस्त्र कारखाना, कानपुर कर दिया गया। वर्तमान में वे ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड प्रशिक्षण अकादमी, कानपुर में तैनात बताए जा रहे हैं।

कमाई से 55.58 लाख रुपये किया अधिक खर्च

■ सीबीआई की जांच में सामने आया कि जांच अवधि से पूर्व यानी 1 अप्रैल 2022 से पहले अमित सिंह के पास ज्ञात स्रोतों से अर्जित करीब 18,82,871 रुपये की चल-अचल संपत्ति थी। इसमें उनके और उनकी पत्नी नीलम सिंह के बैंक खातों की प्रारंभिक राशि तथा वर्ष 2007 में बरेली में पत्नी के नाम खरीदे गए मकान का मूल्य शामिल है। जांच अवधि के अंत, 31 दिसंबर 2025 तक अमित सिंह और उनके परिवार के पास कुल 37,33,567 रुपये की संपत्ति पाई गई। इसमें वर्ष 2023 में लखनऊ में पत्नी के नाम फ्लैट का भुगतान, बरेली स्थित मकान का मूल्य, म्यूचुअल फंड निवेश और बैंक खातों में जमा राशि शामिल है। आरोपी अधिकारी को 75,57,303 रुपये का शुद्ध वेतन और 28,220 रुपये का ब्याज प्राप्त हुआ। जिससे कुल ज्ञात आय 75,85,523 रुपये पायी गई। इस दौरान अमित सिंह ने परिवार पर कुल 1,12,93,298 रुपये खर्च किया।

सीपीआर देकर यात्री को बचाने वाले 13 कर्मचारी सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने कहा कि यदि पुलिस सतर्क और सक्रिय रहेगा तो अपराध रोकने में सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान उन्होंने पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बरेली में यात्री को सीपीआर देकर बचाने वाले सिपाही हरिओम और कानपुर के सेंट्रल स्टेशन पर दो साल के चोरी हुई बच्ची को बचाने वाले समेत दर्जन भर से अधिक पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में बरेली जीआरपी में तैनात हरिओम, दो साल के बच्चे को केवल चार घंटे में तलाश कर परिजनों से मिलाने वाले कानपुर के डिप्टी एसपी दुष्यंत कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह, दारोगा मोहित कुमार, सिपाही सत्येन्द्र सिंह, शिवेन्द्र सिंह, दीपक यादव को सम्मानित किया गया। इसी तरह जीआरपी टूंडला के एसओ मोनू कुमार आर्य, एसआई सतेन्द्र कुमार, सिपाही मनोज कुमार के साथ ही जीआरपी कर्वी की महिला एसआई शालिनी सिंह भदौरिया, हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह और सिपाही हरिकेश मौर्य को भी सम्मान से नवाजा गया।

शासनादेश

सोलर फेंसिंग परियोजना के लिए किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि की मजबूती को मिले 30 .47 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि को मजबूती देने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बुंदेलखंड पैकेज के अंतर्गत कृषि विभाग की एकीकृत कृषि विकास योजना (सोलर फेंसिंग) के लिए 30.47 करोड़ रुपये की शेष धनराशि स्वीकृत करते हुए शासनादेश जारी किया गया है। यह धनराशि पूर्व में स्वीकृत कुल 74.53 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के सापेक्ष बची हुई राशि के रूप में जारी की गई है।

शासनादेश के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस परियोजना के लिए प्रथम किस्त के रूप में 50 करोड़ रुपये जारी किए गए थे, जिसे विभाग द्वारा व्यय न करते हुए समर्पित कर दिया गया था। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में 44.06 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की गई, जिसका पूर्ण उपयोग करते हुए कृषि विभाग ने उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया। अब परियोजना के शेष कार्यों के लिए 30.47 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

सोलर फेंसिंग से किसानों को राहत

■ बुंदेलखंड क्षेत्र में जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सोलर फेंसिंग परियोजना को बेहद अहम माना जा रहा है। इस योजना के तहत खेतों की सुरक्षा के लिए सौर ऊर्जा आधारित बाड़ लगाई जाएगी, जिससे किसानों की फसल सुरक्षित रहेगी और उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि कृषि में टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा।

वित्तीय अनुशासन और सख्त शर्तें

■ शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाएगा। राशि को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अथवा राष्ट्रीयकृत बैंकों में ही रखा जाएगा और यदि कोई ब्याज अर्जित होता है तो उसे राजकोष में जमा कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही परियोजना से संबंधित वित्तीय और भौतिक प्रगति की मासिक रिपोर्ट प्रत्येक माह की 7 तारीख तक नियोजन विभाग को भेजनी होगी।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के लिए 98.28 करोड़ जारी

■ अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना के निर्माण से जुड़े ऋण के मूलधन की अदायगी के लिए 98.28 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इसे यूपीडा को निर्धारित शर्तों के अधीन अवमुक्त किया जाएगा। यह राशि वित्तीय वर्ष 2025–26 में लिए गए ऋण की अदायगी हेतु जनवरी से मार्च 2026 की अवधि के लिए स्वीकृत की गई है। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि जारी की गई धनराशि सीधे उसी बैंक खाते में जमा कराई जाएगी, जहां से संबंधित वित्तीय संस्थाओं का ऋण लिया गया था। इसे किसी अन्य खाते में रखने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही धन के उपयोग को लेकर सख्त वित्तीय नियमों और बजट मैनुअल का अनुपालन अनिवार्य किया गया है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र और कार्य का सत्यापित लेखा निर्धारित समयावधि में महालेखाकार कार्यालय और शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जिम्मेदारी यूपीडा की होगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे परियोजना मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में मजबूत कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास का प्रमुख आधार मानी जा रही है। ऋण के मूलधन की समय पर अदायगी से परियोजना की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होगी और भविष्य की अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए निवेशकों का भरोसा और मजबूत होगा।

टमाटर, भिंडी, कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि जायद फसलों, टमाटर, भिंडी, लोबिया व कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। बसंतकालीन गन्ने की उन्नत किस्मों के प्रयोग पर जोर देते हुए उन्होंने लाल सड़न रोग से प्रभावित 0238 किस्म न बोने की हिदायत दी गई है। गन्ने के साथ उर्द, मूंग या लोबिया की अंतःफसल से आय बढ़ाने की सलाह भी दी गई।

■ उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद ने जारी किया मौसम आधारित कृषि परामर्श

परिषद के महानिदेशक, सभाकक्ष में क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2025-26 की 24वीं बैठक संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमानों के आधार पर प्रदेश के कृषकों को आगामी दो सप्ताह के लिए कृषि प्रबंधन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव और परामर्श जारी किए गए हैं। अनुमान है कि प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा और तापमान में क्रमिक वृद्धि होगी।

विशेषज्ञों ने रबी फसलों में नमी बनाए रखने के लिए सायंकाल हल्की सिंचाई की सलाह दी है। देर से बोए गए गेहूं में दाना भरने की अवस्था पर पोटैशियम नाइट्रेट का पर्णीय छिड़काव तथा गेरुई व पत्ती धब्बा रोग नियंत्रण हेतु प्रोपिकोनाजोल के प्रयोग की संस्तुति की गई है।

चने में फलीबेधक कीट और अरहर में फल मक्खी से बचाव के लिए उचित कीटनाशक उपयोग की सलाह दी गई है। उद्यानिकी में आम के बौर को कीट व खर्रा रोग से बचाने के उपाय बताए गए। पशुपालकों को एफएमडी टीकाकरण और मत्स्य पालकों को कॉमन कार्प व पंगेशियस बीज संचय की सलाह दी गई है। विस्तृत परामर्श उपकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

एकेडमिक टूर को लेकर डीएम ने ली बैठक

कानपुर देहात। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं के शैक्षणिक टूर और नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण व्यवस्था के संबंध में बैठक हुई। इसमें जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं पूर्ण गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं के प्रस्तावित शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने पर बल दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शैक्षणिक टूर पर जाने वाली छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन, भोजन, ठहराव, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं आवश्यक निगरानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि भ्रमण के दौरान छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा उनके साथ महिला स्टाफ एवं जिम्मेदार अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों के वितरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों तक पुस्तकों की उपलब्धता समय से सुनिश्चित की जाए।

राहत योजना का आज आखिरी दिन

रसूलाबाद। बिजली बिल राहत योजना 2025-26 का शनिवार को अंतिम दिवस है। इस योजना के तहत ब्याज में 100 छूट मिलती है। इसके साथ ही बड़े बिलों को किस्त में अदा करने की सुविधा प्राप्त होती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए लोग शनिवार को बिजली घर रसूलाबाद में जाकर अपने बिल जमा कराकर और राहत का लाभ पाए। एसडीओ विद्युत सहादत सलीम ने बताया कि बिजली बिल राहत योजना 2025-26 के तहत समस्त उपभोक्ताओं को ब्याज में पूर्ण छूट मिलेगी। इसके साथ ही अधिक बिल होने पर उन्हें किश्तों में जमा करने की सुविधा प्राप्त होगी। इस सुविधा का शनिवार को अंतिम दिवस है जिसका अधिक से अधिक उपभोक्ता लाभ उठाने के लिए शनिवार को विद्युत उपकेंद्र रसूलाबाद पहुंचे।

शादी-समारोह के दौरान फोटो ग्राफर की बाइक चोरी

मंगलपुर। डेरापुर थाना क्षेत्र में मुंगीसापुर स्थित एक गेस्ट हाउस के बाहर से फोटोग्राफर की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। मंगलपुर थाना क्षेत्र के लौवा का पुरवा गांव निवासी सुशील कुमार ने बताया कि वह 25 फरवरी को एक शादी समारोह में वीडियोग्राफी करने को गया था। अपनी मोटरसाइकिल गेस्ट हाउस के ऑफिस के सामने खड़ी की थी। अगले दिन, बाइक लेने बाहर आया तो गायब मिली। गेस्ट हाउस परिसर और आसपास काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। इसके बाद, उन्होंने गेस्ट हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी, जिसमें एक व्यक्ति उनकी मोटरसाइकिल ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। पीड़ित सुशील कुमार का कहना है कि उन्होंने गुरुवार को ही डेरापुर थाना और मुंगीसापुर चौकी में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, अब तक उनकी बाइक बरामद नहीं हो सकी है। चौकी प्रभारी अरविंद तिवारी ने शुक्रवार दोपहर बताया कि उन्हें पीड़ित की ओर से कोई लिखित प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई करेंगे।

अरसे बाद क्रियाशील हुई सलेमपुर सीएचसी

राजपुर। नगर पंचायत क्षेत्र के सलेमपुर गांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 साल के बाद क्षेत्रीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं मिलीं। इसे लेकर ग्रामीणों में हर्ष की लहर है। भर्ती होने के साथ-साथ मरीजों को एक्स-रे मशीन की सुविधा मिल रही। इसके अलावा मलेरिया, टायफाइड, डेगू आदि की दवाएं भी मुहैया हो रहीं। 60 से लेकर 70 तक मरीजों की रोज ओपीडी हो रही। स्वास्थ्य सेवाएं बढ़ने से लोग खुश है। डा आरपी सागर, फार्मासिस्ट अजय कटियार, वार्डब्याय कपिल सचान, अरुण कुमार, एक्स-रे टेक्नीशियन पिंटू यादव दायित्व निभा रहे। राजपुर चिकित्सा प्रभारी डा सलिल सचान ने बताया कि सीएचसी में स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने के कारण क्षेत्र से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए आ रहे हैं।

लक्ष्य का 93.48 फीसदी फैमिली कवरेज हुआ पूरा

आयुष्मान योजना

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जनपदीय स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आयुष्मान भारत योजना की विस्तृत समीक्षा हुई। इसमें बताया गया कि फैमिली कवरेज के अंतर्गत लक्ष्य के सापेक्ष 93.48 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की जा चुकी है, जब कि कुल लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 65 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पात्र व्यक्तियों में लक्ष्य के सापेक्ष 77.29 प्रतिशत कार्ड बनाए जा चुके हैं। डीएम ने शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा जननी सुरक्षा योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने हेतु ठोस एवं प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी तथा शत-प्रतिशत टीकाकरण लक्ष्य प्राप्त किया जाए। मातृत्व मृत्यु के मामलों पर विशेष संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की गहन समीक्षा कर कारणों की पहचान की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

बैठक में टीकाकरण कार्यक्रम, आभा आईडी, क्षय रोग (टीबी) नियंत्रण कार्यक्रम, तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम सहित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं की भी समीक्षा की।

77 प्रतिशत से ज्यादा कार्ड बना जा चुके

विशेष मतदाता पुनरीक्षण : बीएलओ ने अपने क्षेत्र के बारे में दी जानकारी

रसूलाबाद। बूथ संख्या 88 पर शुक्रवार को विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। समीक्षा बैठक में पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा और कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही अधिकारियों ने मौके पर उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। बताया गया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की गहन समीक्षा करना और अधिकारियों, कर्मचारियों तथा मतदाताओं के सहयोग से आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाग संख्या 88 के बीएलओ अनिरुद्ध कुमार, भाग संख्या 89 की कमलेश कुमारी और भाग संख्या 90 की बीएलओ नीलम शुक्ला उपस्थित थीं। तीनों बीएलओ ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की और पुनरीक्षण कार्य को प्रभावी बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके सहयोग से मतदाता सूची से संबंधित तथ्यों का सत्यापन सुचारु रूप से संपन्न हुआ। इसमें बड़ी संख्या में मतदाताओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रशासन को आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराईं, जिससे पुनरीक्षण कार्यक्रम को मजबूती मिली और प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रही।

भूमि समस्याओं के लिए लगाई गई चौपाल

चौपाल में किसानों की समस्याएं सुनते अधिकारी।

रसूलाबाद। चकबंदी आयुक्त और जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश पर तहसील क्षेत्र के ग्राम नैला कटरा में चकबंदी संबंधी समस्याओं के लिए ग्राम पंचायत चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें भूमि संबंधी मामलों की सुनवाई हुई। चकबंदी अधिकारी कमलेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। चौपाल में उपस्थित किसानों ने चकबंदी से संबंधित विभिन्न शिकायतें प्रस्तुत कीं। इनमें भूमि सीमांकन, खातेदारी, आपसी विवाद, रास्तों की समस्या और अभिलेखों में त्रुटियां शामिल थीं। चकबंदी अधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। कई समस्याओं का तत्काल समाधान किया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया गया। चौपाल में लगभग एक सैकड़ा ग्रामीण व किसान उपस्थित रहे। इनके साथ ही चकबंदी समिति के सदस्य गंगाराम, राम शंकर, इंद्रजीत, हरिश्चंद्र, उपेंद्र सिंह, रामशरण और अमरेश कुमार भी मौजूद थे।

मामलों में जल्द न्याय दिलाने को करें प्रभावी पैरवी : डीएम

डीएम ने की अभियोजन कार्यों की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक करते डीएम व एसपी। अमृत विचार

अमृत विचारः जनपद में अभियोजन कार्यों की प्रगति एवं लंबित प्रकरणों के प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की समीक्षा हुई। इसमें न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की स्थिति, प्रभावी पैरवी, साक्ष्य प्रस्तुतिकरण तथा विभागीय समन्वय की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं को निर्देशित किया कि सभी वादों में गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक पैरवी सुनिश्चित की जाए, ताकि मामलों में शीघ्र न्याय दिलाया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियोजन कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक शिथिलता अथवा विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समयावधि में अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग एवं अभियोजन अधिकारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि साक्ष्य संकलन, केस डायरी की समय से उपलब्धता, गवाहों की उपस्थिति एवं अन्य न्यायिक औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, जिससे अभियोजन कार्यों की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि लंबित मामलों की निरंतर समीक्षा की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, उप जिलाधिकारी सुरभि शर्मा, संयुक्त निदेशक अभियोजन अजय श्रीवास्तव, एसपीओ अविनाश सिंह चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

जल्द हटवाया जाएगा प्रमुख चौराहे से दो मीटर का अतिक्रमण

रसूलाबाद। बाजार में अराजकता न हो इसके लिए व्यापारियों को सचेत रहना होगा। सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ दुकानों के शटर में सेंट्रल लॉक भी लगाएं। यह बात रसूलाबाद प्रभारी निरीक्षक शिवनरायन सिंह ने व्यापारियों के साथ बैठक के दौरान कही।

आगामी त्योहारों को देखते हुए बाजारों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए और व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को रसूलाबाद थाने में व्यापारियों की एक बैठक बुलाई गई। इसमें रसूलाबाद कस्बे के व्यापारियों ने बैठक में पहुंचकर अपने सुझाव दिए। इसके साथ ही जिम्मेदार अफसरों ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपराध निरीक्षक धीरेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि रसूलाबाद कस्बे के मुख्य चौराहा पर ऑटो, ई रिक्शा चालकों की मनमानी से जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है और अराजकता फैल रही है। इसको लेकर नगर पंचायत प्रशासन के साथ मिलकर कस्बे के मुख्य चौराहा की 200 मीटर परिधि के आसपास अस्थायी अतिक्रमण को हटाया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ उपनिरीक्षक राम सिंह,कस्बा प्रभारी प्रमोद दीक्षित, नार खास चौकी प्रभारी शिवबहादुर सिंह ,व्यापारी नेता कमल दुबे, अनुराग त्रिपाठी आदि रहे।

बरकत का माह रमजान दूसरों की मदद करें

संवाददाता, रसूलाबाद

नगर काजी हाजी अब्दुल रऊफ बकाई।

अमृत विचार। रमजान का महीना केवल रोजे रखने का नहीं वरन् सब्र करने का महीना है। हमें यह ख्याल रखना चाहिए कि अगर हमें किसी से कोई शिकायत या तकलीफ भी पहुंची हो तो हम उस पर सब्र करके इस बात का ध्यान रखें कि रमजान माह हमें अल्लाह ने सब्र करने के लिए दिया है।

यह बात कस्बे की जामा मस्जिद में रमजान महीने के दूसरे जुमा की नमाज अदा करने के पहले नगर काजी हाजी अब्दुल रऊफ बकाई ने कहीं। उन्होंने कहा सब्र के इस महीने में हम खाने पीने से भी परहेज रखें। अपनी जिंदगी साफ सुथरी बनाएं और पास पड़ोस मोहल्ले वालों का ख्याल रखें। इसके साथ ही सुबह से लेकर शाम तक भूखे और प्यासे रहने का मतलब यह है कि हम उन गरीबों को भी याद रखें जिनको पेट भर खाना भी नहीं मिल पाता है।

अल्लाह ने अगर हमें इस काबिल बनाया है कि हम दूसरों की मदद कर सकते हैं तो हम गरीबों, भूखे, लाचारों का भी ख्याल रखें और उनकी इस महीने में मदद करें ताकि अल्लाह भी खुश हो और हमारी दुनिया भी खुशहाल बनी रहे। रमजान के बरकत वाले महीने में दूसरे जुमा को बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की और दुआएं मांगी।

दौलतपुर कछार में मिला 43 लाख रुपये का अवैध खनन

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर कछार में खंड संख्या एक में बीते दिवस एसडीएम एवं खान अधिकारी की संयुक्त जांच टीम ने पुलिस बल के साथ औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से बाहर कुल 7972.30 घनमीटर साधारण बालू का अवैध खनन एवं परिवहन पाया गया। साथ ही खनन स्थल पर कई स्थानों पर पानी भराव की स्थिति भी पाई गई, जिससे पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। जांच में पट्टा धारक इंदर सिंह द्वारा की गई अनियमितताओं के कारण अनुमानित 43,26,704 रुपये की राजस्व क्षति पाई गई। प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में किसी भी प्रकार के अवैध खनन एवं अवैध परिवहन को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनपद स्तर पर गठित टास्क फोर्स द्वारा सतत निगरानी रखते हुए नियमित जांच एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की जा रही है, ताकि राजस्व की क्षति रोकी जा सके तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके। प्रशासन अवैध खनन के विरुद्ध अपनी कार्रवाई आगे भी इसी प्रकार सख्ती से जारी रखेगा।

तहसील में शिकायती पत्र देने जाते विस्थापित शरणार्थी व हिंदू परिवार। अमृत विचार

विस्थापित शरणार्थी हिंदू परिवारों ने मांगा जमीन का मालिकाना हक

संवाददाता, रसूलाबाद

- बंगाली हिंदू परिवारों ने शुक्रवार को एसडीम रसूलाबाद को ज्ञापन सौंपकर की मांग
- बांग्लादेश से आए एवं रसूलाबाद तहसील के ताजपुर तरसौली गांव में रह रहे

अमृत विचार। बांग्लादेश से आए एवं रसूलाबाद तहसील के ताजपुर तरसौली गांव में बसाए गए दो दर्जन से अधिक विस्थापित शरणार्थी बंगाली हिंदू परिवारों ने शुक्रवार को एसडीम रसूलाबाद सर्वेश कुमार सिंह को एक शिकायती पत्र सौंप कर भूमि अभिलेखों में सुधार और मालिकाना हक दिलाने की मांग की है।

विश्वजीत सरकार, सुभाष मंडल, परिमल मंडल, अजय विश्वास, डालन सरकार सहित अन्य बंगालियों ने बताया कि उनके परिवार वर्ष 1964 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आए थे। भारत सरकार ने पहले उन्हें उत्तराखंड के रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप में रखा था। बाद में, जिला सहायता एवं पुनर्वास योजना के तहत उन्हें कानपुर देहात के रसूलाबाद तहसील के ताजपुर तरसौली में बसाया गया। वर्ष 1982 से 1984 के दौरान कुल 92 परिवारों को पुनर्वासित किया गया था। प्रत्येक परिवार को तीन-तीन एकड़ कृषि योग्य भूमि आवंटित की गई थी, जिसमें रास्ता, नाली और बोरिंग जैसी सुविधाएं भी शामिल थीं। इन परिवारों का आरोप है कि कंप्यूटर खतौनी और राजस्व अभिलेखों में गाटा संख्या गलत दर्ज कर दी गई है। इसके अतिरिक्त चकबंदी के दौरान उनकी भूमि का रकबा भी कम कर दिया गया, जिससे कई परिवारों की जमीनें अलग-अलग चकों में दर्ज हो गईं। इस स्थिति के कारण परिवारों में अनिश्चितता और भ्रम बना हुआ है। परिवारों ने यह आशंका भी जताई कि जब तक अभिलेखों को दुरुस्त नहीं किया जाता, तब तक उनकी आवंटित भूमि पर किसी अन्य व्यक्ति को भी पट्टा दिया जा सकता है। उन्होंने मांग की है कि गलत गाटा संख्या को ठीक किया जाए, चकबंदी में कम किए गए रकबे को पूरा कर पुरानी स्थिति बहाल की जाए और तीन-तीन एकड़ कृषि भूमि की कंप्यूटर खतौनी तथा मालिकाना हक का पट्टा जारी किया।

दो सप्ताह में रिपोर्ट सौंपेगी संयुक्त टीम

- प्रकरण पर उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। राजस्व और चकबंदी विभाग की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया है जो दो सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

मां और तीन बेसहारा बेटियों की मदद को आगे आई संस्था

संवाददाता, मंगलपुर

मां और उनकी तीन बेटियों के लिए सामग्री लेकर पहुंचे संस्था के लोग। अमृत विचार

अमृत विचारः क्षेत्र के आराजी बिछियापुर में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा। पिछले वर्ष पिता की असमय मृत्यु के बाद परिवार इसी फरवरी माह में इकलौते पुत्र ईशु (6 वर्ष) की दीवार में दबकर दर्दनाक मौत हो गई। अब परिवार में केवल मां और तीन मासूम बेटियां नेहा (12 वर्ष), दिव्यांशी (10 वर्ष) और कंचन (5 वर्ष) ही बची हैं। घर के सामने रोजी-रोटी और बच्चों के भविष्य का बड़ा संकट खड़ा हो गया।

परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए ग्रामीण शिक्षा उत्थान एवं मानव सेवा समिति,ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए सहायता का हाथ बढ़ाया। समिति द्वारा तीन हजार रुपये की नगद धनराशि, डेढ़ क्विंटल गेहूं, एक क्विंटल चावल, 20 किलो आलू, दाल , डालडा, तेल, साबुन सहित आवश्यक राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई। साथ ही बेटियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर, कटर आदि शैक्षणिक सामग्री दी गई। मां और बेटियों को वस्त्र भी भेंट किए गए। समिति के इस कार्य से न केवल परिवार के चेहरे पर उम्मीद की किरण जगी, बल्कि क्षेत्र में मानवता और सामाजिक एकता का संदेश भी गया। ग्रामीणों ने समिति के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। इस अवसर पर समिति के संस्थापक शिक्षक महेन्द्र वर्मा, दीपक कटियार, सादाब अली, आशीष राजपूत, गौरव राजपूत, प्रदीप तिवारी, मनोज श्रीवास्तव, आदि लोग मौजूद रहे।

शादी में गई विवाहिता के साथ मारपीट, बच्चा छीनने का आरोप

संवाददाता, शिवली

- घटना के संबंध में कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट

अमृत विचार। ननद की पुत्री की शादी समारोह में शामिल होने गई विवाहिता के साथ उसके पति सास व ससुर सहित एक अन्य व्यक्ति ने गांव के बाहर रोक कर मारपीट की। इसके बाद उसके डेढ़ वर्षीय बच्चे को छीन लिया। दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला ने कोतवाली पहुंच रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले को दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है।

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के निबौली बुजुर्ग गांव निवासी अंजलि पत्नी सूरज ने पुलिस को बताया कि वह अपनी ननद पिंकी पत्नी मनोज निवासी गुलजारीपुरवा थाना शिवली की बेटी की शादी समारोह में शामिल होने बीते 25 फरवरी को आई थी। नंद के यहां उसके ससुराल जनों में ससुर भूरा,पति सूरज व सास विद्यावती भी मौजूद थे। किसी बात को लेकर ससुर से हुए विवाद में पति व सास द्वारा मेरे साथ गाली गलौज व मारपीट की गई। घर से चले जाने को कहा। घटना के दूसरे दिन सुबह जब उसने इस घटना के बाबत अपने पिता को बताया तो उसे लेने नंद के घर आए और उसे लेकर अपने साथ चल दिए।

आरोप है कि जब वह गांव के बाहर पहुंचे तो इसी बीच पीछे से हमारे ससुर,सास,पति व अन्य एक अज्ञात व्यक्ति ने मुझे व पिता को रोक कर लात घुसो थप्पड़ों से मारा पीटा। मारपीट के दौरान उसका मोबाइल व बेंदी कहीं गिर गई तथा डेढ़ वर्षीय बच्चे को छीनकर अपने साथ ले गए और दोबारा घर आने पर उसे जान से मारने की धमकी देकर चले गए। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर उसके पिता समेत उस पर हुई मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

रंगोत्सव

होली से पहले कचहरी में हुआ होली मिलन समारोह

गुलाल लगाकर एक-दूसरे को दी होली की शुभ कामनाएं

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

माती कचहरी में होली मिलन समारोह मनाते अधिवक्ता।

मैथा में होली मिलन समारोह में अधिकारी व अधिवक्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। शुक्रवार को कचहरी में जिला बार एसोसिएशन कार्यालय के समीप स्थित झंडा पार्क में अधिवक्ताओं का होली मिलन समारोह हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सहभागिता कर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं तथा संगठनात्मक एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने अपने संदेश में कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे, संवाद और विश्वास को सुदृढ़ करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बार की मजबूती अधिवक्ताओं की एकजुटता, अनुशासन और पारस्परिक सम्मान में निहित है। संगठन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

समारोह में अध्यक्ष पद प्रत्याशी जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि बार की वास्तविक शक्ति उसके सिद्धांत, पारदर्शिता और पारस्परिक सहयोग में है। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से संगठन की एकता को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर, सर्वेंद्र सिंह यादव, सुलेखा, राजेन्द्र गुप्ता, संपत लाल यादव, रमेश चन्द्र सिंह गौर, रमेश पांडे, विश्वनाथ कटियार, राधेश्याम कटियार, अरविन्द यादव, रोहित शुक्ला, शैलेन्द्र तिवारी, अरविन्द सिंह कुशवाह, विनोद चौहान आदि रहे। कार्यक्रम में सहभोज का आयोजन भी हुआ।

मैथा तहसील में अधिवक्ताओं ने खेली होली, दी बधाई : शिवली संवाददाता के अनुसार मैथा तहसील परिसर में शुक्रवार को अधिवक्ताओं द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मिष्ठान वितरण किया गया और आपसी सौहार्द के साथ होली की शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में एसडीएम राजकुमार पांडेय ने अधिवक्ताओं को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा तिवारी एवं महामंत्री धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में तहसील कैंटीन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और ढोल की थाप पर थिरकते हुए उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम में तहसीलदार सुनील कुमार, नायब तहसीलदार अनिरुद्ध कुमार, अशोक त्रिवेदी, देवेंद्र त्रिपाठी, ओमेंद्र शुक्ला, दिलीप श्रीवास्तव, राजीव दीक्षित, अनिल त्रिवेदी, गौरव त्रिवेदी, केके यादव, जनार्दन यादव, अंकित द्विवेदी, संदीप द्विवेदी, अनुज पाल, मुकेश कुमार, शिवकुमार सहित अन्य अधिवक्ता व कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार पिता-पुत्र घायल

घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के साढ़ जहानाबाद मार्ग पर मनियापुर मोड़ के पास बाइक सवार पिता पुत्र बाइक अनियंत्रित होने के कारण सीधे गड्ढे में जा गिरे। इससे दोनों घायल हो गए, जिन्हें पुलिस द्वारा भीतरगांव सीएचसी भेजा गया। वहां से उन्हें कानपुर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार मैकू लाल 70 वर्ष अपने पुत्र राजेन्द्र 44 के साथ अपने गांव इसेपुर थाना जहानाबाद से किसी काम को कानपुर जा रहे थे। जैसे ही साढ़ कस्बे के पास मनियापुर मोड़ पर पहुंचे वह सीधे गड्ढे में जा घुसे, जिससे दोनों पिता पुत्र घायल हो गए। सूचना पर पहुंची साढ़ पुलिस ने तत्काल भीतरगांव सीएचसी भेजा, जहां से दोनों को कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दरवाजे से ट्रैक्टर ट्राली चोरी

चौबेपुर। क्षेत्र के सिंहपुर गांव में दरवाजे पर खड़ी ट्रैक्टर की ट्राली मौका पाकर चोरों ने पार कर दी। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई है। सिंहपुर गांव निवासी रितेश पुत्र संतोष अवस्थी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि रोजाना की तरह वह अपनी ट्रैक्टर ट्राली दरवाजे पर खड़ी करता था। बताया कि मंगलवार रात मौका पाकर चोरों ने ट्राली पार कर दी। तमाम खोजबीन के बावजूद ट्राली का कुछ पता नहीं लग सका। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार बाइक होमगार्ड पर गिरी

हमीरपुर। कस्बे के पठानपुरा निवासी होमगार्ड जयचंद अपना टिफिन लेकर पैदल ड्यूटी जा रहा था। ब्लॉक गेट के पास पहुंचते ही मोहल्ले के एक नाबालिग ने तेज रफ्तार बाइक से नियंत्रण खो दिया और होमगार्ड पर जा गिरी, जिससे बाइक चला रहा नाबालिग किशोर और होमगार्ड दोनों गिरकर घायल हो गए।

नकदी और जेवरात लेकर प्रेमी संग गई

हमीरपुर। क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 24 फरवरी की दोपहर गांव का सजातीय रोहित उसकी पुत्री को बहलाकर ले गया। बेटी घर से 50 हजार रुपये और सोने-चांदी के जेवरात भी ले गई है। पुत्री को कबरई ले जाने की आशंका जताई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज का प्रशिक्षण शुरू

हमीरपुर। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत ग्राम पंचायत सचिवों, प्रधानों, पंचायत सहायकों को ईजीएस, पीएफएमएस, जेम पोर्टल एवं एसएनए स्पर्श पोर्टल का प्रशिक्षण दिया गया। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर महोबा की मास्टर ट्रेनर पूजा मरजीवा ने पोर्टल के बारे में जानकारी दी। जितेंद्र कुमार ने ईजीएस एवं पीएफएमएस के बारे में बताया। डीपीआर महोबा के सहायक फैकल्टी इंचार्ज इरफान खान ने स्वच्छ भारत मिशन की जानकारी दी। प्रथम दिन 74 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

मस्जिद में जानवर घुसने की शिकायत

हमीरपुर। रमजान माह में मस्जिद एवं दरगाह के आसपास गंदे जानवरों के विचरण की शिकायत रोजेदारों ने नगर पंचायत के ईओ से की। कस्बे के इमिलिया थोक निवासी इरशाद खान, शमशाद खान, नूरहसन, साहेब आलम आदि ने अधिशाषी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य को बताया कि रमजान में गंदे जानवर खुलेआम विचरण कर दरगाह एवं मस्जिद में घुसकर गंदगी फैलाते हैं। रोजेदारों ने अधिशाषी अधिकारी से गंदे जानवरों पर प्रतिबंध की मांग की है। ईओ ने कार्यवाही का आश्वासन दिया।

नकली शराब पर प्रशासन सख्त

हमीरपुर। होली के त्योहार को देखते हुए शुक्रवार को उपजिलाधिकारी करनवीर सिंह, सीओ राजकुमार पाण्डेय और आबकारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह की संयुक्त टीम ने तहसील रोड बड़ा चौराहा स्थित शराब के ठेकों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने दुकान संचालकों को सख्त हिदायत दी कि वह न तो निर्धारित मूल्य से अधिक पर शराब बेचें और न ही किसी भी स्थिति में नकली या मिलावटी शराब का स्टॉक रखें। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया, तो संबंधित दुकान का लाइसेंस रद्द करने के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

कोरिया मोड़ पर ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को रौंदा, पत्नी और बच्चे बचे

ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में लेकर पुलिस चालक की कर रही तलाश, परिजनों का रो रोकर हुआ बुरा हाल

संवाददाता, घाटमपुर

रोते बिलखते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के कोरिया मोड़ पर शुक्रवार दोपहर को एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस सड़क हादसे में ईंटों से लदे ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारकर रौंद दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर के पहिए के नीचे दबने से शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना के समय युवक की पत्नी और दो मासूम बच्चे भी साथ थे, जो बाल-बाल बच गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिधनू थाना क्षेत्र के छौंकी गांव निवासी 38 वर्षीय राम सिंह पुत्र कप्तान सिंह भदौरिया अपनी पत्नी छाया के भतीजे की शादी में जनपद फतेहपुर के चांदपुर गांव गए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद वह पत्नी छाया सिंह और

- ससुराल पक्ष के शादी समारोह से वापस आते समय हुआ हादसा
- पुलिस ने बताया तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी

बच्चों के साथ वापस घर लौट रहे थे। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार को दोपहर में राम सिंह पत्नी और एक साल के बेटे छोटू व चार साल की बेटी अनन्या को बाइक से लेकर घर के लिए निकले थे। सात साल की बेटी गौरी को वह साथ नहीं लाए थे। आते समय सजेती थाना क्षेत्र के कोरिया मोड़ पर राम सिंह ने पत्नी और बच्चों को कुछ सामान लेने के लिए बाइक से उतार दिया। इसी दौरान तेज रफ्तार ईंटों से लदे ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मारते हुए राम सिंह को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। हादसे के बाद चालक कुछ दूर ट्रैक्टर खड़ा कर मौके से फरार हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही सजेती पुलिस मौके पर पहुंची और शव को घाटमपुर सीएचसी भेजा। इसके बाद परिजनों को सूचना देने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना की खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। अस्पताल में पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि मासूम बच्चे पिता की मौत से अनजान मां की गोद में बैठे रहे।

सजेती थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया कि ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हुई है। ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हमीरपुर में ट्रक ने ली जान, ग्रामीणों ने जाम लगाने के साथ की तोड़फोड़

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। पत्योरा खदान बालू लादने जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दो युवकों को कुचल दिया। एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया और वाहनों में तोड़-फोड़ की। देर शाम तक अधिकारी समझाने का प्रयास करते रहे।

हादसे के बाद मौके पर लगी गांव वालों की भीड़। अमृत विचार

पत्योरा ग्राम पंचायत के मजरा शिवरामपुर डेरा निवासी शिवरतन (18) पुत्र शिवनरायन निषाद गांव निवासी अपने दोस्त ध्रुव कुमार (20) पुत्र रामखिलावन निषाद के साथ नहर के पास मोड़ पर सड़क किनारे बाइक खड़ी कर बतिया रहा था, तभी खदान जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। इस घटना में शिवरतन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ध्रुव कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एंबुलेंस से सदर अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज चल रहा है।

इस बीच युवक की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने खदान से आने और खदान की तरफ जाने वाले वाहनों में तोड़फोड़ करते हुए जाम लगा दिया। ग्रामीण मृतक युवक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग करने लगे। जाम की सूचना पाकर एसडीएम सदर, सीओ सदर, थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने की कोशिश में जुट गए। शुक्रवार को दोपहर करीब 2:00 बजे घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पत्योरा मार्ग पर जाम लगा दिया और ट्रकों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जाम की सूचना पाकर एसडीएम सदर केडी शर्मा, सीओ सदर राजेश कमल, थानाध्यक्ष अनूप सिंह के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास करने, लेकिन गांव वाले अपनी मांगों पर अडिग रहे सड़क से शव हटाने को तैयार नहीं हुए। देर शाम तक हंगामा चलता रहा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर डटे रहे।

मेड़ पर न्याय के तहत कराया निस्तारण

घाटमपुर। घाटमपुर में मेड़ पर न्याय अभियान के अंतर्गत तहसील घाटमपुर में आम जनमानस को सहज, सरल व त्वरित न्याय दिलाने के लिए बंटवारे के पुराने मुकदमों का खेत पर ही जाकर पक्षों की उपस्थिति में निस्तारण कराया जा रहा है।

शुक्रवार को इस अभियान के क्रम में उपजिलाधिकारी घाटमपुर द्वारा ग्राम आनुपुर, टिकमापुर, अज्योरी में जहां मौके पर जाकर स्वयं मौका मुआयना कर मुकदमों का निस्तारण किया गया। वहीं ग्राम अकबर बीरबलपुर बांगर में क्षेत्रीय लेखपाल को भेजकर पक्षों को उपस्थित कर वीडियो काल से टेलीमुआयना के द्वारा निस्तारण किया गया।

> मेड़ पर न्याय एक सहज व प्राकृतिक न्याय की संकल्पना है, जो ग्रामीण क्षेत्र में बेहद सफल रही है। यह गांव के कम जागरूक व कानूनी ज्ञान से परे रहने वाले गांव के एक साधारण व्यक्ति को भी पारदर्शी व सामान्य बुद्धि की समझ में आने वाला त्वरित समाधान दिलाता है। यह अभियान सतत रूप से चलता रहेगा। - **अबिचल प्रताप सिंह उपजिलाधिकारी घाटमपुर**

खेत पर पहुंच कर समझौता कराते अधिकारी। अमृत विचार

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, लव जिहाद का बखेड़ा

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के बिगहना में एक मुस्लिम परिवार की महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस फांसी लगाकर आत्महत्या की घटना मान रही है। इस मामले में उस समय नया मोड़ आ गया, महिला के हिंदू होने की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता इस मामले को लव जिहाद से जोड़कर तूल देने लगे। पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

बिवांर थाना क्षेत्र के ग्राम बिगहना में शुक्रवार को लगभग 11:00 बजे मुर्तजा उर्फ रज्जू की पत्नी फातिमा (21) ने संदिग्ध हालात में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद उसके परिवार में हड़कंप गया। मामला

फातिमा उर्फ उत्कर्षा।

उस समय पेचीदा हो गया, जब हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने महिला के हिंदू होने की अधिकारियों को सूचना देकर लव जिहाद से मामला जोड़ा। सीओ राजकुमार पांडेय के साथ बिवांर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय ने कहा कि मौत का कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह घटना नगर समेत क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

फातिमा महाराष्ट्र की रहने वाली उत्कर्षा थी

- फातिमा का संबंध हिंदू परिवार से है। वह महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के मदनगढ़े थाना क्षेत्र के पीपलगांव निवासी सुनील सतपाल की पुत्री उत्कर्षा थी। दो साल पूर्व मुंबई के एक होटल में अपने मामा के साथ काम करती थी, जहां मुर्तजा भी पास ही मुर्गा काटता था। दोनों यहां भाग आए और बिना शादी व निकाह के पति-पत्नी के रूप में रहने लगे। दो माह पूर्व ही उसने एक पुत्री को जन्म दिया था।

चित्रकूट धाम की यात्रा पर गये सफाई कर्मचारी

घाटमपुर। घाटमपुर में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को आध्यात्मिक ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए दो दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया है।

यह यात्रा गो सेवक डब्बू शुक्ला के नेतृत्व में 27 फरवरी 2026 को शुरू हुई है। इस यात्रा के दौरान सफाई कर्मचारियों को चित्रकूट धाम के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का दर्शन कराया जाएगा, जिनमें कामदगिरि परिक्रमा, मंदाकिनी तट दर्शन और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल शामिल हैं। इस यात्रा का उद्देश्य नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने वाले कर्मयोगियों को आध्यात्मिक ऊर्जा, मानसिक शांति और नव उत्साह प्रदान करना है।

नगर की स्वच्छता में अतुलनीय योगदान देने वाले सभी सफाई महानायकों को समर्पित इस यात्रा का आयोजन अरविंद मिश्रा द्वारा किया जा रहा है।

सफाई नायक का माला पहनाकर स्वागत करते लोग। अमृत विचार

नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ऑटो पलटा, तीन लोगों की हालत गंभीर

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार अनियंत्रित ऑटो पलट कर खड्ड में चला गया। जिससे तीन लोगों को गंभीर चोटें आईं हैं। फिलहाल तीनों को इलाज के लिए सुमेरपुर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुमेरपुर थाना क्षेत्र के इंगोहटा से भरुआ चलने वाला ऑटो यूपी 90 एटी 2038नेशनल हाईवे पर इंगोहटा से भरुआ सवारी लादकर जा रहा था, तभी रफ्तार अधिक होने के कारण अनियंत्रित पलट कर खड्ढ में जाकर पलट गया। जिसमें इंगोहटा निवासी शत्रुघ्न पुत्र फक्कड़, बिवांर निवासी सुनील पुत्र बाबू प्रजापति, कुसमरा निवासी अशोक पुत्र रामसजीवन गंभीर रूप से घायल हो गए और

- रफ्तार अधिक होने से काबू नहीं कर पाया चालक, खड्ड में गिरा
- हाईवे पर हुआ हादसा, इंगोहटा से भरुआ आ रहा था ऑटो

खड्ड में पड़ा क्षतिग्रस्त ऑटो।

बुरी तरह से ऑटो में फंस गए। राहगीरों ने किसी तरह घायलों को निकाल कर पुलिस और एंबुलेंस के सहयोग से इलाज के लिए सुमेरपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल सभी को गंभीर चोटें बताई जा रही हैं।

कुत्ते से भिड़ी बाइक 3 परीक्षार्थी जख्मी

- **बिवांर।** क्षेत्र के महेरा गांव की खुशबू पुत्री सुखदेव अहिरवार, अनुष्का पुत्री श्याम करण यादव, रेशम पुत्री बबलू कुशवाहा पीएनबी इंटर कॉलेज में इंटर की छात्राएं हैं। शुक्रवार को सुबह पाली में आशुलिपि टंकण का पेपर था। तीनों एक बाइक पर परीक्षा देने जा रही थी। महेरा मोड़ के पास सामने सड़क पर कुत्ता आ गया, जिससे बाइक उससे टकराकर गिर गई, जिससे तीनों छात्राएं और चालक घायल हो गए। पुलिस ने मुस्करा सीएचसी भेजा। छात्राओं के घायल होने उनकी बोर्ड परीक्षा भी छूट गई।

शादी में जा रही युवती से छेड़छाड़

राठ (हमीरपुर)। कस्बे में एक शादी समारोह में जा रही एक युवती के साथ तीन युवकों ने रास्ते में अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ की। यहां तक कि युवती को खींचकर ले जाने का प्रयास किया। किसी तरह युवकों के चंगुल से बचकर भागी युवती ने अपनी मां को जानकारी दी।

महिला के बताया कि बुधवार को वह शादी समारोह में शामिल होने के लिए एक मोहल्ले में गई थी। उसकी बेटी भी साथ थी। वहां से बहू ने पुत्री को एक युवक के साथ कपड़े बदलने के लिए घर भेजा। कपड़े बदलने के बाद लौटते समय एक युवक और उसके दो दोस्तों ने रास्ते में पुत्री के साथ छेड़छाड़ करते हुए उसकी पुत्री का हाथ पकड़कर खींचकर ले जाने का प्रयास किया। बताया कि दबंगों के चंगुल से जान बचाकर भागी उसकी पुत्री ने उसे घटना की जानकारी दी। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया मुकादमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

औरैया में युवक ने चीता बाइक से किया स्टंट, मुख्य आरक्षी निलंबित

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में चीता मोबाइल बाइक से एक युवक ने स्टंट किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित मुख्य आरक्षी को निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार की रात करीब 10 बजे हरीगंज बाजार क्षेत्र का एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें एक युवक चीता मोबाइल बाइक लेकर फाटक की ओर से बाजार की तरफ जाता दिखाई दे रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक कस्बे में बाइक से घूमता नजर आया। वीडियो में युवक कथितरूप से नशे की हालत में दिख रहा है और सरकारी वाहन से स्टंट करते हुए बाइक घूमता नजर आ रहा है।

वायरल वीडियो की फुटेज।

10 बजे रात का मामला जांच शुरू की गई

स्थानीय लोगों ने सरकारी वाहन के इस प्रकार दुरुपयोग पर कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मुख्य आरक्षी सर मोहन सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही चीता मोबाइल बाइक चला रहे हरीगंज बाजार निवासी सुड्डन त्रिपाठी को देर रात गिरफ्तार कर शांति भंग में चालान किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

शांति कमेटी की बैठक होली के पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

होली पर हुड़दंग न करने की दी गई चेतावनी

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। आगामी होली के पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी की अध्यक्षता में बिल्हौर तहसील सभागार में शांति कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में मौजूद उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित और एसीपी मंजय सिंह ने सभी से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आपसी

पीस कमेटी की बैठक में मौजूद सभ्रांतजन। अमृत विचार

बैठक के दौरान मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

भाईचारा बनाए रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। साथ ही सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने को कहा। वहीं डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि होली के मौके पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों या जबरन रंग डालने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पर्व के दौरान किसी भी नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की स्थिति में तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

इस दौरान उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित, तहसीलदार अनुभव ,एसीपी मंजय सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ नीरज पटेल, नगर पालिका ईओ अंजनी मिश्रा, बिल्हौर थाना प्रभारी सुधीर कुमार, अरौल थाना प्रभारी जनार्दन यादव, ककवन थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत के साथ-साथ ग्राम प्रधान, कोटेदार, बीडीसी सदस्य मौजूद रहे।

गाली-गलौज का विरोध करने पर लाठी डंडों से किया हमला

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बे में बुधवार शाम मस्जिद से नमाज पढ़कर घर लौट रहे युवक के साथ पिता पुत्रों ने बेवजह गाली गलौज की। विरोध करने पर पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। इस दौरान बचाव के लिए दौड़े युवक के परिजनों को भी जमकर पीटा। मारपीट में पांच लोग घायल हो गये। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

कस्बा निवासी फिरदौस पुत्र अलीबक्श ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि गत बुधवार शाम करीब 6:30 बजे वह मस्जिद से नमाज पढ़कर घर लौट रहा था। तभी रास्ते में निसार अहमद व उसके पुत्रों इसरार, इमरान व इजहार आदि ने उसके साथ बेवजह गाली-गलौज की। विरोध करने पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। इस दौरान शोरगुल सुन बचाव के लिए दौड़े भाई अफरोज, भतीजे फरीद, भतीजी सारा व भांजे नदीम को भी लाठी डंडों से जमकर पीटा। मारपीट में सभी को गंभीर चोटें आईं। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि मारपीट में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

- मारपीट में पांच लोग हुए घायल अस्पताल भेजा गया
- पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

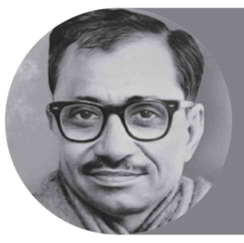

धर्म एक बहुत ही व्यापक और विस्तृत विचार है, जो समाज को बनाए रखने के सभी पहलुओं से संबंधित है।

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय

www.amritvichar.com

अमृत विचार

कानपुर महानगर

कानपुर, शनिवार, 28 फरवरी 2026

कानपुर के प्रमुख समाचार

- भूकंप आए तो राम-राम जपना-II
- निर्यात बढ़ाने को एमएसएमई सेक्टर बेहतर हो -III
- कर्ण की मार्मिक गाथा, ठहाकों से गूंजा बिठूर -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

इफ्तार शनिवार शाम
सुन्नी: 6:12
शिया: 6:21

सहरी रविवार सुबह
सुन्नी: 5:12
शिया: 5:05

हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया: जिसने रमजान के महीने में ईमान और सवाब की नीयत से रोजे रखे तो उसके पिछले गुनाह माफ कर दिये जाते हैं।

सिटी ब्रीफ

नरवल में खनन माफिया पर एफआईआर दर्ज

कानपुर। ग्राम सभा की भूमि पर अवैध खनन करने वाले अज्ञात माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर अज्ञात खनन माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अंकुर शुक्ला पुत्र संजीव कुमार शुक्ला निवासी ग्राम मडेपुर तहसील नर्वल कानपुर द्वारा प्राप्त अवैध खनन की शिकायत के क्रम में ग्राम बरईगढ़ में उपजिलाधिकारी नर्वल एसीपी. घाटमपुर के निरीक्षक ने शिकायतकर्ता की मौजूदगी में जांच की जिसमें शिकायत सही पाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम समाज की भूमि पर अवैध श्रेणी में आता है। बरईगढ़ के लेखपाल अमरीश कुमार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अकेले सिविल लाइंस स्थित आईडीबीआई शाखा के खाते से निकाली गई 850 करोड़ रुपये की रकम

हवाला रैकेट: 68 बैंक खातों से निकाले गए 1600 करोड़ रुपये

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पकड़े गए चार आरोपी। अमृत विचार

24 लाख के लूटकांड में हुआ करोड़ों का खुलासा, शिवांग टेनरी की आईडी पर हैं 12 बैंकों में 68 खाते

14 खातों में ट्रांसफर की गई 850 करोड़ की रकम देशद्रोही गतिविधियों में भी रकम खपाने की आशंका पर एजेंसियां सतर्क

अमृत विचार। श्यामनगर में 24 लाख की लूट की क्राइम ब्रांच ने परतें खोलीं तो 1600 करोड़ के हवाला रैकेट का खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। लूटी गई रकम जाजमऊ के टेनरी कारोबारी महफूज की थी। लूट की जांच में टेनरी कारोबारी और उसके परिजनों के 68 बैंक खातों से करीब 1600 करोड़ के लेनदेन का खुलासा हुआ है। अकेले आईडीबीआई की सिविल लाइंस शाखा से 850 करोड़ की निकासी हुई, जो 14 खातों से ट्रांसफर हुई। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने हवाला, देशद्रोही गतिविधियों में रुपये लगाने की आशंका पर आरबीआई, आयकर, जीएसटी, सीबीआई और ईडी को पत्र लिखने बात कही है। पुलिस जांच में पता चला कि लूट के बाद लुटेरे जामा मस्जिद, कश्मीर, नेपाल भी गए थे। महफूज फरार है।

श्यामनगर में 16 फरवरी को हुई लूट के खुलासे में क्राइम ब्रांच, साइबर सेल व पुलिस की अलग-अलग छह टीमें लगी थीं। गुरुवार देर रात अहिरवां में हीरामन पुरवा का यासीन व मुजाहिद को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर चमनगंज का लारेब सिद्दीकी, हीरामन पुरवा का मो. जीशान फिर मूलगंज मिश्री बाजार का अब्दुल रहमान, हीरामन पुरवा का शुभान खान को दबोचा गया। आरोपियों के पास से 10.73 लाख रुपये व तमंचा बरामद हुआ। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में पता चला कि मो. वासिद व उसका साथी अरशद रकम पहुंचाने का काम करते है। वासिद ने फूलबाग स्थित आईडीबीआई बैंक से रुपये निकालने की बात कही थी। जब बैंक में जांच की गई तो पता चला कि वारदात के दिन जाजमऊ निवासी टेनरी कारोबारी महफूज के अकाउंट से 3.20 करोड़ रुपये निकाले गए। 2023 से 2025 तक आईडीबीआई बैंक के ही करीब 14 खातों से 850 करोड़ रुपये निकाले गए। सभी खाते जाजमऊ स्थित शिवांग टेनरी के है। आईडी जांच से पता चला कि महफूज और उसके परिजनों के शहर में 12 बैंकों में कुल 68 खाते हैं। इन्हीं खातों से ढाई साल में 1600 करोड़ निकाले गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जीएसटी से छूट पाने के लिए महफूज ने एपीएमसी सर्टिफिकेट ले रखा था। जिसमें बताया गया था कि फर्म एग्रीकल्चर फिल्ड में काम करती है। बैंकों की भी लापरवाही मिली।

ये था मामला: यशोदानगर निवासी वासिद व अरशद 16 फरवरी को एलआईसी बिल्डिंग स्थित आईडीबीआई बैंक से रुपये निकालकर बाइक से जाजमऊ जा रहे थे। श्यामनगर शताब्दी उद्यान के पास दो बाइक पर सवार चार बदमाश रुपयों से भरा बैग लूट ले गए थे। वासिद ने पहले 24 लाख, फिर आठ लाख रुपये लूट होने की सूचना दी, लेकिन बाद में घटना से मुकर गया। मुकरने पर संदेह होने पर पुलिस कमिश्नर ने क्राइम ब्रांच को जांच सौंपी थी।

एक माह पहले से हो रही थी रेकी

- पुलिस कमिश्नर ने बताया कि लूट की करीब एक माह से रेकी हो रही थी। लूट की कहानी रचने वाला रहमान है। टेनरी कारोबारी फहफूज के पैसे एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम अरुण सोनी करता है। उसका दोस्त रहमान है। अरुण से उसने सारी जानकारी ली, शुभान के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक में रेकी की। घटना के दिन महफूज ने बैंक से रुपये निकाले और पहुंचाने वालों को दिए। झकरकटी पहुंचने पर उनके बीच पैसों का बंटवारा हुआ। वहीं से वासिद व अरशद 24 लाख लेकर निकले थे और बदमाशों ने पीछा किया। श्यामनगर पहुंचने हमला बोलकर लूटपाट की। रहमान व शुभान को लुटेरों पर भी भरोसा नहीं था, इस कारण 100 मीटर दूरी पर खड़े थे। लूट के बाद रकम का सबसे बड़ा हिस्सा रहमान व शुभान ने लिया। रकम लेने के बाद बदमाश दिल्ली की जामा मस्जिद, कश्मीर व नेपाल घूमने गए थे।

उन्नाव व फतेहपुर का भी लिंक मिला

- पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यह रकम कहां लगाई गई। पैसा हवाला, देश विरोधी गतिविधि का है या टैक्स से बचने के लिए सारा खेल रचा गया। इनकी पड़ताल के लिए जीएसटी, इनकम टैक्स, ईडी व सीबीआई समेत अन्य एजेंसियों को भी पत्र लिखा जा रहा है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि खातों में कानपुर, उन्नाव व फतेहपुर के 12 फर्मों से रकम आई है।

लूट के बाद भी महफूज ने निकाले एक करोड़

क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला कि लूट के बाद भी महफूज के खाते से एक करोड़ रुपये निकले गए। उसके बाद से वह फरार चला रहा है। इस बीच उसने कोर्ट से जानकारी मांगी है कि क्या वह शहर के किसी भी थाने से वांछित तो नहीं है। फरार महफूज की क्राइम ब्रांच तलाश में जुटी है।

इन फर्मों से खातों में डाली रकम

- पुलिस कमिश्नर के अनुसार जांच में पता चला कि आजम इंटरप्राइजेज से 118 करोड़, अल्फिशा इंटरप्राइजेज से 133 करोड़, आरती इंटरप्राइजेज से 99 .60 करोड़, फैज इंटरप्राइजेज से 104 करोड़, कासिफ इंटरप्राइजेज से 68 .25 करोड़, शमा इंटरप्राइजेज से 124 करोड़, सम्मोह इंटरप्राइजेज से 117 करोड़, राजा इंटरप्राइजेज से 64 करोड़, सायरा इंटरप्राइजेज से 14 करोड़, शबनम इंटरप्राइजेज से 151 करोड़ रुपये बैंक खातों में डाले गए हैं।

इन बैंकों में हैं खाते

- महफूज व उसके परिजनों व सहयोगियों का आईडीबीआई, एचडीएफसी, आरबीएल, इंडसइंड, बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटक महिंद्रा, यूनियन बैंक, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक में खाता है।

सेंट्रल स्टेशन को बम से उड़ाने की दी धमकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डाग स्क्वायड एवं बम निरोधक दस्ता समेत पूरी टीम ने ली तलाशी
- सेंट्रल स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों प्लेटफार्मों का चप्पा चप्पा छाना

अमृत विचार। सेंट्रल स्टेशन को 24 घंटे में दो बार बम से उड़ाने की धमकी दी गई है जिसपर जिले के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस फोर्स, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड के साथ तत्काल स्टेशन पहुंच गए। प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, पार्सल घर और पार्किंग में सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

शुक्रवार को शाम 7 बजे पुलिस कंट्रोल रूम 112 पर कॉल करके कानपुर सेंट्रल स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कानपुर कमिश्नरेट की पुलिस, जीआरपी, आरपीएफ, डाग स्क्वायड, बर निरोधक दस्ता ने स्टेशन की छानबीन की।

डीसीपी ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने कॉल डिटेल खंगालते हुए कॉलर तक पहुंची तो पता चला उसका नाम अनिल है। पूछताछ करने पर अनिल ने बताया कि उसका फोन 24 फरवरी से उसके पास नहीं है। इसके बाद पुलिस आगे की जांच पड़ताल में जुट गई है। बताते चलें कि गुरुवार को सुबह 8.35 बजे भी पुलिस के कंट्रोल रूम 112 पर स्टेशन को उड़ाने की धमकी दी गई थी।

आनंद विहार से रांची के लिए होली स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने आनंद विहार टर्मिनल से रांची के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि प्रत्येक शनिवार रांची से ये गाड़ी 28 फरवरी एवं 7 मार्च को चलेगी। इसी प्रकार आनंद विहार टर्मिनल से प्रत्येक रविवार 1 मार्च एवं 8 मार्च को चलेगी। इस गाड़ी में सामान्य-5, स्लीपर-5, एसी तृतीय -5, एसी प्रथम सह द्वितीय-1 व पार्सल के 2 डिब्बे होंगे।

गाड़ी संख्या 02877 रांची से सायं 4.25 बजे रवाना होगी। डाल्टनगंज रात 9.18 बजे, रेनूकोट रात 00.20 बजे, मिर्जापुर भोर 4.28 बजे, सूबेदारगंज प्रातः 6 बजे, गोविंदपुरी प्रातः 8.40 बजे, टूंडला 11.50 बजे, आनंद विहार सायं 6 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 02878 आनंद विहार टर्मिनल से सायं 7.30 बजे रवाना होगी।

सेंट्रल से साबरमती के लिए विशेष ट्रेन आज

कानपुर। होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे अफसरों ने शनिवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन से साबरमती के लिए विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस गाड़ी में कुल 18 डिब्बे स्लीपर और 2 पार्सल के डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 04111 कानपुर सेंट्रल से रात 8 .20 बजे रवाना होगी। इटावा रात 10 .35 बजे, फतेहाबाद रात 00 .13 बजे, आगरा कैंट रात 1 .15 बजे, भरतपुर रात 2 .05 बजे, बांदीकुई भोर 4 बजे, जयपुर प्रात: 5 .30 बजे, अजमेर प्रात: 8 बजे, पालनपुर दोपहर 2 .30 बजे, साबरमती सायं 6 बजे पहुंचेगी।

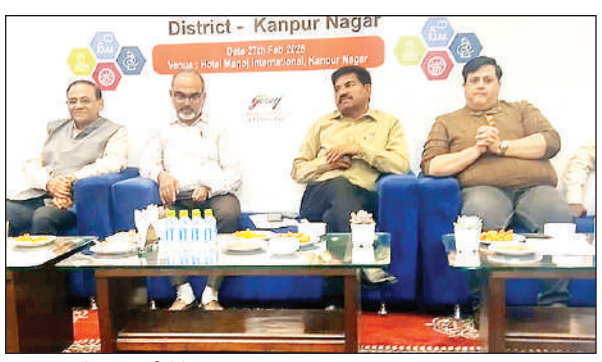

कार्यशाला में जानकारी देते डॉक्टर। अमृत विचार

डेंगू व मलेरिया की सूचना पोर्टल पर जरूर दर्ज कराएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डेंगू, मलेरिया जैसी वेक्टरजनित बीमारियों के प्रभाव को कम करने के लिए मच्छर नियंत्रण एवं जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। अगर हम सब अपने आसपास सफाई का ध्यान रखें तो इन बीमारियों का प्रभाव काफी कम किया जा सकता है।

यह सुझाव शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरिदत्त नेमी ने वे कार्यशाला में दिए। उन्होंने सभी निजी एवं सरकारी अस्पतालों को निर्देशित किया कि वे जांच एवं उपचार से संबंधित सभी मामलों की रिपोर्टिंग अनिवार्य रूप से यूडीएसपी पोर्टल पर दर्ज करें, जिससे समय पर रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। प्रशिक्षण कार्यशाला में 120 से अधिक सरकारी व निजी चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रतिभाग किया। यह प्रशिक्षण 'डेंगू, चिकुनगुनिया एवं मलेरिया के क्लीनिकल मैनेजमेंट के नए दिशा-निर्देश' विषय पर केंद्रित था। कार्यशाला में जीएसवीएम कालेज के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ बीपी प्रियदर्शी ने डेंगू एवं चिकनगुनिया के क्लीनिकल मैनेजमेंट, जटिलताओं एवं उपचार प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरएन सिंह ने बताया कि मलेरिया ट्रीटमेंट कार्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे मरीजों का उपचार व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित हो सके। जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह ने कहा कि प्रत्येक बुखार के मरीज की मलेरिया जांच अनिवार्य रूप से की जाए तथा पॉजिटिव मामलों में त्वरित एवं पूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए।

डेंगू के मुख्य लक्षण

- डेंगू के चार सीरोटाइप होते हैं तथा इसके लक्षण हल्के से गंभीर तक हो सकते हैं, जिनमें तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द तथा रक्तस्राव शामिल हैं। गंभीर स्थिति में यह डेंगू हेमोरेजिक फीवर या डेंगू शॉक सिंड्रोम में परिवर्तित हो सकता है। वहीं चिकनगुनिया में तीव्र जोड़ों का दर्द प्रमुख लक्षण है। दोनों बीमारियों के प्रभावी नियंत्रण के लिए शीघ्र पहचान, उचित जांच, सहायक उपचार एवं मच्छर नियंत्रण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बारात में डांस करते सड़क पर गिरे अधेड़ की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किदवईनगर में हुआ हादसा
- परिजनों में कोहराम

अमृत विचार। किदवईनगर में बारात में डांस करते एक अधेड़ सिर के बल पर गिर पड़ा। रिश्तेदारों ने उसे हैलट में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जाजमऊ के छबीलेपुरवा निवासी 51 वर्षीय राजेश कुमार चंडीगढ़ में प्राइवेट नौकरी करते थे।

परिवार में पत्नी रानी और तीन बेटियां अन्नू, तन्नू व मुस्कान है। रिश्तेदारों ने बताया कि राजेश के भतीजे शिवम की जूही डिपो के पास एक गेस्ट हाउस में शादी थी। बारात गेस्ट हाउस के लिए निकली थी, तभी डांस कर रहे राजेश अचानक सड़क पर गिर पड़े। यह देख बारातियों ने उन्हें हैलट पहुंचाया। जहां राजेश की मौत हो गई। मौत की खबर पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। थाना प्रभारी ने बताया कि डांस के दौरान अधेड़ की सड़क पर गिरने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बाथरूम में गिरकर छात्रा की जान गई

कानपुर। नौबस्ता में बाथरूम में गिरकर सातवीं की छात्रा के सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आवास विकास हंसपुरम निवासी राजेश कुमार शर्मा की 13 वर्षीय बेटी पल्लवी कई दिनों से बुखार-खांसी से पीड़ित थी। पिता ने बताया कि बेटी की हालत गंभीर होने पर उसे अस्पताल ले गए। डिस्चार्ज होने पर घर पर उसकी देखभाल कर रहे थे। 25 फरवरी की देर रात पल्लवी अपनी मां विमलेश के साथ लेटी थी। रात चार बजे वह अकेले बाथरूम गई थी। वहीं फिसलकर सिर के बल गिर पड़ी। चीख सुनकर पहुंचे परिजन उसे तत्काल हैलट ले गए, जहां इलाज के दौरान अगले दिन उसकी मौत हो गई।

मिलावटखोरों पर ताबड़तोड़ छापे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नमूने भरते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। होली एवं रमजान के अवसर पर आम जनमानस को शुद्ध एवं स्वच्छ खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए शहरभर में मिलावटखोरों के खिलाफ ताबड़तोड़ छापेमारी की गई।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशों पर सहायक आयुक्त खाद्य संजय प्रताप सिंह के दिशा निर्देशन में खाद्य निरीक्षकों की टीम ने शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी की। शहर में कुल 9 नमूने भरे गये। जिलाधिकारी ने कहा कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनपद में सतत निरीक्षण एवं सघन अभियान जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कहां छापेमारी, क्या नमूने लिए

- ओमपुरवा, कानपुर नगर – पनीर, घी का नमूना संग्रहित।
- पनकी– मिक्स रंगीन कचरी 980 किग्रा, मूल्य 67,200 रुपये सीज किया गया।
- रावतपुर गांव– पैकेज ड्रिंकिंग वाटर, घाटमपुर से मिल्क केक का नमूना संग्रहित।
- फजलगंज–सबरवाल कोल्ड स्टोरेज में भंडारित खोया 2357 किग्रा, मूल्य 447050 रुपये का खोया 4 नमूना संग्रहण कर सीज किया गया।

विकास | झांसी और चित्रकूट रूट की ट्रेनों के लिए वरदान साबित होगा, डायमंड क्रासिंग, दिल्ली– कानपुर की क्रास लाइन का झंझट खत्म होगा

भीमसेन से झकरकटी पुल तक भी बनाया जाएगा एलिवेटेड ट्रैक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

झांसी ट्रैक पर जाती ट्रेन। अमृत विचार

अमृत विचार। रेलवे ने झांसी और चित्रकूट की ओर से आने वाली ट्रेनों को राहत देने के लिए भीमसेन से झकरकटी पुल तक एलिवेटेड ट्रैक बनाने को मंजूरी दी है जिसका सर्वे शुरू हो चुका है। इस एलिवेटेड ट्रैक से निर्माण से दादानगर आउटर पर घंटों ट्रैक खाली होने का इंतजार करने वाली ट्रेनों को बड़ी राहत मिलेगी। भीमसेन से गोविंदपुरी स्टेशन तक एलिविटेड ट्रैक तैयार होने के लिए चार साल पहले 1750 करोड़ का बजट पास हुआ था। हालांकि इस प्रोजेक्ट को मूर्त रूप नहीं दिया जा सका। अब इस पर नए सिरे से कवायद शुरू हुई है। अब इसे भीमसेन से झकरकटी तक बनाने का निर्णय लिया गया है।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से गोविंदपुरी के बाद झांसी रेल मार्ग पर पड़ने वाले पहले स्टेशन भीमसेन तक सर्वे शुरू कर दिया है क्योंकि भीमसेन से झकरकटी तक एलिवेटेड ट्रैक पर झांसी और चित्रकूट की ओर आने जाने वाली गाड़ियों को चलाने की तैयारी है। रेलवे के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक इस एलिवेटेड ट्रैक का प्रस्ताव दो वर्ष पूर्व आया था जिसका सर्वे शुरू हो चुका है, एलिवेटेड ट्रैक के निर्माण में कुछ बाधाएं आ रही हैं जिसका समाधान निकालने की कोशिश हो रही है।

जूही डायमंड क्रासिंग से भी मिलेगी निजात

- जूही में डायमंड क्रासिंग पर 16 रेलवे लाइन एक दूसरे को क्रास करती हैं। इस डामंड क्रासिंग से एक बार में एक ही ट्रेन को गुजारा जाता है क्योंकि 100 मीटर का एरिया अतिसंवेदनशील है और यहां 15 किमी से अधिक की स्पीड में यदि ट्रेन को लोको पायलट चला दें तो पटरी से ट्रेन उतर जाएगी। ऐसे में डायमंड क्रासिंग खाली होने के इंतजार में झांसी और चित्रकूट की ट्रेनें रुकी रहती हैं। इसको लेकर रेलवे अधिकारी के माथे पर चिंता की लकीरे हैं, जिसका कोई उपाय सोचा जा रहा है, हो सकता है कि भीमसेन से ऐसे एलिवेटेड ट्रैक को ले जाया जाए कि गोविंदपुरी व दादानगर के दोनों पुल रास्ते में न पड़ें। दादानगर पुल के समानांतर ही मेट्रो रेलवे का एलिवेटेड ट्रैक भी गुजर रहा है। फिलहाल रेलवे अधिकारियों का मंथन जारी है, जिस दिन रूट फाइनल हो जाएगा, तुरंत डीपीआर तैयार हो जाएगी।

> प्रोजेक्ट के लिए सर्वे शुरू कर दिया गया है। इस परियोजना के मूर्त रूप लेने से ट्रेनें तेजी से सेंट्रल स्टेशन तक आएंगी और झांसी रूट पर जाएंगी।
>
> – अमित सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य जोन

घंटों नहीं खड़ी रहेंगी ट्रेनें

- दरअसल दिल्ली– कानपुर मुख्य रेलमार्ग को क्रास करते हुए झांसी रेलमार्ग निकला है। दिल्ली– कानपुर के मध्य 300 से अधिक ट्रेने हैं, ऐसे में एक के पीछे एक ट्रेनें लगी रहती हैं। जब दिल्ली ट्रैक खाली होता है तभी, झांसी, चित्रकूट रूट की ट्रेनों को सेंट्रल स्टेशन के लिए रवाना किया जाता है। ऐसे में दिल्ली ट्रैक कभी –कभी एक एक घंटे खाली नहीं होता। यात्री नाराज होते हैं और कई बार तो दादानगर आउटर यात्रियों द्वारा पथराव तक किया जा चुका है।

सिटी ब्रीफ

दो पक्षों में चले लाठी डंडे व चापड़

कानपुर। किदवईनगर के कंजड़नपुरवा में गुरुवार रात दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे व चापड़ चले। जिसमें एक व्यक्ति चापड़ लगने से गंभीर घायल हुआ है। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया और एक युवक को गिरफ्तार किया है। कंजड़नपुरवा में नशे के कारोबार को लेकर आएदिन विवाद होता रहता है। गुरुवार रात अर्जुन, राम उर्फ बाबा का दूसरे पक्ष के गोलू, करिया व शिवा से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। कुछ ही देर में दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमलावर हो गए। लाठी-डंडे व चापड़ निकल आए। पथराव भी किया। पथराव में एक कार व बाइक भी क्षतिग्रस्त हुई। चापड़ से गोलू ने राम उर्फ बाबा पर हमला किया, जिससे वह लहुलूहान हो गए। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि एक आरोपी को पकड़ा गया है, अन्य की तलाश की जा रही है।

डीजे व गेस्ट हाउस संचालकों पर रिपोर्ट

कल्याणपुर। रावतपुर में तय समय से अधिक डीजे बजाने पर पुलिस ने गेस्ट हाउस संचालकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। साथ ही क्षेत्र के अन्य गेस्ट हाउस, पार्टी लॉन व मैरिज हॉल के संचालकों को रात्रि दस बजे के बाद डीजे बजाने पर सख्त कार्रवाई किए जाने की हिदायत दी है। रावतपुर हलका प्रभारी सत्यम चौहान ने बताया कि गुरुवार रात 10:40 पर सूचना प्राप्त हुई कि गणेश नगर स्थित साई गार्डन में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान तेज ध्वनि में डीजे बजाया जा रहा है। सूचना मिलते ही टीम के साथ मौके पर पहुंचकर उन्होंने डीजे बंद करवा दिया। साथ ही आदेश का पालन न करने पर हलका प्रभारी की तहरीर पर रावतपुर पुलिस ने गेस्ट हाउस संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि हाई स्कूल का इंटर की बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए तेज ध्वनि व तय समय से अधिक डीजे बजाने पर प्रतिबंध है। इस संबंध में अन्य गेस्ट हाउस संचालकों को भी हिदायत दी गई है।

भूकंप आए तो राम-राम जपना नागरिक सुरक्षा है सिर्फ सपना

शहरभर में वार्डेन तो सैकड़ों लेकिन आपदा से बचाव के उपकरण किसी के पास नहीं

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी ने कानपुर को भूकंप के मामले में अतिसंवेदनशील बताया है। कोलकाता में भी भूकंप आया है लेकिन प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए शहर में जो संसाधन होना चाहिए, ऊंट के मुंह में जीरा के समान हैं। प्राकृतिक आपदा से बचाने की जिम्मेदारी संभालने वाले नागरिक सुरक्षा की बिल्डिंग खुद जर्जर है जो जरा भी झटका लगने से नीचे आ गिरेगी।

फूलबाग स्थित नागरिक सुरक्षा की बिल्डिंग का बुरा हाल है, प्लास्टर टूटकर गिर रहा है, सरिया बाहर आ चुकी है, पूरी बिल्डिंग इतनी जर्जर है कि भूकंप तो दूर, किसी दिन ऐसे ही भरभराकर ये बिल्डिंग न गिर जाए। शहर में कई बार भूकंप आ चुका है, नागरिक सुरक्षा ने कानपुर को कई श्रेणियों में बांट रखा है।

कानपुर बी श्रेणी में आता है। कानपुर शहर में 2391 वार्डेन होना चाहिए लेकिन नागरिक सुरक्षा अब तक 1518 वार्डेन ही बना पाया है। इनमें भी 50 प्रतिशत वार्डेन की सक्रिय हैं। इन वार्डेन के पास कोई उपकरण भी नहीं है, यदि कोई प्राकृतिक आपदा आ जाए तो वार्डेन पहले नागरिक सुरक्षा कार्यालय या फिर अधिकारियों से संपर्क करेंगे और फिर वार्डेन को जिस चीज की जरूरत होगी, उन्हें मुहैया कराई जाएगी।

प्रश्न ये उठता है कि किसी प्राकृतिक आपदा के बाद वार्डेन को क्या इतना मौका मिलेगा कि वह नागरिक सुरक्षा से संपर्क करें या फिर जिन उपकरण की उन्हें जरूरत होगी, वार्डेन को कब मिलेगा, कब वह फंसे लोगों की मदद करेंगे। ये वही बात हुई कि 20 फिट ऊपर खिचड़ी चढ़ा दी और नीचे आग जला दी कि खिचड़ी पक जाएगी।

नागरिक सुरक्षा विभाग की जर्जर बिल्डिंग। अमृत विचार

- नागरिक सुरक्षा में 2391 वार्डेन के बजाय 1518 वार्डेन ही होने का दावा

बख्शी का तालाब लखनऊ में ट्रेनिंग

- नागरिक सुरक्षा अपने वार्डेन एवं स्वयं सेवकों को लखनऊ स्थित बख्शी का तालाब ट्रेनिंग सेंटर पर ट्रेनिंग देती है ताकि किसी भी आपदा से वार्डेन या स्वयं कैसे निपटेंगे लेकिन प्रश्न फिर वही आता है कि जब वार्डेन या स्वयं सेवकों के पास कोई उपकरण ही नहीं होगा तो लोगों के कैसे बचाएंगे।

नागरिक सुरक्षा कोर की टीम

पद	संख्या	उपलब्ध
चीफ वार्डेन	1	है
डिप्टी चीफ वार्डेन	1	है
(वर्ष 2011 की आबादी के हिसाब से)		
दो लाख लोगों पर एक डिवीजनल वार्डेन		
डिवीजनल वार्डेन	13	9
डिवीजन वार्डेन (आरक्षित)	3	1
डिप्टी डिवीजनल वार्डेन	13	5
डिप्टी डिवीजनल वार्डेन आर	3	1
स्टाफ अधिकारी टू चीफ वार्डेन	1	1
स्टाफ अधिकारी टू डिप्टी चीफ वार्डेन	13	11
पोस्ट वार्डेन	130	94
पोस्ट वार्डेन आर	33	28
डिप्टी पोस्ट वार्डेन	130	87
डिप्टी पोस्ट वार्डेन आरक्षित	32	22

नागरिक सुरक्षा की स्थिति देखें

- शहर में कुल 2391 की वार्डेन की जरूरत है और 1518 वार्डेन होने का दावा, ये सभी समाज सेवक हैं, इन्हें किसी तरह का कोई भुगतान नहीं किया जाता है।
- आग बुझाने के लिए 13000 स्वयं सेवक चाहिए लेकिन 10,103 स्वयं सेवक चिह्नित किये गये हैं।
- प्राथमिक चिकित्सा के लिए 1495 स्वयं सेवक चाहिए लेकिन अभी तक कुल 1263 स्वयं सेवक ही हैं।

आपदा मॉक ड्रिल में सब कुछ ओके दिखता

- नागरिक सुरक्षा को अक्सर आपने देखा होगा कि आपदा को लेकर मॉक ड्रिल किया जाता है, इसमें अग्निशमन, नागरिक सुरक्षा के वार्डेन व संबंधित टीम मौजूद रहती है। स्ट्रेचर, आग लगने की घटना समेत कई चीजें दिखाई जाती हैं, सायरन भी बजता है लेकिन किसी भी घटना पर स्ट्रेचर, फावड़ा, कूदाल तक वार्डेन कहां तलाशेंगे क्योंकि नागरिक सुरक्षा ने किसी भी वार्डेन को कोई उपकरण नहीं दिया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

करोड़ों की ठगी करने का आरोपी शेयर कारोबारी पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नजीराबाद पुलिस ने करोड़ों की ठगी करने वाले नटवरलाल को गिरफ्तार किया है। शातिर सुशील धवन ने निवेश कर मुनाफे का झांसा देकर दो सेवानिवृत्त अफसरों समेत एक दर्जन से अधिक लोगों से करोड़ों का फ्राड किया है। शातिर शेयर खरीदने व बेचने का झांसा देकर लोगों को जाल में फंसाता था। उसके खिलाफ छह मुकदमे में उसकी पत्नी व पिता का भी जिक्र है। शातिर अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करा रहा था, तभी दबोचा गया।

सर्वोदयनगर के मोती विहार सोसाइटी निवासी सुशील धवन का कौशलपुरी में शेयर ब्रोकिंग का कार्यालय है। पांडुनगर मॉडल टाउन निवासी प्रदीप ने सुशील धवन, उसकी पत्नी अंजली व रुद्रा शेयर्स एंड ब्रोकर्स कंपनी के खिलाफ कूटरचित दस्तावेजों के जरिये दो करोड़ रुपये के शेयर हड़पने का आरोप लगाते हुए दो साल पहले नजीराबाद में रिपोर्ट कराई थी। आरोप है कि सुशील ने बातों में फंसाकर सारे शेयर रुद्रा शेयर्स एंड ब्रोकर्स कंपनी में ट्रांसफर करा लिए थे। फिर कूटरचित दस्तावेज में फर्जी हस्ताक्षर करके अपने व रिश्तेदारों के नाम पर डीमैट एकाउंट में ट्रांसफर किए। इसी तरह ठगी का शिकार हुए पांडुनगर निवासी कारोबारी प्रतीश रस्तोगी ने सोमवार को डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव से शिकायत की थी कि सुशील ने उनके भी 1.57 करोड़ रुपये के शेयर हड़पे हैं। पांडु नगर के बैंक मैनेजर अशोक कपूर से 1.50 करोड़, काकादेव के अशोक मेहरा से 50 लाख और आकांक्षा के दो लाख रुपये हड़पने की शिकायत भी पुलिस को मिली थी। इस पर डीसीपी ने मामले की जांच एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके को सौंपी थी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। सूचना पर शुक्रवार को जेके मंदिर नहरिया के पास शिवानी क्लीनिक से सुशील को गिरफ्तार कर लिया। एडीसीपी ने बताया कि आरोपी तीन दिनों से वहां अपना इलाज कर रहा था। पूछताछ की जा रही है।

पुलिस गिरफ्त में सुशील धवन।

- शेयर खरीदने व बेचने, निवेश कर मुनाफे का झांसा देकर करता था फ्राड

विष्णुदत्त से हड़पे 60 लाख

- पुलिस के अनुसार कौशलपुरी निवासी रिचा शर्मा ने 2024 में 51 लाख रुपये हड़पने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें सुशील धवन के साथ उसके पिता व पत्नी अंजली, मयंक तिवारी को आरोपी बनाया था। बीती एक जनवरी को कल्याणपुर के कृष्णा विहार निवासी केंद्रीय उत्पाद शुल्क से सेवानिवृत्त अधीक्षक विष्णुदत्त त्रिवेदी से 60 लाख और आवास विकास एक निवासी केंद्रीय उत्पाद सीमा शुल्क अधिकारी से सात लाख हड़पने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने दी जान

कानपुर। जूही में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। साढ़ के बेहटा बुजुर्ग निवासी राजेंद्र प्रसाद का 31 वर्षीय बेटा हेमंत कुमार ने गुरुवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन जूही स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। भाई अभिषेक ने बताया कि बातचीत करते समय हेमंत की जुबान लड़खड़ा रही थी, लेकिन उसने तबियत खराब होने का बहाना बना दिया। उल्टियां होने पर उसने जहर खाने की बात बताई थी। पता चला कि उसने दो घंटे पहले जहर खाया था।

अहमदाबाद से भागी नाबालिग पकड़ी गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ की टीम ने पकड़ा

अमृत विचार। घर से नाराज होकर अहमदाबाद अपने घर से भागी एक नाबालिग लड़की को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ की टीम ने साबरमती एक्सप्रेस से नीचे उतार लिया और अहमदाबाद के वेजलपुर थाना के सुपुर्द कर दिया।

आरपीएफ के पोस्ट प्रभारी सिद्धनाथ पाटीदार ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 19167 साबरमती एक्सप्रेस में घर से नाराज एक नाबालिग लड़की जा रही है जिसकी बेजलपुर थाना अहमदाबाद में शिकायत दर्ज है। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम ने गाड़ी से नाबालिग को उतारा और थाना लाकर पूछताछ की। उसने बताया कि घर से नाराज होकर वह जा रही थी। शुक्रवार को वेजलपुर थाना के सब इंस्पेक्टर आनंद ठाकुर स्टाफ के साथ कानपुर पहुंचे जिन्हें लड़की को सुपुर्द कर दिया गया।

जीआरपी सीओ, इंस्पेक्टर को सम्मानित करते एडीजी। अमृत विचार

सेंट्रल के जीआरपी सीओ और इंस्पेक्टर सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीते दिनों सेंट्रल स्टेशन पर 2 साल की अपहृत बच्ची को बरामद करने के लिए जीआरपी के सीओ एवं इंस्पेक्टर समेत कई दरोगा एवं कांस्टेबिल को एडीजी रेलवे श्रीप्रकाश डी ने सम्मानित किया।

सेंट्रल स्टेशन पर 23 फरवरी 2026 को 2 वर्ष की एक मासूम बच्ची अपहृत हो गयी थी लेकिन जीआरपी ने तत्परता दिखाते हुए चार घंटे में ही बच्ची को बरामद कर लिया। उक्त सराहनीय कार्य को देखते हुए एडीजी श्रीप्रकाश डी ने कानपुर जीआरपी के सीओ दुष्यंत कुमार सिंह, इंस्पेक्टर ओम नारायण सिंह, एसआई मोहित कुमार के अतिरिक्त कई कांस्टेबिल को नगद राशि के अलावा प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आईजी जीआरपी रामकृष्ण भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक आज

कानपुर। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को होगी। महापौर प्रमिला पांडेय की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में नामांतरण शुल्क को स्वीकृति के साथ ही 3 प्रस्ताव और रखे जाएंगे। पेयजल व सीवर लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों का मुद्दा भी उठेगा। टूटी सड़कों की मरम्मत न होने से पार्षद नाराज हैं। पार्षद इस मुद्दे पर अफसरों को घेरने की रणनीति बना चुके हैं। प्रमुख मुद्दा नामांतरण शुल्क स्वीकृति का है। इसके लेकर जो आपत्ति मांगी गई थीं, उनका निस्तारण हो चुका है। स्वीकृति के बाद नामांतरण शुल्क लागू हो जाएगा। विधायक नीलिमा कटियार ने गोल चौराहा जीटी रोड का नामकरण चंद्रशेखर आजाद के नाम पर करने का प्रस्ताव दिया था इस पर चर्चा होगी। पार्षद कौशल मिश्रा के आवास विकास केशवपुरम से बरगद चौराहा का नामकरण समाजसेवी स्व.गणेशदत्त मिश्र के नाम करने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

राजकीय छात्रावास में नर्सिंग छात्रा ने जान दी

कल्याणपुर संवाददाता

- छात्रावास में फंदे से लटका मिला शव, पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार। कल्याणपुर में इंदिरानगर स्थित राजकीय छात्रावास में नर्सिंग छात्रा ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

आराध्या।

मूलरूप से घाटमपुर के बरौली गांव निवासी जगजीवन लाल गौतम पेशे से किसान हैं। परिवार में दो बेटे प्रांजुल व प्रबल हैं। उनकी 23 वर्षीय बेटी आराध्या इंदिरा नगर स्थित राजकीय छात्रावास में रहकर नर्सिंग का कोर्स कर रही थी। छोटे भाई प्रबल के अनुसार वह भी कल्याणपुर पनकी रोड पर कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। आराध्या शुक्रवार दोपहर को ही घर से छात्रावास आई थी। बहन के आने के बाद वह लगातार उसे फोन करता रहा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जिस पर उसने बहन की दोस्त काजल को फोन कर जानकारी करने को कहा। जब काजल उसके कमरे पर पहुंची तो अंदर से बंद था। जिसकी जानकारी होने पर वह भी छात्रावास पहुंचे। हॉस्टल के गार्ड व अन्य लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर वह अंदर दाखिल हुए। कमरे में बहन का शव पंखे के सहारे फंदे से लटका पाया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना के संबंध में परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व परिजनों की तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

जूही में टूटी सड़क पर कांग्रेसियों ने सत्याग्रह किया। अमृत विचार

टूटी सड़क पर कफन डाला, फूल चढ़ाए

कानपुर। व्यस्त जूही डिपो चौराहा पर टूटी सड़क पर कांग्रेसियों ने कफन डाला, फूल, अगरबत्ती और दीपक जलाकर श्रद्धांजलि दी। प्रशासन, नगर निगम और पीडब्लूडी की संवेदनहीनता और जनता के दर्द को उजागर किया।

शुक्रवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में जूही डिपो चौराहे पर राम धुन गाते हुए टूटी सड़क की श्रृद्धांजलि दी। क्षेत्रीय लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे और महिलाओं ने नारेबाजी की। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा की टूटी सड़कें या खूनी सड़कों से पूरा कानपुर त्रस्त है। शहर की अधिकांश सड़कें जर्जर हैं जिससे जाम लग रहा है और लोग परेशान हैं। हरीश बाजपेई, नरेश पाठक, डा.संतोष त्रिपाठी, रामस्वरूप तिवारी, टिल्लू ठाकुर, आनंद शुक्ला, मोहित दीक्षित, कमलाकांत तिवारी, अजय तिवारी, रमाकांत मिश्रा, राजेश गौतम, सुरेंद्र भदौरिया, अखिल गुप्ता, पदम मोहन मिश्रा, राज किशोर वर्मा, अजय सिंह, मनोज अवस्थी, मुकेश दुबे, शिवबालक दुबे, रुक्मा देवी, मोहम्मद अजीम आदि थे।

तैयारी | महापौर ने जलकल अधिकारियों के साथ बैठक की

होली पर महिलाओं के लिए 30 अस्थायी चेंजिंग रूम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महापौर प्रमिला पांडेय ने जलकल अधिकारियों के साथ बैठक में होली पर महिलाओं के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाने के आदेश दिए। कहा कि प्रत्येक जोन में पांच चेंजिंग रूम बनाया जाए। कुल 30 रूम बनेंगे। चेंजिंग रूम में स्नान की व्यवस्था भी करें। होलिका दहन स्थल और अन्य स्थानों पर खुले मैनहोल को बंद किया जाए। ताकि हादसे न हों। होली और गंगा मेले के दौरान जलापूर्ति प्रेशर से की जाए। आवश्यक स्थानों पर पानी टैंकर लगाए जाएं। होली में सभी जोन में जलापूर्ति एवं सीवर समस्या के निस्तारण के लिए टीम का गठन कर 24 घंटे उपस्थित रहने हेतु उन्होंने दिए।

बेनाझाबर के पंचम तल पर बैठक कक्ष का महापौर ने फीता काटकर का उद्घाटन किया। एक-एक कर जलकल अभियंताओं से पेयजल आपूर्ति और परियोजनाओं की जानकारी ली। जलकल महाप्रबंधक आनन्द कुमार त्रिपाठी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर कर्मचारियों को 26 फरवरी को ही वेतन का भुगतान कर दिया गया है। केन्द्रीकृत कर्मचारियों का मानव सम्पदा पोर्टल में ब्योरा पूर्ण न होने के कारण वेतन रुक गया है। बैठक में अधिशाषी अभियन्ता जोन-2 नन्द किशोर उपस्थित रहे।

बैठक करतीं महापौर प्रमिला पांडेय। अमृत विचार

नगर आयुक्त ने देखे होली मेला स्थल

- **कानपुर।** 2 मार्च को होलिका दहन होगा। 4 मार्च को होली खेली जायेगी। 3 मार्च को चन्द्रग्रहण के कारण होली नहीं खेली जाएगी। ऐसे में कानपुर हटिया होली मेला (गंगा मेला) 10 मार्च को होगा। मेले की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय व मुख्य अभियंता सैय्यद जैदी अफरीदी पहुंचे। उन्होंने बादशाही नाका हनुमान मन्दिर से हटिया रज्जन बाबू पार्क तक हो रहे कार्यों को देखा। नये गेट के निर्माण व गेट की लम्बाई भी चेक की। कमेटी के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र विश्नोई से गंगा मेले के इतिहास की जानकारी ली। इस अवसर पर कमेटी महामंत्री विनय सिंह, रोहित बाजपेई, ऋषि तिवारी, सन्तोष बाजपेयी, दीपक गुप्ता, शरद दुबे, क्षेत्रीय पार्षद अमित गुप्ता मौजूद रहे।

दरोगा पर हमले के आरोपी पकड़ से दूर

कानपुर। बर्रा में बीते रविवार को दरोगा पर हुए हमले के आरोपी अभी तक पुलिस पकड़ से दूर हैं। पुलिस ने कई आरोपियों के रिश्तेदारों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ कर पुलिस ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

दरोगा अरविंद कुमार व दरोगा हरिभजन सिंह यादव मार्केट क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी यूपी 112 पर छेदी सिंह का पुरवा में पति-पत्नी के बीच विवाद की सूचना मिली। इस पर दोनों दरोगा मौके पर पहुंचे तो मनीष कुमार गुप्ता व उसकी पत्नी आरती के बीच मारपीट हो रही थी। दोनों को समझाकर पुलिस ने प्रार्थना पत्र देने की बात कही। पुलिस टीम वहां से निकल रही थी, तभी गली के बाहर पांच-छह युवकों ने बाइक लगाकर उनकी गाड़ी रोक ली। गाली-गलौज की। आरोप है कि इसी दौरान युवक ने दरोगा की वर्दी पर हाथ मारा, जिससे उनकी नेम प्लेट टूटकर गिर गई। पीठ पर घूंसा भी मारा गया।

रीजेंसी हेल्थ में डॉक्टरों ने दी जानकारी। अमृत विचार

एआई एंब्रियो असेसमेंट टेक्नोलॉजी

कानपुर। रीजेंसी हेल्थ कानपुर ने रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के क्षेत्र में प्रदेश का पहला एआई-पावर्ड एंब्रियो असेसमेंट टेक्नोलॉजी आरआई इंटेग्रा आरआई व्यूवर लॉन्च किया है। यह तकनीक एरिका सॉफ्टवेयर के साथ इंटीग्रेटेड है, जिससे हॉस्पिटल की 18 वर्ष पुरानी आईवीएफ यूनिट को सफलतापूर्वक अपग्रेड किया गया है। यूनिट इससे पहले 5 हजार से ज्यादा आईवीएफ साइकल के जरिये 2 हजार से ज़्यादा बच्चों के जन्म में मदद कर चुकी है। यह तकनीकी अपग्रेड हॉस्पिटल के पहले से मौजूद फर्टिलिटी प्रोग्राम में एक बड़ा सुधार है। अस्पताल की ओर से बताया गया कि इस तकनीक के आने से इस क्षेत्र में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव केयर में रीजेंसी हॉस्पिटल का स्थान और मज़बूत हो गया है। रिप्रोडक्टिव मेडिसिन और आईवीएफ डिपार्टमेंट का नेतृत्व हेड डॉ. युधिका शर्मा कर रही हैं। उन्हें रिप्रोडक्टिव मेडिसिन की एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ. आयुषी अग्रवाल और एसोसिएट कंसल्टेंट डॉ. पूजा शुक्ला सहयोग कर रही हैं। रीजेंसी हेल्थ, कानपुर में रिप्रोडक्टिव मेडिसिन और आईवीएफ डिपार्टमेंट की हेड डॉ. युधिका शर्मा ने कहा, एआई-संचालित एम्ब्रियो असेसमेंट की शुरुआत आईवीएफ प्रोग्राम के लिए परिवर्तनकारी कदम है। इससे अधिक वैज्ञानिक सटीकता के साथ सबसे स्वस्थ एम्ब्रियो की पहचान कर पाएंगे।

सिटी ब्रीफ

रमेश अवस्थी भारत ग्रीस संसदीय मैत्री समूह के सदस्य

कानपुर। सांसद रमेश अवस्थी को भारत–ग्रीस संसदीय मैत्री समूह का सदस्य नामित किया गया है। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को वैश्विक पटल पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस विश्वास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला है।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र के साथ मारपीट

चौबेपुर। क्षेत्र के हुलकापुर नहर पुल के पास शुक्रवार शाम परीक्षा देकर लौट रहे छात्र के साथ कुछ अन्य छात्रों ने मारपीट की। पीड़ित छात्र द्वारा दी गई सूचना पर जब तक थाना पुलिस मौके पर पहुंची, मारपीट करने वाले छात्र मौके से भाग निकले। क्षेत्र के इटरा गांव में अपनी ननिहाल में रह रहे अर्पित यादव ने पुलिस को बताया कि वह इंटरमीडिएट का छात्र है और बंसठी स्थित राधा कृष्ण इंटर कॉलेज में परीक्षा दे रहा है। शुक्रवार शाम परीक्षा देकर घर वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में हुलकापुर नहर पुल के पास कुछ छात्रों ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मामले में प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि छात्र द्वारा 112 नम्बर पर दी गई सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

नाले से निकला ढाई मीटर लंबा अजगर

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र के विराटनगर इलाके मे शुक्रवार देर रात करीब साढ़े बजे सीओडी के पीछे स्थित नाले से लगभग ढाई मीटर लंबा अजगर निकल आने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। लोगों की भीड़ जुट गई। दहशत के बीच स्थानीय लोगों ने तत्काल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस विभाग के साथ वन विभाग की टीम पहुंची और रेस्क्यू किया। नौबस्ता कि विराटनगर चौकी प्रभारी सुशील कसाना ने बताया कि गुप्ता भोजनालय के पास एक अजगर निकालने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। जहां पर वन विभाग की टीम को बुलाया गया। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस और वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। हालांकि इस दौरान कुछ देर तक क्षेत्र में दहशत का माहौल था लेकिन समय रहते रेस्क्यू होने से कोई जनहानि नहीं हुई है। वन विभाग टीम अजगर को ले गई।

सेंट्रल स्टेशन पर शातिर गिरफ्तार

कानपुर। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि बिल्हौर निवासी अंकुर तिवारी उर्फ भूरा उर्फ मधुकर शातिर अपराधी है, जिसे शुक्रवार को झकरकटी पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से यात्री का लूटा हुआ मोबाइल भी बरामद हुआ।

सड़क नहीं सुधारी

कानपुर। उद्योग बंधु की बैठक में आश्वासन देने के बावजूद लोक निर्माण विभाग और नगर निगम ने दादानगर से विजय नगर जाने वाली सड़क नहीं सुधारी। इन विभागों ने एक महीने पहले जिलाधिकारी से एक सप्ताह में सड़क सुधारने की बात कही थी।

इंडो-अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स के कॉन्क्लेव में उद्यमियों-अफसरों ने रखे विचार

अमेरिकी निर्यात को बढ़ाने के लिए एमएसएमई सेक्टर बेहतर बनाएं

सेमिनार में मौजूद उद्यमी–व्यापारी। अमृत विचार

मुख्य अतिथि सतीश महाना का स्वागत किया गया। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका में निर्यात कारोबार की काफी संभावनाएं हैं। यह संभावनाएं ट्रेड डील के बाद से और अधिक बढ़ गई हैं। शहर का निर्यात कारोबार और अधिक बेहतर हो सके इसके लिए एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा मिलना जरूरी है। प्रदेश सरकार की कई योजनाएं हैं जिनका लाभ सीधे एमएसएमई सेक्टर को मिलता है। यदि इस सेक्टर से जुड़े उद्यमी योजनाओं का लाभ उठाए तो उनके उत्पादों की कीमत कम हो सकेगी। इसका लाभ निर्यात कारोबार को भी मिलेगा।

● निर्यात कारोबार में कीमत और क्वालिटी अहम

यह विचार शुक्रवार को होटल लैंडमार्क में आयोजित कॉन्क्लेव में उद्योग विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। इंडो-अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से हुए कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन ने भी विचार व्यक्त किए। उपायुक्त उद्योग अंजनेश प्रताप सिंह ने शहर के औद्योगिक स्वरूप, निर्यात कारोबार और एमएसएमई सेक्टर के बारे में जानकारी दी। कहा कि शहर में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का निर्यात होता है। इस कारोबार में एमएसएमई सेक्टर की भूमिका काफी अधिक है। कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों ने बताया कि निर्यात कारोबार में उत्पादन की कीमत और गुणवत्ता काफी अहम योगदान देती है। इस स्थिति में यदि एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यमी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएंगे तो वे अपने यहां पर अत्याधुनिक मशीनरी स्थापित करवा सकते हैं। जिससे उनके उत्पादों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय हो सकती है। उधर निर्यात के ऑर्डर अधिक मिल सके इसके लिए कम कीमत का उत्पाद होना बहुत जरूरी है। इसलिए एमएसएमई सेक्टर को ऐसे उपाय करने की जरूरत है जिससे उत्पाद कम मूल्य में उपलब्ध हो। इसके लिए सब्सिडी जैसी योजनाएं लाभकारी साबित हो सकती है। कॉन्क्लेव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में उत्पादों को बेहतर किए जाने की बात उद्यमियों को बताई गई। कॉन्क्लेव में फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल, आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय सुनील वैश्य, मर्चेंट चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश के इंडस्ट्री कमेटी के चेयरमैन सुशील शर्मा, मनोज बंका सहित उद्यमी शामिल हुए।

पुल पर खड़े वाहन में ट्रक घुसा चालक की मौत

कानपुर। गुजैनी एलिवेटेड पुल पर गुरुवार देर रात करीब 3:30 बजे खड़ी गाड़ी में पीछे से आ रहा ट्रक जा घुसा, जोरदार टक्कर से ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें चालक बुरी तरह फंस गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियों की मदद से कड़ी मशक्कत कर केबिन काटकर बाहर निकाला और गंभीर हालत में एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मूलरूप से बाराबंकी जनपद के पुरे दयाराम पुरवा गांव निवासी संकटा प्रसाद ने बताया कि उनका 31 वर्षीय इकलौता बेटा सुदामा प्रसाद ट्रक चालक था और गुरुवार को अयोध्या से ट्रक लेकर झांसी जा रहा था, इसी दौरान गुजैनी एलिवेटेड पुल पर किसी वाहन को ओवरटेक कर आगे बढ़ रहा था। तभी पुल पर बिना इंडिकेटर के खड़े वाहन में पीछे से जा टकराया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, मृतक अपने पीछे पत्नी शशिकिरण और तीन बच्चों को छोड़ गया है, इकलौते बेटे की मौत पर पिता बिलख पड़े। गुजैनी थानाप्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

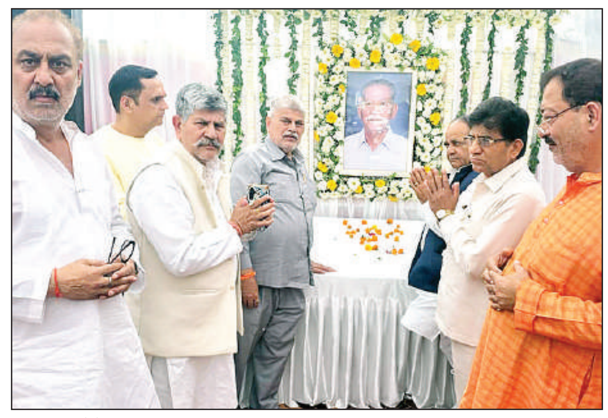

श्रद्धांजलि देते पूर्व सांसद राजाराम पाल व अन्य। अमृत विचार

पूर्व ब्लाक प्रमुख रमेश चंद्र तिवारी को दी श्रद्धांजलि

कानपुर। 80 फीट रोड निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश चंद्र तिवारी के निधन पर उनके आवास पर शोक सभा का आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पनकी धाम मंदिर के महंत श्रीकृष्ण दास जी महाराज, कथावाचक शिवाकांत महाराज समेत 21 आचार्यों ने मंत्रोच्चार किया। इस अवसर पर महापौर प्रमिला पांडे, सांसद रमेश अवस्थी, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, विधायक महेश त्रिवेदी, अरुण पाठक, अभिजीत सिंह सांगा व नीलिमा कटियार व पूर्व विधायक सतीश निगम, आलोक मिश्रा, हर प्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व राज्यसभा सदस्य सुखराम सिंह, बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री नरेश चंद्र त्रिपाठी आदि ने श्रद्धांजलि दी। रतन तिवारी, अमर तिवारी और पदम तिवारी को सांत्वना दी।

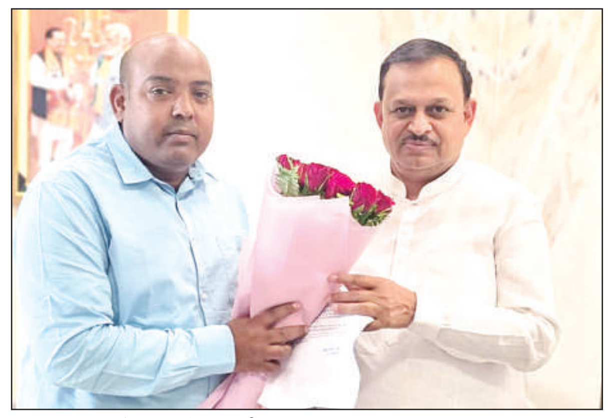

डॉ. एस ब्राउन को सांसद ने बधाई दी। अमृत विचार

डॉ. एस. ब्राउन डीआरयूसीसी सदस्य नामित

कानपुर वरिष्ठ खेल फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. एस. ब्राउन (डॉ. स्टेनली ब्राउन पीटी) को मंडलीय रेल उपभोक्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) का सदस्य नामित किए जाने पर सांसद रमेश अवस्थी ने बधाई दी। सांसद ने विश्वास जताया कि डॉ. ब्राउन रेल यात्रियों से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को प्रभावी ढंग से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर नई ट्रेनों के संचालन, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा सेवाओं में सुधार के लिए सार्थक भूमिका निभाएंगे। उनका अनुभव और सामाजिक प्रतिबद्धता रेलवे सेवाओं को अधिक जनकेन्द्रित बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

मौरंग लदा ट्रक फुटपाथ पर धंसकर पलटा

कानपुर। जाजमऊ में शुक्रवार दोपहर मौरंग लदा ट्रक का पिछला पहिया फुटपाथ में धंस गया। जिससे ट्रक पलट गया। ट्रक पलटने से टेनरी व जलनिगम की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रक चालक और परिचालक को मामूली चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को क्रेन से हटवाया। घाटमपुर निवासी धर्मेंद्र सिंह ट्रक चालक हैं। उसने बताया कि परिचालक देवेंद्र सिंह के साथ ट्रक में घाटमपुर से मौरंग लादकर वाजिदपुर आए थे। रास्ता भटकने के कारण ट्रीटमेंट प्लांट के पास ट्रक बैक कर रहे थे। तभी पिछला पहिया फुटपाथ में धंसकर ट्रक पलट गया।

योगी सरकार की स्टार्टअप नीति से प्रभनूर बनीं उद्यमी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अब ज़मीन पर असर दिखा रही है। योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के विजन के तहत चलाई जा रही इस योजना ने कानपुर की प्रभनूर कौर को न केवल आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि उन्हें रोजगार देने वाली महिला उद्यमी के रूप में पहचान भी दिलाई। सरकार की मदद, पारदर्शी प्रक्रिया और समय पर मिले ब्याजमुक्त ऋण ने उनके सपनों को हकीकत में बदल दिया।

हुनर था, हौसला था कमी थी सिर्फ पूंजी की: कानपुर की रहने वाली प्रभनूर कौर ने अपनी शुरुआती पढ़ाई डीपीएस कल्याणपुर से की। स्कूल के दिनों से ही उन्हें बेकिंग और केक आर्ट में खास रुचि थी। कॉलेज के समय कोविड के कारण पढ़ाई प्रभावित हुई, लेकिन उन्होंने इस समय को अपने हुनर को निखारने में लगाया। उन्होंने मुंबई में आयोजित केकॉलॉजी एग्जीबिशन 2023 में हिस्सा लिया और सिल्वर मेडल हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके बाद दिल्ली और बेंगलुरु में विशेषज्ञों से प्रशिक्षण लेकर उन्होंने अपने कौशल को और निखारा। प्रभनूर बताती हैं, हुनर और पहचान दोनों थे, लेकिन खुद का स्टूडियो खोलने के लिए पूंजी नहीं थी। यहीं पर मुख्यमंत्री युवा योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।

सरकार से मिली 4.25 लाख की सहायता: प्रभनूर कौर ने जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत आवेदन किया। सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अप्रैल 2025 में उन्हें 4.25 लाख रुपये का ब्याजमुक्त ऋण स्वीकृत हुआ।

घर से शुरू हुआ 'स्वीट स्क्रैप बाई कौर'

- सरकारी सहयोग से प्रभनूर ने अपने घर से ही 'स्वीट स्क्रैप बाई कौर' नाम से बेकरी और आर्टिस्टिक केक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की शुरुआत की। ऋण की राशि से उन्होंने आधुनिक मशीनें और जरूरी उपकरण खरीदे। आज उनका बेकरी स्टूडियो खास डिज़ाइनर केक और आर्टिस्टिक बेकिंग के लिए जाना जा रहा है।

खुद आत्मनिर्भर, 10 लोगों को दिया रोजगार

- प्रभनूर कौर अब सिर्फ अपने लिए काम नहीं कर रहीं, बल्कि उन्होंने कम से कम 10 लोगों को रोजगार भी दिया है। वह कहती हैं, "मुख्यमंत्री युवा योजना ने मेरा सपना पूरा किया। अब मैं नौकरी खोजने वाली नहीं, बल्कि नौकरी देने वाली बन गई हूं। लखनऊ में आयोजित 'मुख्यमंत्री युवा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी' में अपनी सफलता की कहानी साझा की थी।

भगवान जिनेंद्र का किया अभिषेक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीसामऊ स्थित श्री 1008 सहस्त्र फनी पारसनाथ मंदिर में आध्यात्मिक महापर्व पर सिद्ध चक्र विधान के क्रम में जिनेंद्र भगवान की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने प्रभु का मंत्रोच्चार के साथ पूजन अर्चन किया और सुख समृद्धि व मंगलमय जीवन की कामना की।

सुबह 7 बजे श्री जी का अभिषेक, शांति धारा हुई। इसके बाद नित्य नियम पूजन के साथ 64 रिद्धि के माध्यम से पूजन हुआ। संध्याकालीन बेला में प्रवीण जैन, अंतिम जैन, रजत, सम्यक, खुशी जैन आदि ने जिनेंद्र भगवान की आरती की। विधान के प्रतिष्ठा आचार्य पंडित सुमित जैन शास्त्री ने आरती का महत्व बताते हुए कहा की आरती का मतलब आ का मतलब आत्मा, रति का मतलब रमण करना है। आरती के माध्यम से प्रभु के गुणों का संस्मरण करते हुए अपनी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करना है। विद्वान डॉक्टर कमलेश ने 64 ऋद्धियों का महत्व बताया। इस अवसर पर समाज के अनिल जैन, आमोद जैन, शील चंद, जैन सुनील, शैलेश, अजय, अमिता, नीता, प्रीति आदि उपस्थित रहे।

पारसनाथ मंदिर में हुआ अभिषेक। अमृत विचार

घर से 10 लाख के जेवर चोरी, रिपोर्ट

कानपुर। काकादेव में एक वृद्ध ने सफाई कर्मी पर नकदी व दस लाख के जेवर चोरी करने का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट कराई। काकादेव पुरानी बस्ती निवासी राम किशन की तहरीर के मुताबिक वह घर पर अकेले रहते है। पिछले साल इलाकाई रवि को घर की साफ-सफाई के लिए बुलाया था। इस दौरान वह दस हजार नकद व घर में रखे बहू के करीब दस लाख के जेवर चोरी कर ले गया। 16 दिसंबर को अलमारी का लॉकर टूटा देख घटना की जानकारी हुई। आरोपित के साथ अन्य लोग भी घटना में शामिल हैं।

चकेरी में युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी के कृष्णानगर में संदिग्ध हालात में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेजा। मूलरूप से बाराबंकी के मसौली गांव निवासी मोहम्मद आरिफ का 20 वर्षीय बेटा शाहनवाज उर्फ शानू कृष्णानगर में एक होटल में काम करता था। पिता ने बताया कि शानू होटल के पीछे बने कमरे में रहता था। होटल कर्मियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह होटल पहुंचे तो शानू कमरे में था। दूसरी चाबी से दरवाजा खोला तो उसका शव फंदे से लटकता मिला।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की और परिजनों को हादसे की खबर दी। पिता ने बताया कि आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। परिजनों की तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित कार डिवाइडर पर चढ़ी

कानपुर। साकेतनगर तिराहा के पास गुरुवार देर रात कार दूसरी कार को टक्कर मारती हुई डिवाइडर पर चढ़ गई। कार में चार लोग सवार थे। एयरबैग खुलने से किसी को गंभीर चोट नहीं आई। लोगों को आता देखकर तीन युवक भाग निकले, जबकि एक को राहगीरों ने पकड़ लिया। वह शराब के नशे में धुत मिला। पुलिस ने कार जब्त की है। पनकी निवासी नितीश मिश्रा दीप सिनेमा स्थित पीवीआर में मैनेजर हैं। नितीश के अनुसार गुरुवार रात वह काम खत्म कर कार से निकले तो रेलवे मैदान के सामने दुकान में किनारे कार खड़ी की। तभी नंदलाल चौराहा की ओर से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी कर में जोरदार टक्कर मारी और डिवाइडर से टकराकर उस पर चढ़ गई। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया है।

व्यथा | सचेंडी क्षेत्र में उद्यमी परेशान, टैक्स के बावजूद सुविधा न मिलने से हैरान

सुविधाओं का अकाल, उद्योगों का हाल हुआ बदहाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सचेंडी औद्योगिक क्षेत्र, जो नवीन फल मंडी के सामने से मुरलीपुर गांव जाने वाली सड़क पर राधा स्वामी आश्रम के निकट स्थित है, कई वर्षों से सड़क एवं जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था के अभाव में समस्याओं का घर बन चुका है। क्षेत्र में लगे उद्योग इससे सीधेतौर पर प्रभावित हो रहे हैं। हालात यह है कि बरसात में यहां पर स्टॉक का आवागमन भी ठप हो जाता है।

शहर के सचेंडी क्षेत्र में अनियोजित रूप से बसी औद्योगिक इकइयों के सामने एक सड़क कई समस्याओं का केंद्र बनी हुई है। उद्यमियों का कहना है कि कई तरह के टैक्स लिए जाने के बावजूद भी इस समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। वे लोग अपनी समस्या अब तक कई अधिकारियों के समक्ष बता चुके हैं। यह मार्ग औद्योगिक इकाइयों एवं ग्रामीण आबादी दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, किंतु आधारभूत संरचना की उपेक्षा के कारण इसकी स्थिति निरंतर दयनीय बनी हुई है। विशेष रूप से वर्षा ऋतु के दौरान स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो जाती है। सड़क पर जलभराव के कारण आवागमन बाधित हो जाता है और अनेक स्थानों पर गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। आसपास के हजारों ग्रामीण नागरिक भी इससे प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

25 बड़े उद्योग स्थापित: इस मार्ग पर स्थित लगभग 25 बड़े उद्योग, जिनमें टॉफी, बिस्कुट, नमकीन, जूता निर्यात, पैकेजिंग एवं पशु आहार से संबंधित इकाइयां संचालित हैं। प्रतिदिन लगभग 3 हजार श्रमिकों को रोजगार प्रदान करते हैं। जलभराव के कारण श्रमिक समय पर कार्यस्थल तक नहीं पहुंच पाते, जिससे उत्पादन प्रभावित होता है तथा श्रमिकों की आय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह परिस्थिति उद्योगों के सुचारु संचालन के लिए गंभीर बाधा बन चुकी है।

"सिर्फ एक सड़क के बन जाने से कई हजार लोगों की समस्या का समाधान हो सकता है। बावजूद अभी तक इस सड़क को बनाया नहीं जा रहा है। कई बार कई जगहों पर हम लोग लगातार शिकायत दर्ज करा चुके हैं। इसके बाद भी हम लोगों की कोई सुनवाई नहीं है। –साहिल

"इस सड़क के चलते कई बार स्टॉक ले जा रहे ट्रक या लोडर गड्ढे में फंस जाते हैं। किसी दिन इस सड़क की वजह से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। यदि बड़ा हादसा होता है उसकी पूरी जिम्मेदारी उन विभागों की होगी जहां पर हम लोग शिकायत दर्ज करा चुके हैं। –विनोद गुप्ता

"इस समस्या के चलते हम लोगों का उद्योग प्रभावित हो रहा है। समस्या के चलते सैंपल देखने के लिए खरीदार युनिट तक आने से बचते हैं। इससे हम लोगों को उनके पास जाना होता है। इस स्थिति में खरीदार के सामने अक्सर स्थिति असहज हो जाती है। –ईशान सरावगी

"यदि हम लोगों का कारोबार प्रभावित हो रहा है कि इसकी एक वजह वह अधिकारी व विभाग भी हैं जहां पर हम लोग लंबे समय से दौड़भाग कर रहे हैं। तमाम प्रयास के बावजूद अब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। –राजू तलरेजा

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2009 व अनुक्रमांक नं0– 0435843 का मूल प्रमाणपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **आकांक्षा मिश्रा पुत्री ध्रुपदेह मिश्रा निवासिनी – बी–2 ब्रहमपुरी, इन्दिरा नगर, लखनऊ।**

सूचना
मैने अपना नाम FATIMA से बदलकर FATEMA HUSAINI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **D/O-HUSAINI ALI ADD-108/190, MODEL HOUSE, TALAB GANGI SHUKLA,GPO, PS-KAISARBAGH DIST-LUCKNOW-226001(U.P)**

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र पंकज कुमार पुत्र स्व0 रामचन्द्र निवासी उपरोक्त को उसके खराब चाल–चलन व अमर्यादित व्यवहार, मारपीट व गाली गलौज करने के कारण उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनुचित कृत्य व लेन–देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **राजेश्वरी पत्नी स्व0 रामचन्द्र निवासिनी– ग्राम ढखवा थाना व परगना व तहसील मलिहाबाद, लखनऊ।**

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राजेश कुमार पुत्र श्री रामभरोसे, निवासी बैशोली अड्डा, अछल्दा तहसील बिधूना, जनपद औरैया है। मेरे आधार कार्ड संख्या 7298 9473 6059 में त्रुटिवश मेरा नाम राकेश कुमार अंकित हो गया है, जबकि मेरे समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों एवं अन्य अभिलेखों में मेरा सही नाम राजेश कुमार दर्ज है। मेरे आधार कार्ड में दर्ज नाम राकेश कुमार को संशोधित कर राजेश कुमार पुत्र श्री रामभरोसे किया जाए।

सूचना
सूचित हो कि मैं अपने पुत्र मेराज अहमद के चाल चलन से काफी परेशान हूं। वह आये दिन विवाद करता है। जिसके चलते अपने बेटे को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य का परिवार के लोगों से कोई मतलब नहीं है। वह स्वयं जिम्मेदार है। **खदरू पुत्र लालू निवासी ग्राम काशीजोत, थाना व तहसील पयागपुर, जनपद बहराइच, यूपी।**

बेदखली सूचना
सूचित हो कि मैं श्रीलाल अपने पुत्र महेन्द्र उर्फ सुरेन्द्र को उसके खराब आचरण व मुझको व मेरे परिवार को प्रताड़ित करने के कारण उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य व लेन–देन के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **श्रीलाल निवासी– ग्राम पलहीपुर मीरानपुर तह0 सदर, थाना– कोतवाली, नगर जिला– सुलतानपुर।**

सूचना
सूचित हो कि मैं अपने छोटे पुत्र अमित चौहान की समाज विरोधी आदतों, नशे की आदत, एवं गलत चाल चलन के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **मोहन लाल चौहान पुत्र स्व0 बाबूराम निवासी– चौक शहजादपुर, परगना व तहसील– अकबरपुर, जनपद– अम्बेडकरनगर, उ0प्र0।**

सूचना
सूचित हो कि मैं अपने छोटे पुत्र शिवा को उसके गलत चालो चलन, अनैतिक क्रिया कलापों, व गलत कुकृत्यों से कारण अपने समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किये गये कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना–देना, वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **रामनरेश पुत्र जगदेव निवासी– ग्राम बख्तियार नगर परगना व तहसील मलिहाबाद, जनपद– लखनऊ।**

सूचना
कुलदीप पुत्र राम औतार **निवासी ग्राम गाजू तहसील संडीला** ने भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमा कराया था। जिसमे मेरा नाम रजनीश कुमार लिखा है जबकि मेरा आधार कार्ड पैन कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में कुलदीप कुमार दर्ज है दोनों नाम मेरे है दोनों नाम से मुझे जाना एवं पहचाना जाता है मेरे गांव में मेरे नाम का और कोई नहीं है।

सूचना
सूचित हो कि, मैं Mohd Arman Khan पुत्र Mohd Ibrar Khan, निवासी:– म.न. एच एन 536/1/154, मदेगंज, निरालानगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश–226020 का हूँ, मेरा पूरा सही नाम Mohd Arman Khan हैं, पहले मेरा नाम हाई स्कूल सर्टिफिकेट एवं पासपोर्ट में Arman Khan था, जिसे मैंने बदलकर Mohd Arman khan कर दिया हैं, जो कि मेरे सारे दस्तावेजों आधार, पैन कार्ड में अंकित हैं, अत: मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम Mohd Arman Khan S/o- Mohd Ibrar Khan दर्ज किया जाये। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

सिटी ब्रीफ

सात मार्च को होगी समिति की बैठक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय सभागार में चंद्रशेखर कृषक समिति की पांच मार्च को होने वाली मासिक बैठक अब सात मार्च को होगी। कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह एवं जगदीश सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि होली त्यौहार के दृष्टिगत समिति की बैठक 5 मार्च के बजाय अब 7 मार्च को होगी। निदेशक प्रसार डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि इसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को नवीनतम खेती-बाड़ी एवं पशुपालन की जानकारियां देते हैं। प्रदेश के कई जनपदों से प्रगतिशील किसान प्रतिभाग करेंगे।

एआईटीडी में रोबो वॉर से जीते ईनाम

कानपुर। एआईटीडी में शंखनाद के दूसरे दिन तकनीकी, साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हुआ। दिन का समापन डीजे नाइट से हुई। इससे पहले कई तकनीकी प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इनमें एप मेनिया में प्रथम स्थान अंशिता सिंह, द्वितीय स्थान: खुशबू प्रजापति को मिला। इसी तरह आयोजन के दौरान रोबो रेस भी आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में युवाओं ने अपने बनाए रोबोट को कमांड देकर कई करतब का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में आयुष कटियार, विशाल सिंह, पवन सिंह, मनीष यादव व उत्कर्ष सिंह ने खिताब अपने नाम किया। डीजे नाइट में इलेक्ट्रॉनिक, फ्यूजन और बॉलीवुड रीमिक्स का हाई-एनर्जी सेट पेश किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों की आधुनिक संगीत के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट रूप से दिखाता है।

बिठूर महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रमों ने मन मोहा। अमृत विचार

कलाकारों ने शानदार नृत्य किया। अमृत विचार

कर्ण की मार्मिक गाथा व कवियों के ठहाके गूंजे

कलाकारों ने कर्ण के जन्म से मृत्यु तक की जीवंत तस्वीर उकेरीं, महोत्सव में दिनभर रंगारंग कार्यक्रम

बिठूर महोत्सव

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। बिठूर महोत्सव में दूसरे दिन सांस्कृतिक विविधता और साहित्यिक गरिमा से परिपूर्ण रहा। सुबह 'बैटल ऑफ बैंड्स' और 'कानपुर गॉट्स टैलेंट से शुरुआत हुई, जबकि शाम ढलते ही प्रांगण कर्ण की गाथा और कवि सम्मेलन की गूंज से जीवंत हो उठा। दिनभर चले कार्यक्रमों ने दर्शकों को बांधे रखा।

शुक्रवार को मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन और पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। श्रीराम कला केंद्र द्वारा महाभारत के अमर नायक कर्ण पर आधारित एक घण्टा दस मिनट के डिजिटल नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर दिया। बिना संवादों के हाव-भाव, देह-भाषा, प्रकाश और संगीत के माध्यम से कर्ण के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। अभिनय और तकनीकी संयोजन को सराहना मिली। कर्ण के जन्म से मृत्यु तक की जीवंत तस्वीर उकेरी। कर्ण का किरदार टुल्लू मुर्मू तथा कुंती की भूमिका रितुपर्णा दास ने निभाई। सीडीओ दीक्षा जैन ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया। मंडलायुक्त ने कहा कि बिठूर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को ऐसे आयोजनों से नई पहचान मिल रही है। स्थानीय कलाकार प्रसिद्ध कवयित्री मणिका दुबे ने सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का प्रारंभ किया। कवि संदेश तिवारी ने कि कोई मौसम नहीं हूं मैं कि अगर जो गुजर जाऊं और जमाना भूल न पाए कोई ऐसा काम कर जाऊं ने जमकर तालियां बटोरी। कवि सम्मेलन के दौरान विधायक अभिजीत सिंह सांगा, एमएलसी अरुण पाठक, एसडीएम/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह सहित दर्शकों का हुजूम मौजूद रहा। इससे पहले दिन में आयोजित 'बैटल ऑफ बैंड्स में तरंग बैंड, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय की टीम, इंक्लिनेशंस बैंड, द हैंक्स, अनिकेत मेसी एंड टीम और रिदम ग्रुप ने प्रस्तुति दी।

आज महोत्सव में

- शनिवार को अंतिम दिन विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिनभर कार्यक्रम आयोजित होंगे।
- सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।
- दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुति होगी।
- शाम 4 बजे से 5:15 बजे तक सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज की ओर से पारंपरिक लोक प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें पाई डंडा, पंजाबी गटका और ब्रज की प्रसिद्ध होली 'चारकुला शामिल हैं।
- शाम 5:15 बजे से 5:45 बजे तक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि प्रतिभागियों को सम्मानित करेंगे और अपना उद्बोधन देंगे।
- शाम 6 बजे से 6:30 बजे तक पत्थर घाट, बिठूर में काशी रस वाद्यवृंद की जुगलबंदी प्रस्तुत की जाएगी। इसमें सरोद, सितार, सारंगी, बांसुरी, तबला और पखावज की संगत होगी।
- शाम 6:30 बजे से 7 बजे तक पत्थर घाट पर गंगा आरती के साथ कार्यक्रम होगा।
- शाम 7:30 बजे से गोपाल मणि तिवारी का म्यूजिक कॉन्सर्ट आयोजित किया जाएगा।

शोध के लिए एआई का प्रयोग अब हुआ जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

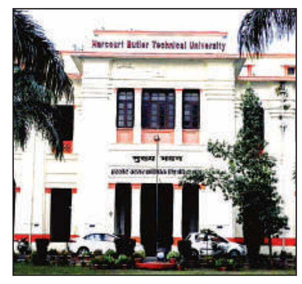

- एचबीटीयू में नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन
- नवाचार, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान आज की जरूरत

अमृत विचार। हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। 'एडवांसेज इन फार्मास्युटिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज' विषय पर आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस में शोध को बेहतर करने के लिए एआई के प्रयोग को जरूरी बताया। सम्मेलन में संस्थानों से आए वैज्ञानिकों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. समशेर ने की। उन्होंने कहा कि औषधि एवं जैविक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान गुणवत्ता तथा उद्योग-शैक्षणिक समन्वय की आवश्यकता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन युवा वैज्ञानिकों को नई दिशा प्रदान करते हैं। इस दौरान शोधों के संकलन की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋचा गिरी (उप प्राचार्य, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर) ने अपने संबोधन में चिकित्सा अनुसंधान में नैतिक मूल्यों, आधुनिक तकनीकों एवं अंतःविषयक दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। इसी तरह प्रो. दीप्तीक परमार (प्रो-वाइस चांसलर, एचबीटीयू, कानपुर) ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जैसे अकादमिक मंच ज्ञान-विनिमय और गुणवत्तापूर्ण शोध को नई दिशा प्रदान करते हैं। सम्मेलन में प्रो. ललित कुमार सिंह (अध्यक्ष, कांफ्रेंस) ने कहा कि इस नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य फार्मास्युटिकल एवं बायोलॉजिकल साइंसेज के क्षेत्र में नवीनतम शोध एवं तकनीकी प्रगति को साझा करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है।

डॉ. नीरज मिश्रा (संयोजक, कांफ्रेंस) ने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से यह नेशनल कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक संपन्न हो सकी। सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें डॉ. मनीष चौरसिया, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीडीआरआई, लखनऊ, ने ड्रग डिस्कवरी विषय पर चर्चा प्रस्तुत की। इसी तरह प्रो. विवेक वर्मा, आईआईटी कानपुर, ने घाव को ठीक करने के लिए आने वाले पैचेस एवं दवाइयों के प्रयोग के बारे में जानकारी दी।

60 महिला चित्रकारों ने मुट्ठी में भर लिया 'आधा आकाश'

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्रदर्शनी में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट डिपार्टमेंट छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान 60 महिला कलाकारों ने कलाकृतियों के जरिये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं के सपने, उनकी उड़ान और शक्ति को दर्शाया।

राज्य ललितकला अकादमी, लखनऊ, संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित अकादमी की सदस्य डॉ शुभम शिवा द्वारा प्रदर्शनी का संयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि आधी आबादी के सपनों और अधिकार को ध्यान में रखते हुए इस प्रदर्शनी का शीर्षक आधा आकाश रखा गया है। प्रदर्शनी की शुरुआत मुख्य अतिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक द्वारा की गई। इस दौरान आयोजन समिति सदस्य डॉ पूर्णिमा तिवारी तथा डॉ दीपा पाठक, डॉ रीता वर्मा, डॉ कुमुद बाला, पूजा श्रीवास्तव, डॉ वीणा अवस्थी ने भी विचार व्यक्त किए।

आयोजन समिति में डॉ श्वेता पांडे ने झांसी का प्रतिनिधित्व किया। अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा ने भी कला की बारीकियों को समझाया। प्रदर्शनी में इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ मिठाई लाल, राजकुमार सिंह, जेबी यादव, डॉ विनय सिंह, डॉ बप्पा मांझी, रणधीर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

होली पर रंग बाजार गुलजार, उत्पादन में रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

गंगापुर कालोनी में बनाया जा रहा गुलाल। अमृत विचार

- फैक्ट्रियों में दिन-रात तैयार हो रहा गुलाल, रंगीन धुंआ वाले पटाखों की तमाम वैराइटी

अमृत विचार। होली का त्योहार नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक चरम पर पहुंचने लगी है। रंग-बिरंगे गुलाल, अबीर, पिचकारियां, मुखौटे और सजावटी सामान से दुकानें सजी हैं। खरीदारी के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगी है।

शहर की गुलाल फैक्ट्रियों में उत्पादन ने रफ्तार पकड़ ली है। गंगापुर कॉलोनी स्थित एक फैक्ट्री में मशीनों के माध्यम से बड़े पैमाने पर गुलाल तैयार किया जा रहा है। संचालक के अनुसार गुलाल बनाने के लिए कॉर्न स्टार्च को बेस के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें प्राकृतिक रंग और खुशबू मिलाकर मशीनों से मिक्सिंग की जाती है। इसके बाद मिश्रण को सुखाकर पैकिंग की जाती है और थोक व फुटकर बाजारों में सप्लाई भेजी जाती है। उनका दावा है कि फैक्ट्री में किसी प्रकार के हानिकारक केमिकल का उपयोग नहीं किया जाता और त्वचा के लिए सुरक्षित रंग ही बाजार में उतारे जाते हैं। केशव नगर निवासी हिमांशु गुप्ता अपने निवास पर 30-35 वर्षों से पुश्तैनी तौर पर रंग-गुलाल का निर्माण कर रहे हैं। उनके यहां करीब डेढ़ दर्जन दिहाड़ी मजदूर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि रंग बनाने का काम अक्टूबर से शुरू हो जाता है, उच्च गुणवत्ता वाले गुलाल में सुरक्षित बेस पाउडर, रंग और परफ्यूम का संतुलित मिश्रण किया जाता है, जो त्वचा के लिए सुरक्षित होता है और चेहरे पर लगाने के बाद फेफड़ों तक नहीं पहुंचता। वहीं सस्ते और मिलावटी रंगों से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि बाजार में बिकने वाले कुछ कम कीमत वाले रंगों में बालू या अन्य हानिकारक तत्व मिलाए जाते हैं, जो त्वचा और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हैं।

पटाखों की बढ़ी मांग

- व्यापारियों के मुताबिक इस बार होली पर नए तरह के रंगीन धुंआ वाले पटाखों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। ये पटाखे जलने पर अलग-अलग रंग का धुआं छोड़ते हैं, जिससे होली के जश्न में दिवाली जैसी फीलिंग देने की तैयारी है। अनार, मेहताब और रॉकेट के धुंआ वाले वैरिएंट युवाओं में खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। शहर में होली के बाद अनुराधा नक्षत्र में मनाया जाने वाला ऐतिहासिक गंगा मेला भी रंगों की मांग को बढ़ा देता है, जिसके चलते इस बार व्यापारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

28 को रोजगार मेला

कानपुर। सेवायोजन विभाग 28 फरवरी को रोजगार मेला आयोजित करेगा। यह मेला नारायणा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन पनकी में आयोजित किया जा रहा है। मेले के बारे में सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि इस मेले में 15 से अधिक निजी कंपनियां युवाओं को जॉब ऑफर करने आ रहीं है। यह कंपनियां युवाओं को 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन ऑफर करेंगी।

निशान यात्रा में चलते भक्त। अमृत विचार

निशान यात्रा का हुआ स्वागत

कानपुर। श्री श्यामजी महिमा प्रचार मंडल की ओर से शुक्रवार को निशान यात्रा निकाली गई। यह यात्रा बिरहाना रोड से शुरू होकर श्याम मंदिर कमला टावर तक पहुंची। रास्ते में कई जगहों पर यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत भी किया गया। भक्तों की ओर से यात्रा की आरती भी की गई। इस दौरान 'डोरी खींच के राखी जो यह श्याम को, निशान पैदल चलानिए के सागे चले बाबू श्याम' जैस भजनों पर भक्तों ने नृत्य भी किया। इस दौरान देवा सोनी, नंदू सोनी, राजेंद्र खेमका, सुरेद्र केडिया सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

रमजान में एक नेकी का सवाब सत्तर के बराबर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जुमा पर तकरीर में मौलाना ने दीं नसीहतें और बताए फर्ज

अमृत विचार। रमजान-उल-मुबारक का महीना बहुत बरकत वाला है। अल्लाह तआला इस महीने में एक नेकी करने वाले का सवाब (पुण्य) सत्तर नेकी के बराबर अता फरमाता है।

शुक्रवार को जुमा की नमाज के पूर्व मस्जिद में तकरीर करते हुए मौलाना तहसीन रजा कादरी ने कहा कि रमजान के महीने में जकात देना फर्ज है। मौलाना ने कहा कि ईद की खुशियों में अपने उन भाइयों को भी शामिल करें जो महीने भर रोजा रखते हैं लेकिन आर्थिक कमजोरी की वजह से नए कपड़े नहीं खरीद सकते या अच्छा खाना नहीं बना सकते। मौलाना ने कहा कि अगर आपके पास 7.5 तोला सोना या 52.5 तोला चांदी है तो आपके अपने माल का 2.5 प्रतिशत जकात देना फर्ज है। उन्होंने कहा कि ईद की नमाज से पहले फितरा भी निकालें। मौलाना ने कहा कि रमजान के महीने में सदका करने से अल्लाह रोजी में बरकत देता है। इस महीने में खूब इबादत कीजिए और गरीबों की खुलकर मदद कीजिए। मौलाना ने कहा कि तमाम लोग रमजान में 6 दिन, 10 दिन की तरावीह पढ़ने के बाद ये समझते हैं कि अब उन्हें तरावीह पढ़ने की जरुरत नहीं है लेकिन ये जान लीजिए कि पूरे रमजान तरावीह पढ़ना होता है। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में हाथ, पांव, आंख का भी रोजा रखें।

हेल्थ अलर्ट बीपी, शुगर के रोगियों को रखनी चाहिए खास सावधानी, रंग खेलने के दौरान त्वचा और नेत्रों का रखना चाहिए ख्याल

बुरा न मानो होली है, सेहत भी जरूरी है

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। होली पर रंग और हुड़दंग के बीच शरीर का भी खास ख्याल रखने की जरूरत है। खासतौर पर ऐसे लोगों को जो पहले से ही बीपी और शुगर जैसे रोगो का सामना कर रहे हैं। डॉक्टर होली में आंखों और त्वचा का भी रखरखाव करने की सलाह दे रहे हैं।

रंग के हुड़दंग के बीच कई बार लोग केमिकल रंगों का प्रयोग भी करते हैं। जिससे सबसे अधिक आंख और त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। बुजर्ग और बच्चे अक्सर प्रभावित होते हैं। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. मनमीत सिंह का कहना है लोग यदि अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें तो वे लापरवाही की वजह से पैदा होने वाली कई शारीरिक समस्याओं से बच सकते हैं।

नेत्रों का रखें ख्याल

- रंग व गुलाल जब उड़ रहा है तो आंखों को बंद रख लेना चाहिए। जिससे रंग आंखों में न जाए। सनग्लास पहनें ताकि रंग आंखों में न जाए और धूप से भी बचाव हो। अगर रंग आंखों में चला जाए तो तुरंत पानी से धोना चाहिए। आंखों को न रगड़ें, ताकि नुकसान न हो। आंखों को साफ रखें और किसी भी तरह की परेशानी होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

त्वचा का रखें ध्यान

- होली में रंग खेलने से पहले त्वचा को अच्छी तरह से मॉइस्चराइज करें, ताकि रंग त्वचा में न जाए। सनस्क्रीन लगाएं, ताकि धूप और रंग से त्वचा का बचाव हो। होली से पहले ऑयल मसाज करें, ताकि त्वचा को रंग से बचाया जा सके। रंग खेलने के बाद तुरंत रंग को धोएं, ताकि त्वचा पर रंग न जमे। रंग धोने के लिए मिल्ड क्लींजर का उपयोग करें, ताकि त्वचा को नुकसान न हो। रंग धोने के बाद त्वचा को अच्छी तरह से मॉइस्चराइज रखें, ताकि त्वचा सूख न जाए।

मौसम में भी बदलाव

- होली पर मौसम भी बदल रहा होता है। इसमें ऐसे लोग प्रभावित होते हैं जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। शुक्रवार को शहर में अधिकतम पारा सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि होली तक शहर में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस का बदलाव संभव हो सकता है। तापमान में यह बदलाव भी लापरवाही बरतने पर शरीर को संकट में डाल सकता है।

शुगर के मरीज रखें सावधानी

- होली के पकवानों को सीमित मात्रा में खाना चाहिए, जिससे ब्लड शुगर लेवल न बढ़े। इसके अलावा यदि संभव हो तो गुड़, खजूर, किशमिश और सूखी अंजीर जैसे प्राकृतिक मिठाइयों का सेवन करें। पर्याप्त पानी पीते रहना चाहिए जिससे शरीर हाइड्रेटेड रहे। व्यायाम और योग जारी रखे, उसमें कोताही बरतने से नुकसान हो सकता है। यदि परहेज टूट गया है तो रोजाना के मुकाबले अधिक पैदल चले। किसी भी सूरत में अपनी दवाइयों को ब्रेक न करें, समय में परिवर्तन भी शुगर लेवल बढ़ा सकता है। डॉक्टर की सलाह के बिना दवा में कोई बदलाव न करें। तले-भुने खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है, इसलिए इनसे बचाव करना चाहिए। इसके अलावा फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ जैसे गाजर, बीन्स को सलाद में शामिल करें।

बुजुर्गों के लिए खास

- मौसम के बदलाव के बीच पर्याप्त पानी पीते रहना चाहिए। धूप से बचाव करना चाहिए। ताजा आहार लेना चाहिए। इसके अलावा फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन को भोजन में शामिल करें। चिप्स व पापड़ का कम सेवन करना चाहिए। अधिक पुरानी गुझिया के सेवन से बचे। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचाव करना चाहिए।

हाई बीपी के मरीज रहें सतर्क

- पकवानों में नमक की मात्रा कम रखें, ताकि ब्लड प्रेशर न बढ़े। गुड़, खजूर, किशमिश और सूखी अंजीर जैसे प्राकृतिक मिठाइयों का सेवन कर सकते हैं। तले-भुने खाने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, इसलिए इनसे बचें। होली के दौरान तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या गहरी सांस लेने का अभ्यास करें।

राम दरबार की झांकी। अमृत विचार

प्रभु राम दरबार की हुई परिक्रमा

कानपुर। श्री रामजानकी बड़ा मन्दिर बिठूर से श्री रामजानकी सहित सम्पूर्ण राम दरबार का डोला पंचकोषी परिकर्मा के रूप में निकली। यह परिक्रमा पनकी धाम के महन्त महामण्डलेश्वर जितेन्द्र दास शास्त्री के नेतृत्व में निकली। यात्रा पत्थर घाट, रामधाम, हरीचाम, बाल्मीकि आश्रम, कपिलेश्वर, भूतेश्वर, रमेल गाँव, छोटे हनुमान मन्दिर, बड़े हनुमान मन्दिर, किशुनपुर आदि स्थानों पर भ्रमण करते हुए ब्रहम्वत घाट पर पहुंची। इस दौरान जय जय श्री राम के जयघोष के मध्य श्रद्वालुओं में श्रीराम लला के दर्शन किए। इस दौरान पनकी हनुमान मन्दिर के प्रमुख पुजारी दिवाकर शुक्ला, बालकदास ब्रहम्बारी, चन्द्रशेखर पाण्डेय, सुरेशदास, महन्त कृष्णदास व मन्दिर के समस्त सेवक कुश शुक्ला अमित पाण्डेय आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

फ्रॉड के 28,750 रुपये पुलिस ने कराए रिफंड

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : एसएसपी के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत गंगाघाट पुलिस ने यूपीआई के माध्यम से हुए साइबर फ्रॉड के मामले में पीड़िता को पूरी धनराशि वापस दिलाई। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि मिश्रा कॉलोनी निवासी सृष्टि पुत्री राजेन्द्र शुक्ला से 18 नवंबर 2025 को यूपीआई के जरिए 28,750 रुपये की ठगी हुई थी। उसने ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद गंगाघाट थाना की साइबर टीम ने मामले की जांच शुरू कर संबंधित खातों की ट्रेसिंग व जरूरी कार्रवाई की। लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप शुक्रवार को पूरी 28,750 रुपये की धनराशि पीड़िता के खाते में रिफंड करा दी गई।

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत से मचा कोहराम

बांगरमऊ, अमृत विचार : फतेहपुर चौरासी थानांतर्गत ग्राम भुठिया परशुरामपुर निवासी रंजीत (35) पुत्र राम बालक गांव में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। शुक्रवार को वह कुछ सामान खरीदकर बांगरमऊ से घर लौट रहा था। तभी शाम करीब 9 बजे फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गांव कमलापुर के पास उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल अवस्था में उसे अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रंजीत की मौत से पत्नी फूलन देवी व तीन बच्चों में आदित्य (7), अंशु (5) व नैना (3) का रो रोकर बुरा हाल है।

तीन को होलिका दहन, 4 को चंद्रग्रहण होने से 5 को चलेगा रंग

भद्रा पुच्छ काल में होगा होलिका दहन, चंद्रग्रहण के 9 घंटे पहले लगेगा सूतक काल तब मंदिरों के कपाट रहेंगे बंद

बांगरमऊ उन्नाव

ज्योतिषाचार्य पंडित ऋषिकांत मिश्र।

अमृत विचारः भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म का प्रमुख त्योहार होली आगामी 3 मार्च और धुलेंडी 5 मार्च को मनाया जाना शुभ है। इसी दिन भाईदूज भी मनाई जाएगी। जबकि चंद्र ग्रहण 4 मार्च को पड़ेगा।

कस्बा ऊगू निवासी विख्यात ज्योतिषाचार्य पं. ऋषिकांत मिश्र ने बताया कि आगामी 27 फरवरी को एकादशी, 1 मार्च को प्रदोष व्रत, 2 मार्च को व्रत पूर्णिमा व होलिका दहन 3 मार्च को होगा। चूंकि चन्द्र ग्रहण 4 मार्च को पड़ेगा इसलिए धुलेंडी व भाईदूज एक दिन छोड़कर 5 मार्च को होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि फाल्गुन शुक्ल रंग भरी आमलकी एकादशी 27 फरवरी शुक्रवार को और समय गोठने का शुभ मुहूर्त पुख्या मृत योग पर 28 फरवरी शनिवार को होगा। जबकि 1 मार्च को प्रदोष व्रत का विधान है। इस वर्ष पूर्णिमा का मान 2 मार्च को चतुर्दशी तिथि 17/21 बजे समाप्त हो जाती है और पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ हो रही है। जो कि व्रत पूर्णिमा भी है और भद्राकाल भी रहेगा।

अतः इससे स्पष्ट है कि भद्रा पुच्छ काल में होलिका दहन किया जाए। बताया कि काशी में चंद्र ग्रहण दृश्य का समय 6 बजे सूतक काल पड़ने के 9 घंटे पहले से शुरू हो रहा है। इसलिए देश के सभी मंदिरों के पट बंद कर दिए जाएंगे और दर्शन-पूजन भी बंद रहेंगे। ग्रहण के पूर्व गर्भवती महिलाएं अपने पेट पर गेरु व गाय के गोबर का लेपन कर लें। आचार्य ने स्पष्ट किया कि ग्रहण का प्रभाव मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, धनु, मकर व कुंभ राशि वालों को अशुभ फल देगा। अतः शांति उपाय के लिए अपने इष्ट देव का पूजन करें। किंतु यह ग्रहण मिथुन, तुला, वृश्चिक व मीन राशि वालों को शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा।

होली पर केमिकलयुक्त रंगों से बचें, प्राकृतिक रंगों का करें प्रयोग

- **डॉक्टरों ने दी चेतावनी, त्वचा व आखों को हो सकता नुकसान**

संवाददाता, उन्नाव : होली का त्योहार खुशियों व आपसी भाईचारे का प्रतीक है। जिले में भी त्योहार पूरे उत्साह उमंग के साथ मनाया जाता है लेकिन बाजार में बिक रहे केमिकलयुक्त रंग लोगों की सेहत पर भारी पड़ सकते हैं। जिला अस्पताल में तैनात डॉ. अमित तिवारी ने कहा कि सस्ते व मिलावटी रंगों में शीशा, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट व माइका पाउडर जैसे हानिकारक तत्व मिलाए जाते हैं। जो त्वचा, आखों व बालों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। एमडी मेडिसिन डॉ. एसपी सिंह के अनुसार केमिकलयुक्त रंगों से एलर्जी, खुजली, जलन, रैशेज, आंखों में सूजन व संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई मामलों में बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा अधिक संवेदनशील होने से समस्या गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में लोगों को हर्बल व प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए। प्रकाश आई हॉस्पिटल के संचालक डॉ.अभिषेक श्रीवास्तव ने सलाह दी कि होली खेलने से पहले शरीर पर सरसों या नारियल का तेल अच्छे से लगाएं। जिससे रंग का असर कम हो। आंखों व मुंह में रंग जाने से बचें। जबरन किसी पर रंग न डालें। अगर रंग से कोई परेशानी हो तो तुरंत साफ पानी से धोकर चिकित्सक से संपर्क करें। प्रशासन ने भी लोगों से अपील की कि सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल होली मनाएं। ताकि त्योहार की खुशियां किसी की सेहत पर भारी न पड़ें।

मिलावटी खाद्य पदार्थ भी कर सकते हैं त्योहार का रंग फीका

संवाददाता, उन्नाव : होली पर रंग के साथ गुझिया, चिप्स, पापड़ व अन्य व्यंजन बनाने का महत्व है। इसे लेकर बाजारों में मिठाइयों व अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटी व घटिया खाद्य सामग्री त्योहार की खुशियों का रंग फीका कर सकती है। नकली मावा, सिंथेटिक दूध, कृत्रिम रंग व घटिया तेल से तैयार मिठाइयां व अन्य खाद्य पदार्थ सेहत के लिए खतरा बन सकते है। यह बच्चों के लिए अधिक हानिकारक होते हैं। बाल रोग विशेषज्ञ ब्रज कुमार ने बताया कि इससे फूड पॉइजनिंग, पेटदर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार छापेमारी कर जांच कर रहा है। लेकिन इसके बाद भी मिलावटी खाद्य सामग्री खुलेआम बिक रही हैं।

डीएम ने रवाना की फूड सेफ्टी वैन

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

हरी झंडी दिखाकर फूड सेफ्टी वैन को रवाना करते डीएम गौरांग राठी।

अमृत विचारः जिले में खान-पान की वस्तुओं में मिलावट रोकने व आमजन को जागरूक करने के लिए डीएम गौरांग राठी ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट परिसर से खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग की मोबाइल प्रयोगशाला/फूड सेफ्टी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इसमें डीएम ने स्वयं वैन के अंदर जाकर लैब टेक्नीशियन से जांच की प्रक्रिया समझी। उन्होंने बारीकी से जानकारी ली कि कैसे यह वैन दूध में यूरिया, डिटर्जेंट, तेल में कृत्रिम रंग व मिठाइयों में सिंथेटिक रंगों की पहचान करती है। वैन की विशेषता है कि इसमें खाद्य पदार्थों के सैंपल लेने के बाद मात्र 10 मिनट में शुद्धता की रिपोर्ट मिल जाएगी। डीएम ने सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा को निर्देश दिये कि वैन के संचालन के लिए एक विस्तृत रूटचार्ट तैयार करें। वैन जिले के हर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के मुख्य चौराहों, हाट-बाजारों व दुकानों तक पहुंचे। मिलावटखोरी करने वालों के विरुद्ध मौके पर सख्त कार्रवाई की जाए। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा ने बताया कि यह वैन न केवल नमूने भरेगी बल्कि आमजन को मिलावट के प्रति जागरूक भी करेगी।

- **मिलावटी खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता को प्रशासन गंभीर**

अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, बुजुर्ग की मौत

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात हुए सड़क हादसे में ई-रिक्शा सवार बुजुर्ग की शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। जबकि ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। गंजमुरादाबाद निवासी बृजलाल (75) अपने दामाद राजेश व बेटी के साथ गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के संता खेड़ा में रहकर कानपुर स्थित चप्पल कारखाने में काम करते थे। गुरुवार रात आजाद मार्ग होते हुए घर जा रहे थे। जैसे ही ई-रिक्शा आजाद नगर स्थित महेश खेड़ा व कटहा गांव के पास पहुंचा पीछे से आए अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर से बृजलाल सिर के बल सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया। जहां शुक्रवार सुबह उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

डिजिटल जनगणना 2027 की तैयारी शुरू

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

बैठक में मौजूद एडीएम व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः वर्ष-2027 में होने वाली भारत की पहली डिजिटल जनगणना को लेकर शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें प्रगणकों व अधिकारियों को जनगणना के प्रथम चरण यानी मकान सूचीकरण के लिए तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

एडीएम सुशील कुमार गोंड ने कहा कि यह 1872 से जारी श्रृंखला की 16वीं व आजादी के बाद की 8वीं जनगणना होगी। कहा कि यह पूरी तरह डिजिटल मोड में होने वाली पहली जनगणना है। डेटा संग्रह प्रगणकों के स्मार्टफोन पर समर्पित मोबाइल ऐप से किया जाएगा। जबकि इसकी निगरानी सीएमएमएस पोर्टल से होगी। प्रथम चरण 22 मई से 20 जून तक इसमें मकानों का सूचीकरण और गणना की जाएगी। स्व-गणना की अवधि 7 मई से 21 मई निर्धारित है। द्वितीय चरण 9 से 28 फरवरी 2027 तक है। इस दौरान जनसंख्या की मुख्य गणना होगी। इसकी संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (मध्य रात्रि) रखी गई है। एडीएम ने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

- **अपर जिलाधिकारी ने दिए त्रुटिरहित डेटा संग्रह के निर्देश**

आत्महत्या को उकसाने वाली पत्नी गिरफ्तार, भेजी गई जेल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सहजनी रेलवे क्रॉसिंग के पास कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर सोमवार रात हुए पिता-पुत्री आत्महत्या प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह कार्रवाई एसएसपी के निर्देश पर चल रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई। बता दें कि बीती सोमवार रात करीब 9 बजे सहजनी निवासी विकास गुप्ता (45) व उनकी 12 वर्षीय बेटी वेदिका ने मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मृतक के भाई कानपुर के मकड़ी खेड़ा निवासी शिवम ओमर की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी शैफाली गुप्ता उर्फ डॉली, ससुर राकेश गुप्ता, सास सुमन गुप्ता, साले यश व शशांक गुप्ता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की थी। कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार को मरहला चौकी प्रभारी मूलचंद्र पाठक पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में वांछित आरोपियों की तलाश कर रहे थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे में वांछित शैफाली रेलवे पुल के पास से मिश्रा कॉलोनी जा रही है। इस पर पुलिस टीम ने महिला कांस्टेबल की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे के आधार पर विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। चौकी प्रभारी ने बताया कि मामले में नामित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

सदर विधायक ने किसानों को सराहा

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

प्रदर्शनी में उत्पाद देखते विधायक पंकज गुप्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचारः निराला प्रेक्षागृह में श्री अन्न मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय मिलेट्स मेला सह प्रदर्शनी व उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता, पीडी डीआरडीए तेजवंत सिंह, उप निदेशक कृषि रवि चंद्र प्रकाश व जिला कृषि अधिकारी शशांक ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सदर विधायक ने स्टॉलों का अवलोकन करने के बाद किसानों से कहा कि श्री अन्न (मोटा अनाज) न केवल किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है बल्कि यह आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी वरदान है। उन्होंने कृषकों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक खेती के साथ मिलेट्स ज्वार, रागी, बाजरा, सावां, कोदो आदि को प्राथमिकता दें। जिला कृषि अधिकारी शशांक व डॉ. चंद्रपाल ने रासायनिक खादों के बढ़ते प्रयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे मित्र कीट समाप्त हो रहे हैं। एलडीएम आरके गौतम ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड पर मात्र 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगता है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा कराने हेतु प्रेरित किया।

- **मिलेट्स मेला सह प्रदर्शनी व उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन**

घरेलू विवाद में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बालूघाट चौकी अंतर्गत शक्ति नगर में गुरुवार रात घरेलू विवाद के बाद एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आरती गौतम पत्नी धीरज गौतम मूल रूप से शक्ति नगर की निवासी थी। उसकी शादी नई दिल्ली के सराय रोहिला सीरतपुर निवासी धीरज गौतम से हुई थी। बताया जा रहा है कि बीते करीब 4 वर्षों से पति-पत्नी आरती के मायके में ही रह रहे थे। धीरज करोवन क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था और शराब पीने का आदी बताया गया है। परिजनों के मुताबिक गुरुवार रात किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद आरती ने कमरे में पंखे के सहारे दुपट्टे से फांसी लगा ली। इसकी जानकारी होने पर मृतका के भाई संतोष व मनीष उसे फंदे से उतारकर हैलट अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खेल दिवस पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के साथ शाखा प्रभारी रजनी सिंह।

उन्नाव, अमृत विचार : लखनऊ पब्लिक स्कूल की सेक्टर-सी शाखा के प्रांगण में "वार्षिक खेल दिवस" हर्षोल्लास व उत्साह के साथ आयोजित हुआ। इसे किड्स ए थॉन शीर्षक दिया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय शाखा प्रभारी रजनी सिंह ने मशाल देकर व गुब्बारों के गुच्छ उड़ाकर किया। यूकेजी के छात्र शुभ ने सभी को खेलकूद के प्रति स्वस्थ मानसिकता व बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की शपथ दिलाई। यूकेजी के खिलाड़ियों ने ड्रिल, ड्रैग, बाल रेस में अपने प्रदर्शन से सभी को अचंभित कर दिया। बटरफ्लाई, कैटरपिलर व बनी रेस में नन्हे मुन्ने बच्चों का प्रदर्शन देख सभी के चेहरे मुस्कुराहट से के रंग में रंग गए। रिले रेस व विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने पूरे जोश, ऊर्जा व खेल भावना के साथ सहभागिता किया। विजेता विद्यार्थियों को पदक व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की छात्राओं अविका, मरियम व शिक्षक सौरभ विमल संपूर्ण कार्यक्रम व मंच संचालन का कार्यभार संभाला। पूजा सिंह, दुर्गेश नंदिनी, शीबा, मोनिका मिश्रा, सुनीता सिंह, स्वाति पांडे, आद्रिका मिश्रा व इरम अयाज़ का विशेष योगदान रहा।

आगजनी के दोषी को मिली ढाई साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार : पुरानी खुन्नस में चाचा के घर को आग के हवाले करने के दोषी युवक को कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए ढाई साल की सजा सुनाई। साथ ही उस पर कोर्ट ने 10 हजार का जुर्माना भी लगाया। बता दें कि मौरावां थानाक्षेत्र के जुगराजपुर देवमई गांव निवासी रामगुलाम ने 5 जुलाई- 2019 को थाने में दी तहरीर में बताया था कि रात 8 बजे भतीजे सुरजीत उर्फ मन्ना पुत्र राम आसरे ने उसके घर में आग लगा दी। जिससे घर में रखा अनाज, कपड़े व घरेलू सामान जल गया। उसके शोर मचाने पर गांव के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया था लेकिन तब तक गृहस्थी जल चुकी थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आईओ कमल तिवारी ने जांच कर साक्ष्य एकत्र किए और 17 जुलाई-2019 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-3 कोर्ट में विचाराधीन था। शुक्रवार को अंतिम सुनवाई के बाद शासकीय अधिवक्ता विनय शंकर दीक्षित द्वारा पेश की गई दलीलों व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश रामराज द्वितीय ने सुरजीत उर्फ मन्ना को दोषी ठहराते हुए ढाई साल की सजा सुनाई। न्यायालय ने कहा कि दोषी से वसूली गई जुर्माना राशि में से 80 प्रतिशत धनराशि पीड़ित को बतौर क्षतिपूर्ति अदा किया जाएगा।

पालिका सीमा विस्तार को बजट की मांग

शुक्लागंज उन्नाव

नगर विकास मंत्री से मुलाकात करते पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि।

अमृत विचारः नगर पालिका गंगाघाट की अध्यक्ष कौमुदी पाण्डेय के प्रतिनिधि संदीप पांडे ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित आवास पर ऊर्जा विभाग एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा से मुलाकात कर नवविस्तारित क्षेत्रों के विकास हेतु अतिरिक्त बजट की मांग की। इसमें संदीप पांडे ने नए पालिका भवन के लिए 8.5 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिलने पर मंत्री का आभार जताया। साथ ही उन्होंने सीमा विस्तारित क्षेत्रों के विकास के लिए अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति देने की मांग को लेकर मंत्री को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि कानपुर महानगर के समीप होने से गंगाघाट क्षेत्र का तेजी से शहरीकरण हो रहा है। जिससे यहां की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है। नगर पालिका क्षेत्र का विस्तार करते हुए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को शामिल किया गया था लेकिन सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण नवविस्तारित क्षेत्रों में अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहे हैं। वर्तमान में इन क्षेत्रों में सड़क, नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट व अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। जिससे स्थानीय नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जनगणना 2011 के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए पत्र में बढ़ती आबादी व करीब 10.28 वर्ग किमी क्षेत्रफल का हवाला दिया है।

- **पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि ने लखनऊ में नगर विकास मंत्री से की मुलाकात**

1266 युवाओं को मिला नौकरी का अवसर

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

कार्यक्रम में मौजूद मंत्री, जिलाधिकारी व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचारः शुक्रवार को बंथर स्थित वीरेंद्र स्वरूप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में जिला सेवायोजन विभाग द्वारा रोजगार मेला व ऑफर लेटर वितरण समारोह आयोजित हुआ। इसमें अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने शिरकत की। उनके साथ सदर विधायक पंकज गुप्ता व डीएम गौरांग राठी भी उपस्थित रहे।

शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की। राज्य मंत्री ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सरकार युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे मेले उनके सपनों को हकीकत में बदलने का माध्यम बन रहे हैं। मेले में देश की 25 से अधिक प्रतिष्ठित निजी कंपनियों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया के बाद 1266 बच्चों को शॉर्टलिस्ट किया गया। कुछ कंपनियों ने प्रतिभाशाली बच्चों को 10, 25 व अधिकतम 40 लाख रुपये तक के वार्षिक पैकेज के ऑफर लेटर दिये। राज्य मंत्री, विधायक व डीएम ने मंच से 10 चयनित बच्चों को नियुक्ति पत्र देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

- **रोजगार मेला व ऑफर लेटर वितरण समारोह आयोजित**

पोस्टर के माध्यम से होली पर्व का बताया महत्व

छात्रों द्वारा बनाए गए होली पर्व पर पोस्टर मॉडल।

उन्नाव, अमृत विचार : कंपोजिट विद्यालय रनियामऊ में बच्चों से कहा गया कि होली पर्व के महत्व के संबंध में विचार व्यक्त करें और पोस्टर बनाएं। जिससे पर्व का सांस्कृतिक महत्व प्रदर्शित हो। इसमें बच्चों ने होली पर अपने विचार साझा कर रंगीन चित्र, कविता व छोटे-छोटे लेखों से पर्व का सांस्कृतिक, धार्मिक व वैज्ञानिक महत्व प्रस्तुत किया। शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि छात्रों द्वारा बनाए गए पोस्टर उनकी रचनात्मकता दर्शाता है। होली विशेषांक में सुरक्षा के टिप्स भी शामिल किए गए हैं ताकि छात्र सुरक्षित व संवेदनशील तरीके से होली मना सकें। कल्पना, कोमल, अंबिका ने बताया कि होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है।दुर्गेश, प्रिंस, कान्हा ने बताया कि उनके घर में गुझिया, मालपुए व ठंडाई बनती है। होली खेलने के लिए पर्यावरण अनुकूल रंगों का प्रयोग किया जाता है। कामिनी ने होली को बुराई पर अच्छाई की जीत बताया। प्रहलाद-होलिका प्रसंग बड़े रोचक तरीके से बताया।

आजाद की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा ऋषि नगर स्थित शहीद पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें कार्यकर्ताओं ने आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेता मयंक बाजपेयी ने कहा कि 27 फरवरी 1931 को अल्फ्रेड पार्क में आजाद ने अंग्रेजों से वीरता पूर्वक मुकाबला करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। लेकिन जीवित रहते कभी अंग्रेजों के हाथ नहीं आए। कहा कि आजाद का साहस व देश भक्ति युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। इसमें रामकिशोर पाल, बाबूलाल गुप्ता, संजय सिंह, निर्मल बाजपेयी, मो. हनीफ, पिंटू, राजाराम खन्ना, अकबाल अवस्थी, शिव किशोर पांडेय, संजय बाजपेयी व विचित्र वीर सिंह आदि मौजूद रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी को किया गया सम्मानित

उन्नाव, अमृत विचार : शनिवार को सेवानिवृत होने वाले खंड शिक्षाधिकारी अरुणोदय सचान व नवागत बीईओ संजय कुमार का सम्मान समारोह बीआरसी सिकंदरपुर कर्ण के सभागार में सभी शिक्षकों व कार्मिकों ने किया। इसमें सेवानिवृत होने वाले बीईओ के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके दीर्घायु व स्वस्थ रहने की कामना की गई। स्वागत करने वालों में सुरेश रावत, राजेश भारतीय, रामबाबू वर्मा, ब्रजेश सिंह, उमेश चंद्र रावत, दिनेश चन्द्र वर्मा, बुद्ध कुमार, रचना सिंह, जयप्रभा यादव, देवी शरण श्रीवास्तव, ब्रजेश सिंह, शिवप्रकाश, श्याम सिंह परिहार, राम सिंह, किरन अग्निहोत्री, किरन मिश्रा, सौरभ तिवारी, सोमेंद्र, कुलदीप, सूर्यभानसिंह, निशा नाथ, राजा राम, अखिलेश आदि रहे।

बार चुनाव | उत्कृष्ट कर्मियों को मिला सम्मान

डायरिया से डर नहीं अभियान में आई तेजी

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

सम्मानित स्वास्थ्य कर्मियों के साथ प्रभारी सीएमओ। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जिले में संचालित 'डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम प्रगति समीक्षा व कार्ययोजना को लेकर प्रभारी सीएमओ की अगुवाई में बैठक हुई। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ पीएसआई इंडिया व केनव्यू के प्रतिनिधियों ने डायरिया से बच्चों की होने मृत्यु दर को शून्य करने के लिए चर्चा की। अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

समीक्षा बैठक में प्रभारी सीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद ने कहा कि अभियान के तहत आशा, संगिनी व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से कराया जा रहा है। स्टॉप डायरिया कैम्पेन के दौरान प्रचार वाहन से जन जागरूकता संदेश प्रसारित किए गए व वाल पेंटिंग कराई गई। रैलियां निकाली गईं व स्कूलों में पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया गया। पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह ने पीपीटी के माध्यम से अभी तक की गतिविधियों का विवरण दिया। साथ ही एचएमआईएस रिपोर्ट की समीक्षा की। डीपीएम इंतजार अहमद सिद्दीकी ने रिपोर्टिंग में सुधार पर जोर दिया। वहीं डीसीपीएम डॉ. जेबी पांडेय ने बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया। शहरी स्वास्थ्य समन्वयक डॉ. रानू कटियार ने यूपीएचसी पर स्थापित ओआरएस एवं जिंक कॉर्नर की प्रगति पर चर्चा की। एसीएमओ डॉ. जयराम सिंह ने समय पर पहचान व उपचार को जरूरी बताया। बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आशा, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, डीपीएम, डीसीपीएम, बीपीएम, बीसीपीएम, एमओआईसी व अर्बन समन्वयकों को प्रशंसा प्रमाण पत्र वितरित किए।

शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को किया सम्मानित

उन्नाव, अमृत विचार : मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि करने व उन्हें 5 लाख तक की नि :शुल्क कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के निर्णय पर शुक्रवार को एक रिसॉर्ट में सम्मान समारोह आयोजित हुआ। सदर विधायक पंकज गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर से आए शिक्षामित्रों व अनुदेशकों ने खुशी का इजहार किया। इसमें सदर विधायक का शिक्षामित्रों व अनुदेशकों ने माला पहनाकर व पटका भेंटकर स्वागत किया। विधायक ने भी शिक्षा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने वाले साथियों को पटका पहनाकर व उपहार भेंटकर सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह निर्णय शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत साथियों के सम्मान, सुरक्षा व उनके उज्जवल भविष्य को सुदृढ़ करने वाला है। इस दौरान शिक्षामित्रों व अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए एक आभार ज्ञापन पत्र सदर विधायक को सौंपा।

धर्म नाम है न्याय का और न्याय नाम है पक्षपात को छोड़ना।

–स्वामी दयानंद सरस्वती, आर्य समाज के संस्थापक

बहुआयामी दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया इजराइल दौरा भारत की पश्चिम एशिया नीति के युगांतरकारी चरण का स्पष्ट संकेत है। प्रधानमंत्री ने न केवल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के 'जीरो टॉलरेंस' के रुख को दोहराया, बल्कि गाज़ा शांति प्रस्ताव का समर्थन कर परिपक्व कूटनीति का परिचय दिया। 'मानवता को संघर्ष का शिकार न बनने देने' का उनका आह्वान यह दर्शाता है कि भारत ऐसे मामलों में अब केवल मूक दर्शक नहीं हैं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के बारे में सक्रिय हितधारक की भूमिका निभा रहा है। इजराइली नेतृत्व के साथ हुई वार्ताओं के दौरान साफ हुआ कि भारत-इजराइल रक्षा संबंध अब केवल 'क्रेता-विक्रेता' तक सीमित नहीं हैं; मिसाइल, ड्रोन और साइबर सुरक्षा में सहयोग अब सह-उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण की दिशा में बढ़ रहा है। यह बदलाव 'मेक इन इंडिया' अभियान को सशक्त करेगा ही साथ ही सामरिक दृष्टि से भारत की आयात-निर्भरता को भी घटाएगा, हालांकि भारत इजराइल के इस बढ़ते रिश्ते के बीच अरब देशों और विशेषकर खाड़ी क्षेत्र के साथ संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। भारत ने बीते वर्षों में यह सिद्ध किया है कि वह इजराइल और अरब जगत, दोनों के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की क्षमता रखता है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा जिसे 'आईमैक प्लस' के रूप में देखा जा रहा है, हमारे लिए यूरोप तक पहुंचने का एक क्रांतिकारी मार्ग है। यह गलियारा मात्र माल ढुलाई का रास्ता नहीं, बल्कि भविष्य की 'डिजिटल और ग्रीन हाईवे' है। प्रस्तावित फाइबर-ऑप्टिक केबल भारत को यूरोप से सीधे जोड़ेंगी, जिससे डेटा ट्रांसफर सस्ता होगा और फिनटेक एवं एआई जैसे उद्योगों को भारी लाभ होगा। साथ ही, ग्रीन हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा की साझेदारी भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को पुख्ता करेगी। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए अनिवार्य 'रेयर अर्थ मेटल्स' की आपूर्ति के लिए चीन पर निर्भरता कम करना भारत की बड़ी रणनीतिक जीत होगी। यदि मिस्र और अफ्रीकी नेटवर्क इस गलियारे से जुड़ते हैं, तो भारत की पहुंच स्वेज नहर से परे एक विशाल आर्थिक पट्टी तक हो जाएगी। यह आर्थिक, रणनीतिक मार्ग सस्ता और तेज तो है, पर जटिल भी है। संभव है भविष्य में कस्टम प्रक्रियाओं और रेल-नेटवर्क का पूर्ण डिजिटलीकरण, खाड़ी से भूमध्यसागर तक निर्बाध रेल संपर्क तथा कॉरिडोर की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकने वाली इस क्षेत्र की राजनीतिक अस्थिरता तथा तनाव पर नियंत्रण करने के लिये एक मजबूत सुरक्षा-ढांचा बन सके और यह रास्ता निरापद, आसान तथा सहज, लाभकारी हो सके।

इजराइल के साथ संभावित मुक्त व्यापार समझौता उच्च-तकनीक और कृषि में निवेश के नए द्वार खोलेगा, रोजगार के तमाम नये अवसर सृजित करेगा, बशर्ते घरेलू उद्योगों के हितों का ध्यान रखा जाए। कुल मिलाकर यह दौरा केवल द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं, बल्कि भारत की 'कनेक्टिविटी-डिप्लोमेसी' का नया चेहरा है। इससे तेज व्यापार और तकनीकी बढ़त की पूरी संभावना तो है, लेकिन क्षेत्रीय अस्थिरता और अधूरी अवसंरचना जैसे जोखिम भी उतने ही वास्तविक हैं।

प्रसंगवश

घर के अदृश्य संविधान में स्त्री का संशोधन

सुबह की रसोई में उबलती चाय की भाप के साथ एक और चीज़ उठ रही है- खामोश विद्रोह। यह विद्रोह दरवाज़े पटककर नहीं, बल्कि दरवाज़े धीरे से बंद करके होता है। महिलाएं अब घर छोड़ नहीं रहीं, नौकरी छोड़ नहीं रहीं, पर 'सब कुछ संभालने' की अदृश्य जिम्मेदारी से पीछे हट रही हैं। इसे ही घर से 'क्वाइट क्विटिंग' कहा जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, आत्मरक्षा है; असंवेदनशीलता नहीं, संतुलन की मांग है। दशकों से घर की दीवारों में कैद वह मानसिक बोझ, जिसे कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया गया था, अब प्रश्नों के कटघरे में है। यह नई लहर बिना नारों के, बिना मंचों के, सीधे रसोई और बैठक के बीच जन्म ले रही है।

'क्वाइट क्विटिंग' शब्द कार्यस्थल से आया, पर घर के भीतर इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। दफ्तर में कर्मचारी अतिरिक्त काम छोड़ता है, यहां महिला अतिरिक्त भावनात्मक और संज्ञानात्मक श्रम छोड़ रही है। मेंटल लोड वह अदृश्य सूची है, जो उसके दिमाग में हर समय चलती रहती है। बच्चों की परियोजना, सास की दवा, पति की मीटिंग, त्योहार की तैयारी, रिश्तों की मरम्मत। समय उपयोग सर्वेक्षण 2024 के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएं प्रतिदिन पुरुषों से कई घंटे अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। महिलाएं रोजाना 289 मिनट अनपेड घरेलू कामों पर और 137 मिनट देखभाल पर खर्च करती हैं, जबकि पुरुष केवल 88 और 75 मिनट। यह सिर्फ समय नहीं, ऊर्जा और पहचान की कीमत भी है। यही असमानता अब प्रतिरोध को जन्म दे रही है।

कृति जैन

लेखिका

महामारी ने इस असंतुलन को निर्वस्त्र कर दिया। घर ही दफ्तर बना, दफ्तर ही घर, और महिला दोनों की प्रबंधक। लैपटॉप की स्क्रीन के पीछे वह मीटिंग में थी और कैमरे के बाहर रसोई में। इसी दौर में सोशल मीडिया ने वैश्विक संवाद खोला। हजारों भारतीय महिलाएं लिखने लगीं कि वे 'परफेक्ट' होने की दौड़ से बाहर निकलना चाहती हैं। नई पीढ़ी की मिलेनियल और जेन-ज़ी महिलाएं अपनी माताओं की थकान को विरासत नहीं बनाना चाहतीं। वे समझ चुकी हैं कि त्याग का अनंत महिमामंडन असल में असमानता को स्थायी बनाता है, इसलिए यह बदलाव भावनात्मक जागरण से उपजा है।

व्यवहार में यह विद्रोह बेहद सूक्ष्म है। महिला चाय बनाएगी, पर सबके दिमाग का अलार्म नहीं बनेगी। वह याद दिलाना बंद कर देगी, आयोजन का बोझ साझा कर देगी, हर निर्णय की धुरी बनने से इंकार कर देगी। शुरुआत में परिवार चौंकता है, कभी नाराज़ भी होता है। 'तुम बदल गई हो' जैसे वाक्य तीर की तरह आते हैं, पर धीरे-धीरे घर के अन्य सदस्य भी जिम्मेदारी का स्वाद चखते हैं। बच्चे खुद अपना बैग तैयार करने लगते हैं, पति दवाइयों की सूची संभालने लगता है। यह बदलाव टकराव से नहीं, अभ्यास से आता है और यहीं इसकी शक्ति छिपी है।

इस खामोश क्रांति के सामाजिक प्रभाव दूरगामी हैं। परिवार की शक्ति-संरचना बदल रही है। पुरुष पहली बार समझ रहे हैं कि घर चलाना केवल शारीरिक श्रम नहीं, निरंतर मानसिक योजना भी है। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है, क्योंकि मां हर समस्या का तत्काल समाधान नहीं दे रही। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है; चिंता और थकान में कमी दिख रही है। जब वे हर समय 'ऑन' नहीं रहतीं, तब उनकी रचनात्मकता और पेशेवर दक्षता भी बढ़ती है। यह विद्रोह रिश्तों को तोड़ने नहीं, उन्हें अधिक न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में है। फिर भी यह राह बिल्कुल सरल नहीं। समाज अब भी आदर्श पत्नी और त्यागमयी मां के पुराने सांचे से बाहर सोचने को सहज नहीं है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

ज्यादा वेतन वाले कर्मियों में एआई का ज्यादा खौफ

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज विस्तार ने रोजगार की दुनिया में एक नई बहस को जन्म दिया है। हाल में यह तथ्य उभरकर आया कि कम आय वाले कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन पाने वाले लोग अपनी नौकरी को लेकर ज्यादा चिंतित और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पहली नजर में यह निष्कर्ष चौंकाता है, क्योंकि आम धारणा यह रही है कि तकनीकी बदलाव का सबसे अधिक असर निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, परंतु वर्तमान दौर में एआई जिस तरह कामकाज की प्रकृति को बदल रही है, उससे यह समझ में आता है कि उच्च आय वर्ग की चिंता के पीछे ठोस कारण मौजूद हैं।

सबसे पहला कारण यह है कि एआई अब केवल साधारण और दोहराए जाने वाले कामों तक सीमित नहीं है। पहले मशीनों और सॉफ्टवेयर से मुख्य रूप से उत्पादन, डेटा एंट्री या ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में बदलाव की आशंका जताई जाती थी, लेकिन अब एआई वित्तीय विश्लेषण, कानूनी दस्तावेज तैयार करने, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, मेडिकल रिपोर्ट की व्याख्या, डिजाइनिंग और यहां तक कि संपादकीय सामग्री का प्रारूप तैयार करने जैसे काम भी करने लगा है। ये वे क्षेत्र हैं, जहां आम तौर पर अधिक वेतन पाने वाले पेशेवर कार्यरत होते हैं। जब तकनीक जटिल कार्यों को तेजी और सटीकता से करने लगे, तो इन पदों पर काम कर रहे लोगों में असुरक्षा की भावना स्वाभाविक रूप से बढ़ती है।

दूसरा बड़ा कारण कंपनियों पर बढ़ता लागत दबाव है। किसी भी संस्था में उच्च वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर कुल खर्च अधिक होता है। यदि एआई आधारित प्रणालियां कम लागत में समान या बेहतर परिणाम दे सकती हैं, तो प्रबंधन के सामने खर्च घटाने का विकल्प खुल जाता है। ऐसे में वरिष्ठ और महंगे पदों की संख्या घटाने या उनकी जिम्मेदारियां सीमित करने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। यह संभावना ही उच्च आय वर्ग के कर्मचारियों को असहज कर देती है।

> एआई नौकरीपेशा लोगों के लिए खौफ का सबब बनता जा रहा है। कम आय वाले कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन वाले लोग अपनी नौकरी को लेकर ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

तीसरा कारण बदलती कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया से जुड़ा है। आज कंपनियां डेटा आधारित निर्णयों पर अधिक भरोसा कर रही हैं। एआई बाजार की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर सकती है, जोखिम का अनुमान लगा सकती है और रणनीतिक सुझाव दे सकती है। पहले वरिष्ठ अधिकारियों का अनुभव और अंतर्ज्ञान महत्वपूर्ण माना जाता था, लेकिन अब अल्गोरिदम आधारित विश्लेषण को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे कई पेशेवरों को लगता है कि उनकी पारंपरिक विशेषज्ञता का महत्व कम हो रहा है, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है।

चौथा पहलू कौशल उन्नयन की चुनौती है। तकनीकी बदलाव की रफ्तार बहुत तेज है। उच्च आय वाले अधिकांश काम ज्ञान और डिजिटल दक्षता पर आधारित हैं। ऐसे में कर्मचारियों को लगातार नए उपकरण, नई प्रणालियां और नए सॉफ्टवेयर सीखने पड़ रहे हैं। जो लोग इस गति से तालमेल नहीं बैठा पाते, उन्हें पीछे छूटने का डर सताता है। इसके विपरीत, निम्न आय वर्ग के कई काम अभी भी मानवीय श्रम और भौतिक उपस्थिति पर आधारित हैं, जिनमें एआई का पूर्ण विकल्प बनना फिलहाल आसान नहीं है। इस कारण उच्च आय वर्ग को तात्कालिक खतरा अधिक महसूस होता है।

पांचवां कारण सामाजिक और आर्थिक जिम्मेदारियों से जुड़ा है। अधिक वेतन वाले कर्मचारियों की जीवनशैली अपेक्षाकृत महंगी होती है। घर का ऋण, बच्चों की शिक्षा, बीमा, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसे पहलू उनके आर्थिक ढांचे का हिस्सा होते हैं। यदि नौकरी पर संकट की आशंका उत्पन्न होती है, तो उसका प्रभाव व्यापक होता है। आय में थोड़ी सी कमी भी उनकी दीर्घकालिक योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए उनका डर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक भी होता है।

छठा कारण करियर की स्थिरता में आई अनिश्चितता है। पहले यह माना जाता था कि अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर करियर क्रमशः आगे बढ़ता रहेगा। अब एआई और डिजिटल तकनीक के कारण कौशल की मांग तेजी से बदल रही है। कई बार युवा और तकनीकी रूप से अधिक दक्ष कर्मचारी कम समय में बेहतर अवसर पा लेते हैं। इससे अनुभवी पेशेवरों को प्रतिस्पर्धा बढ़ती हुई दिखती है। उन्हें लगता है कि वर्षों का अनुभव अचानक कम मूल्यवान हो सकता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि एआई का प्रभाव केवल नौकरी खत्म करने तक सीमित नहीं है, बल्कि काम के स्वरूप को बदलने तक है। कई कंपनियां कर्मचारियों की संख्या घटाने के बजाय भूमिकाओं को पुनर्गठित कर रही हैं। ऐसे में कुछ पद समाप्त होते हैं, तो नए प्रकार के पद भी बनते हैं, लेकिन इस परिवर्तन के दौर में अस्थिरता स्वाभाविक है। अधिक आय वर्ग के लोग, जो पहले अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते थे, अब खुद को जोखिम में देख रहे हैं।

यह स्थिति पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर तकनीकी क्रांति ने नई संभावनाएं भी पैदा की हैं। औद्योगिक क्रांति से लेकर सूचना क्रांति तक, बदलाव के साथ नए रोजगार भी सामने आए। एआई भी डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल रणनीति और मानव मशीन सहयोग जैसे नए क्षेत्रों में अवसर पैदा कर रही है। जो पेशेवर अपनी रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और मानवीय संवेदनशीलता को तकनीक के साथ जोड़ते हैं, वे अधिक प्रभावी बन सकते हैं।

सरकारों और कंपनियों की जिम्मेदारी भी यहां महत्वपूर्ण है। यदि पुनः कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया जाए, तो इस बदलाव का असर संतुलित किया जा सकता है। कर्मचारियों को यह भरोसा देना जरूरी है कि तकनीक उनका स्थान लेने नहीं, बल्कि उनके कार्य को बेहतर बनाने के लिए है। पारदर्शी नीति और संवाद से भी भय कम किया जा सकता है।

आमने सामने

किंग महेंद्र से जेडीयू सालों तक पैसा लेता रही। A2BS इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसका टर्न ओवर 27 करोड़ है, उस कंपनी ने जेडीयू को 24 करोड़ रुपये दिए। जिस कंपनी का ऐसेट 10 हजार नहीं है, उससे करोड़ों रुपये जेडीयू ने चंदा लिया। सरकार हिरन का चोला पहनकर भेड़िया के रूप में है।

–सुनील सिंह
आरजेडी एमएलसी, बिहार

आरजेडी ने शराब कंपनियों से पैसा लिया। पश्चिम बंगाल की कंपनी से चंदा लिया। इलेक्टोरल बॉन्ड लेना गुनाह नहीं है, लेकिन आरजेडी ने बिहार में शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब कंपनियों से पैसा लिया। ये लोग कायर हैं।

–नीरज कुमार
जेडीयू के प्रवक्ता, बिहार

रेवड़ी कल्चर: शीर्ष अदालत की टिप्पणी व चिंता

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

मुफ्त की रेवड़ी पर बीती 19 फरवरी को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को कड़ी फटकार लगाई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए गंभीर सवाल उठाए। न्यायालय ने पूछा कि हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? क्या राज्यों का काम सिर्फ वेतन देना और मुफ्त उपहार बांटना रह गया है? पीठ ने कहा कि ऐसी नीतियों से लोगों में काम करने की इच्छा खत्म हो रही है और देश का 'वर्क कल्चर' खराब हो रहा है।

रेवड़ी संस्कृति देश की राजनीति के केंद्र में आ चुकी है। फ्रीबीज की शुरुआत सन् 1956 से हुई मानी जा सकती है, जब मध्याह्न भोजन योजना पहली बार वर्ष 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के कामराज द्वारा शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की दो रुपये किलो चावल योजना ने आज के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की नींव रखी थी। तेलंगाना की रायथु बंधु और ओडिशा की कालिया योजनाओं ने किसानों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अग्रदूत के रूप में कार्य किया है।

दक्षिण भारत से शुरू हुई इस प्रथा को अरविंद केजरीवाल ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। इसका बाद में दूसरे दलों ने अनुसरण किया। एक ओर अर्थशास्त्री और नीति विशेषज्ञ इस प्रथा की आलोचना करते हैं, तो दूसरी ओर कई नेता मतदाताओं के लिए मुफ्त चीजों की वकालत करते हैं। चुनाव में मुफ्त सुविधाओं के वादे और चुनाव अक्सर इस मायने में जुड़े होते हैं कि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्रों में इसका वादा करते हैं और सत्ताधारी दल अक्सर चुनाव से ठीक पहले उन्हें बांट देते हैं।

> न्यायालय ने राज्यों से पूछा है कि हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? क्या राज्यों का काम सिर्फ वेतन देना और मुफ्त उपहार बांटना रह गया है?

दीर्घकालिक दृष्टिकोण से यह जीवन की अच्छी गुणवत्ता से समझौता है, क्योंकि मुफ्त उपहारों की संस्कृति स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, अनुसंधान एवं विकास आदि जैसी अन्य जरूरी आवश्यकताओं पर कम पूंजीगत व्यय को दर्शाती है। साथ ही, यह बजटीय संकट को भी जन्म देती है। 2019 में, दिल्ली स्थित एक गैर-सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स द्वारा भारत के 543 संसदीय क्षेत्रों में एक सर्वेक्षण किया गया था। उस सर्वेक्षण के अनुसार, 42 फीसद से अधिक मतदाता किसी विशेष उम्मीदवार को वोट देने के पीछे उम्मीदवार की कल्याणकारी योजनाओं के बजाय नकदी, शराब और मुफ्त उपहारों के वितरण को एक महत्वपूर्ण कारण मानते हैं।

ताजा मामले में न्यायालय ने चिंता जताई कि अधिकांश राज्य पहले से ही 'रेवेन्यू डेफिसिट' में हैं, फिर भी वे मुफ्त बिजली, राशन और नकदी बांट रहे हैं। कोर्ट ने तल्ख लहजे में कहा कि इस कारण बुनियादी ढांचे यानी सड़क, स्कूल, अस्पताल के विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचता। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि जरूरतमंदों और गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना भेदभाव के सबको मुफ्त सुविधाएं देना तुष्टिकरण की राजनीति है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि आखिर 'रेवड़ियां' बांटने का बोझ टैक्स देने वाले लोगों पर ही पड़ेगा। यदि 'रेवड़ियां' मिलती रहेंगी, तो काम कौन करेगा? आखिर हम यह कैसी संस्कृति बना रहे हैं? सरकारों को 'मुफ्तखोरी' के बजाय रोजगार-सृजन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। यदि कोई शिक्षा और बुनियादी जिंदगी का खर्च वहन नहीं कर सकता, तो ऐसे लोगों को सुविधा देना सरकार का दायित्व है, लेकिन 'मुफ्त रेवड़ियां' उनकी जेब में जा रही हैं, जो लोग मजे कर रहे हैं। क्या सरकारों को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए?

बहरहाल सर्वोच्च अदालत ने मौखिक टिप्पणी कर दी और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता कह रहे हैं कि वे शीर्ष अदालत की बात मानने को बाध्य नहीं हैं। ये 'रेवड़ियां' नहीं हैं, बल्कि कल्याणकारी योजनाएं हैं। हम कल्याणकारी लोकतंत्र हैं और जनता की मदद करना हमारा फर्ज है। सर्वोच्च अदालत के चिंता व्यक्त करने से क्या होगा? सर्वोच्च अदालत को संविधान ने विशेषाधिकार भी दिए हैं और उनका इस्तेमाल कर अदालत ने फैसले भी सुनाए हैं, तो मुफ्तखोरी पर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते? अदालत सरकारों को स्पष्ट निर्देश दे कि चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणा कब करें? 'रेवड़ियों' को भी परिभाषित करें। 11 अगस्त 2022 को 'रेवड़ी कल्चर' पर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह मुद्दा समाज और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि फ्रीबीज की वजह से इकोनॉमी पैसे गंवा रही है। हम इस बात से सहमत हैं कि फ्रीबीज और वेलफेयर के बीच अंतर है।

जमीनी हकीकत यह है कि देश के राज्यों पर कुल 104 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। देश पर भी 200.50 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कुछ विशेषज्ञ इसे 225 लाख करोड़ के करीब मानते हैं। इसके बावजूद रेवड़ियां बांटी जा रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

पाउलो की खामोश क्रांति

पाउलो फ्रेरे को गिरफ्तार किया गया, निर्वासित किया गया और उन्हें राष्ट्रीय खतरा घोषित किया गया, क्योंकि उन्होंने गरीब वयस्कों को इस तरह पढ़ना सिखाया कि उन्हें चुपचाप शासित करना असंभव हो गया। पाउलो फ्रेरे शुरू में क्रांतिकारी नहीं थे। वे एक शिक्षक के रूप में शुरू हुए, जिन्होंने भूख को अपनी आंखों के सामने सीखने की क्षमता को मिटाते देखा। 1950 के दशक के ब्राज़ील में उन्होंने देखा कि वयस्कों को अशिक्षित होने के लिए दोषी ठहराया जाता है, जबकि वे ऐसे तंत्र में जी रहे थे, जो उन्हें चुप रखने के लिए डिज़ाइन किया गया था। फ्रेरे ने कुछ खतरनाक बात नोटिस की। लोग स्कूल में असफल नहीं हो रहे थे। स्कूल उन्हें जानबूझकर असफल कर रहा था।

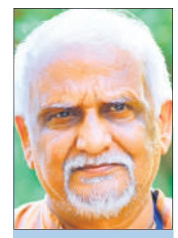

अफलातून अफलू

लेखक

इसलिए उन्होंने नियम बदल दिए। अलग-अलग अक्षरों को रटवाने के बजाय, फ्रेरे ने दैनिक अनुभव के माध्यम से पढ़ना सिखाया। शब्द उनके रोज़मर्रा के जीवन से आए। ज़मीन, काम, किराया, भूख, सत्ता। जैसे-जैसे वयस्क पढ़ना सीखते गए, वे उन ताकतों को नाम देना भी सीख गए, जो उनकी ज़िंदगी को आकार दे रही थी। साक्षरता जागरूकता बन गई। जागरूकता एजेंसी (स्वायत्तता) बन गई।

1963 में, फ्रेरे ने विधि से मात्र 45 दिनों में 300 गन्ना मजदूरों को पढ़ना सिखाया गया। ब्राज़ील सरकार ने इस कार्यक्रम का शुरू में समर्थन किया, यह मानते हुए कि साक्षरता देश को आधुनिक बनाएगी। उन्होंने गलत आकलन किया। नव-साक्षर नागरिक ऐसे सवाल पूछने लगे, जो मतपत्रों को खतरनाक बना देते हैं। ज़मीन किसकी है? चुप्पी से किसका फ़ायदा होता है? ज्ञान क्या मायने रखता है, यह किसका फैसला है?

1964 के तख्तापलट के बाद फ्रेरे को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें विध्वंसक घोषित कर जेल में डाल दिया गया। लोगों को आलोचनात्मक रूप से पढ़ना सिखाना अब वैचारिक युद्ध के रूप में पेश किया जाने लगा। उन्हें रिहा किया गया, लेकिन निर्वासन के लिए मजबूर कर दिया गया। वे ब्राज़ील छोड़कर केवल कुछ नोट्स और एक ऐसे विचार के साथ गए जो तानाशाही को डराने के लिए काफी था।

चिली में, फिर अफ्रीका और यूरोप में, फ्रेरे ने जो बाद में Pedagogy of the Oppressed बना, उसे परिष्कृत किया। उन्होंने शिक्षा को जमा करने और आज्ञाकारिता के रूप में खारिज कर दिया। शिक्षा मुक्ति के रूप में या फिर कुछ भी नहीं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सोशल मीडिया और खबरों की सत्यता का बढ़ता संकट

कलम और कागज से शुरू हुई यात्रा आज कीबोर्ड, कैमरा और कोड तक पहुंच चुकी है। माध्यम बदलते रहेंगे, प्लेटफॉर्म बदलते रहेंगे, लेकिन यदि पत्रकारिता अपनी आत्मा सत्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी को सुरक्षित रखेगी, तो वह लोकतंत्र की सबसे मजबूत आवाज़ बनी रहेगी। आने वाला समय उसी पत्रकारिता का होगा, जो तेज भी हो, सटीक भी, आधुनिक भी हो और विश्वसनीय भी।

केंद्र सरकार ने हाल ही में फेक न्यूज पर लगाम कसने के लिए नए नियम जारी किए हैं। डीपफेक और भ्रामक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंटेंट के लिए केंद्र ने सख्त नियम बनाए हैं। आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम 2021 में संशोधन करते हुए सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अब आपत्तिजनक सामग्री तीन घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। यह संशोधित नियम 20 फरवरी, 2026 से लागू हो चुके हैं। अब अगर कोई फोटो, वीडियो या ऑडियो एआई की मदद से बनाया गया है, तो उस पर लेबल लगाना जरूरी कर दिया गया है। केंद्र के इस नियम से अब सोशल मीडिया पर फेक न्यूज पर लगाम लग सकेगी। नए नियम बता रहे हैं कि करीब ढाई सौ साल में कई बदलाव के बाद फेक न्यूज ने पत्रकारिता के समक्ष चुनौती खड़ी कर दी है।

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

असल में दशकों से पत्रकारिता विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। यह विश्वास आज के समय में डगमगाने लगा है। जब पत्रकारिता का शुरूआत हुई, तो विश्वसनीयता ही उसका सबसे बड़ा उद्देश्य था। पत्रकारिता केवल खबर लिखने या पढ़ने का माध्यम नहीं है, यह समाज की धड़कनों को शब्द देने की कला है। यह वह आईना है, जिसमें सत्ता, व्यवस्था और समाज तीनों का चेहरा दिखाई देता है। समय के साथ पत्रकारिता ने कई दौर देखे हैं। पहले पत्रकारिता मिशन हुआ करती थी। फिर प्रोफेशन में तब्दील हो गई। कलम और कागज से शुरू हुआ यह सफर आज डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक पहुंच चुका है। इन बदलावों ने जहां पत्रकारिता को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया है, वहीं नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं।

इस यात्रा में साधन बदले, माध्यम बदले, लेकिन मूल उद्देश्य कभी नहीं बदला। आज भी सत्य की खोज और जनहित ही पत्रकारिता का उद्देश है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका मूल कार्य सत्ता और समाज के बीच सेतु बनना, जनमत को दिशा देना और सच को सामने लाना है। इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह सत्ता से सवाल करती है, जनता की आवाज़ को मंच देती है और व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है।

भारत में पत्रकारिता की शुरुआत 1780 से मानी जाती है। इस साल शुरू हुआ बंगाल गजट एक अंग्रेजी का साप्ताहिक अखबार था। साथ ही ब्रिटिश शासन के दौर में निकला और उसने सत्ता की आलोचना करने का साहस दिखाया। उस समय समाचार संकलन की प्रक्रिया बेहद कठिन थी। संवाददाता घटनास्थल तक स्वयं पहुंचते, लोगों से बातचीत करते और चिट्ठियों या तार के माध्यम से सूचनाएं संपादकीय कार्यालय तक भेजते थे। छपाई तकनीक सीमित थी, वितरण व्यवस्था धीमी थी, फिर भी खबरों की विश्वसनीयता और तथ्यपरकता सर्वोच्च मानी जाती थी। एक खबर को प्रकाशित करने से पहले उसके कई स्तरों पर सत्यापन की परंपरा थी। आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता को बनाए रखने की है। सोशल मीडिया के अल्गोरिद्म अक्सर वही सामग्री आगे बढ़ाते हैं, जो भावनात्मक या विवादास्पद हो।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

दो दशक पहले तक उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश की जनता के लिए आंखों के इलाज का पहला नाम था- 'सीतापुर आई हॉस्पिटल'। आज भले ही यह चिकित्सालय सुर्खियों से दूर हो गया हो, पर गुमनामी में भी अपनी मूल प्रतिबद्धता सेवा और उपचार को पूरी निष्ठा से निभा रहा है। 32 शाखाओं वाले इस एशिया के प्रसिद्ध संस्थान का पांच अस्पतालों तक सिमट जाना एक युग का परिवर्तन जरूर है, लेकिन इन दुर्दिनों ने ही यूपी में कॉरपोरेट सेक्टर के नेत्र चिकित्सालयों की नींव भी तैयार की। वर्तमान ट्रस्ट प्रबंधन का दावा है कि आने वाले वर्षों में यह अस्पताल फिर अपनी वही विश्वस्तरीय पहचान हासिल करेगा।

– पद्माकर पाण्डेय

फोटो ग्राफर शुभांकर चक्रवर्ती

मरीजों को रोशनी दे रहा 'सीतापुर आई हास्पिटल'

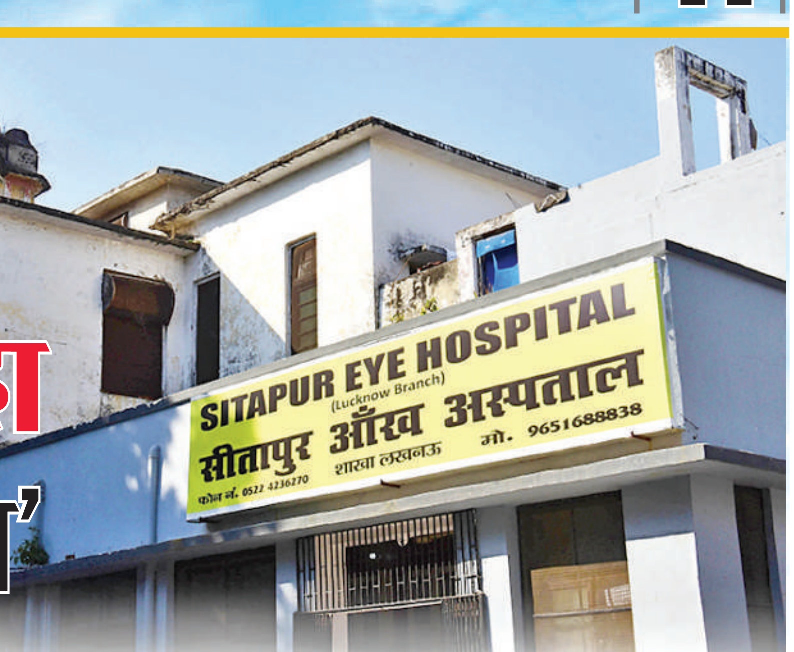

अत्याधुनिक इलाज बहुत सस्ते में

कॉर्पोरेट सेक्टर के नेत्र चिकित्सालयों में महंगे इलाज के सापेक्ष सीतापुर आई हॉस्पिटल में अत्यंत कम शुल्क में अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है। इस संबंध में केजीएमयू की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं सीतापुर आई हॉस्पिटल के **शिक्षण कार्य प्रभारी डॉ .विनीता सिंह** का कहना है कि अस्पताल सभी अत्याधुनिक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हैं, जो कार्पोरेट सेंक्टर के अस्पतालों में महंगे दामों में उपलब्ध हैं। यहां पर मात्र 200 रुपये के शुल्क पर मरीज के आंखों की जांच के साथ परामर्श मिलता है। अतिरिक्त इलाज कॉर्पोरेट सेक्टर के शुल्क से करीब 50 फीसदी कम होता है, इसके अलावा दवाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। डॉक्टर बताती हैं कि जब उम्र या बीमारी से आंखों की रोशनी बहुत कम रह जाती है। ऐसे लोगों के लिए यह अस्पताल वरदान है। यहां पर लो विजन विभाग में अत्याधुनिक उपकरण, सॉफ्टवेयर, स्मार्टफोन आधारित तकनीक से मरीजों को फिर से चलने–फिरने और दैनिक कार्य करने योग्य बनाया जाता है।

अस्पताल का स्वर्णिम काल और दुर्दिन

2009 में बतौर चीफ मेडिकल ऑफिसर नियुक्त होने वाली **कर्नल डॉ . मधु भदौरिया** का कहना है कि जब उन्हें की जिम्मेदारी दी गई थी, प्रशासनिक अधिकारी उनके पति आर एस भदौरिया को नियुक्त किया गया था। उस दौरान अस्पताल समेत पूरा ट्रस्ट तमाम झंझावतों से जूझ रहा था, अस्पतालों में व्यवस्थाएं चरमरा चुकी थीं। नए संसाधन जुटे नहीं, पुराने संसाधन निष्क्रिय होने लगे, आर्थिक बोझ बढ़ता गया। यही वजह है कि सीतापुर में तमिलनाडु के मदुरै के अरविंद आई केयर सिस्टम के साथ मिलकर नेत्र चिकित्सा क्षेत्र में काम करने का एमओयू भी किया गया था।

कर्नल डॉ . मधु भदौरिया

इतिहास : राजधानी से करीब 80 किमी दूर सीतापुर में वर्ष 1926 में फूस की झोपड़ी से शुरू हुई यह सेवा–यात्रा संस्थापक पद्मश्री एवं पद्मभूषण डॉ . महेश प्रसाद मेहरे की दूरदर्शिता का परिणाम है। आर्थिक लाभ की चाह से दूर, उन्होंने 1945 में महारानी एलिजाबेथ से प्राप्त दान से 11 .22 एकड़ भूमि पर अस्पताल की औपचारिक नींव रखी। इसके बाद उन्होंने दूरदराज के गरीब मरीजों तक इलाज पहुंचाने के लिए प्रदेश में 32 शाखा अस्पताल खोले।

कई पीएम व राष्ट्रपति कर चुके संस्थान का भ्रमण

500 बेड वाले मुख्य अस्पताल में रोजाना सैकड़ों नेत्र सर्जरी होती थीं। मोतियाबिंद, कार्निया प्रत्यारोपण, ग्लूकोमा, रेटिना सर्जरी, सबका उपचार यहां सहज और सुलभ था। इसी कारण एशिया में इसका बड़ा नाम हुआ। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और पूर्व राष्ट्रपति डॉ . सर्वपल्ली राधाकृष्णन तक इस संस्थान का भ्रमण कर चुके हैं।

नेत्र शिक्षा का मजबूत ढांचा

- एमएस ऑप्थल्मोलॉजी– 15 सीटें (हर साल नीट के जरिए)
- कुल 45 पीजी रेजीडेंट प्रशिक्षण ले रहे
- बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री (बीआप्ट) – 40 सीटें
- डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक असिस्टेंट – 30 सीटें
- डीओए, एमसीओपी तथा लो विजन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ओटी असिस्टेंस व मिड–लेवल ऑप्थल्मिक तकनीशियन तैयार किए जाते हैं

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम

लखनऊ के चौपड़ परिसर स्थित अस्पताल में 5 विशेषज्ञ डॉक्टर और 30 पैरामेडिकल स्टाफ सेवाएं दे रहे हैं। सुबह 9 बजे से पंजीकरण के साथ शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक ओपीडी सेवाएं चलती है। रोजाना 100 से 150 मरीज दिखाने आते हैं।

अस्पताल के विशेषज्ञों में

- डॉ . विनीता सिंह – बाल नेत्र रोग
- डॉ . ज्योति भट्ट – ग्लूकोमा/ कैट्रेक्ट
- डॉ . अश्वनी सिंह – कार्निया और रेफ्रेक्टिव
- डॉ . शरीन मिश्रा पाण्डेय – रेटिना
- डॉ . गुरसिमरन कौर– एंटिरियर सेगमेंट

नेत्र शिक्षा का बड़ा केंद्र

1964 में स्थापित इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी ने इस संस्थान को नेत्र विशेषज्ञों की पाठशाला बना दिया। इसका शिलान्यास तत्कालीन राष्ट्रपति राधाकृष्णन और उद्घाटन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। वर्ष 1981 में भारत सरकार ने इसे रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी का दर्जा दिया। साल 1974 में संस्थापक की मृत्युपरांत उनके पुत्र और ट्रस्ट सचिव डॉ . मिथलेश कुमार (एमके) मेहरे ने 2011 तक कमान संभाली। इस दौरान इस अस्पताल और ट्रस्ट को हथियाने के षड्यंत्र भी रचे गए। वर्ष 1994 में राजनैतिक हस्तक्षेप से संस्थान में वरिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल भी हुई, ट्रस्ट के समक्ष मुश्किलें इस कदर खड़ी कर दी गई थी कि संस्थान की सुरक्षा के लिए तत्कालीन ट्रस्ट प्रशासन को बाहुबलियों का सहयोग लेना पड़ा, जिसमें आर्थिक व्यय अत्यधिक था। हालांकि आर्थिक चुनौतियां आदि इस संस्थान के पतन के कारण बने। वर्ष 2002 में कार्यकारी प्रशासनिक अधिकारी डॉ . ए . के . पॉल के निधन और बाद में व्यवस्थागत कमजोरियों के बीच अस्पताल लगातार लड़खड़ाता गया। हालांकि वर्ष 2009–10 में ट्रस्ट ने जिम्मेदारी कर्नल डॉ . मधु भदौरिया और प्रशासनिक प्रबंधन आर . एस . भदौरिया को सौंपी, जिसके बाद पुनरोद्धार की प्रक्रिया शुरू हुई।

गंभीर बीमारियों का अत्याधुनिक इलाज

संस्थापक डॉ . मेहरे द्वारा 1949 में बनाए गए ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित सीतापुर नेत्र चिकित्सालय में वर्तमान नामित ट्रस्टी (कर्नल) डॉ . मधु भदौरिया का कहना है कि वर्तमान में सीतापुर अस्पताल समेत प्रदेश में पांच अस्पताल संचालित हो रहे हैं, प्रयागराज स्थित अस्पताल वर्तमान में राज्य सरकार से लौटकर पुन : ट्रस्ट के पास वापस आ चुका है, जिसे मरीजों के लिए उपयोगी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2008–09 में जो अस्पताल बंद हो गया था, उस अस्पताल में एक साल में 50 हजार से ज्यादा सर्जरी हो रही हैं, जो कि साल दर साल आकंड़ा बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजधानी लखनऊ समेत अन्य शाखा अस्पतालो में डे केयर की सुविधा के साथ नेत्र संबंधी समस्त चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। राजधानी में हजरतगंज स्थित चौपड़ हास्पिटल परिसर में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीमारियों में बताया कि मोतियाबिंद के ऑपरेशन के साथ ही, रेटिना ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक ऑप्थलमोलॉजी, आई बैंक, कार्निया प्रत्यारोपण और ग्लूकोमा तक का अत्याधुनिक इलाज उपलब्ध है।

पोस्ट ग्रेजुएट की हैं 45 सीटें

सीतापुर आई हॉस्पिटल के कॉलेज में एमएस ऑप्थल्मोलॉजी पीजी की 15 सीटें हैं, जिन पर हर साल नीट काउंसिलिंग के द्वारा दाखिला मिलता है। इस प्रकार तीन साल के करीब 45 पीजी विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण के साथ चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करते हैं। इसके अलावा चार वर्षीय बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री (बीआप्ट) की 40 सीटों पर हर साल दाखिला मिलता है। डिप्लोमा इन ऑप्थल्मिक एसिस्टेंट की 30 सीटों पर हर साल दाखिला मिलता है। इसके आलवा डीओए और एमसीओपी पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिसमें मिड लेवल आप्थैलमिक टेक्नी शियन का प्रशिक्षण दिया जाता है, मरीजों को ओटी में तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। लो विजन ट्रेनिंग प्रोग्राम भी सिखाया जाता है।

उपलब्ध सेवाएं -

- मोतियाबिंद सर्जरी, ग्लूकोमा उपचार, रेटिना सर्जरी, कॉर्निया सर्जरी, बाल नेत्र रोग, न्यूरो–ऑफ्थल्मोलॉजी, ओकुलोप्लास्टी, नेत्र पुनर्वास सेवाएं।

अनुभूति

लंबे चौधरी और होली की मस्ती

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

बात उन दिनों की है जब मैं अपने जनपद बदायूं के एस.के. इंटर कॉलेज में फर्स्ट ईयर में पढ़ रहा था। कॉलेज में होली की छुट्टियां हो गई थीं और मैं होली मनाने गांव आ गया था। उन दिनों होली कम से कम एक सप्ताह की होती थी।

गांव में एक थे लंबे चौधरी। उनका असली नाम क्या था किसी को नहीं मालूम, सब उन्हें लंबे चौधरी के नाम से ही जानते थे। लंबी चौड़ी कद काठी, गठा हुआ शरीर और रूआबदार चेहरा। निपट अनपढ़ थे। मगर उनकी स्मरण शक्ति बड़ी गजब की थी। हम लोग गांव के रिश्ते से उन्हें बाबा कहते थे, मगर लंबे चौधरी हम लोगों से भी हंसी मजाक और ठिठोली करने से नहीं चूकते थे। एक बार हम लोगों ने होली पर लंबे चौधरी को उनकी हंसी मजाक का जवाब उन्हीं के अंदाज में देने की योजना बनाई। लंबे चौधरी को छेड़ने का मतलब था, सांप के बिल में हाथ डालना। मगर हम लोग अपने निर्णय पर अडिग थे। हमारी योजना तब और आसान हो गई। जब लंबे चौधरी के हम लोगों के हम उम्र चार-पांच भतीजे हमारी योजना में शामिल हो गए।

होली के चार-पांच दिन बाकी रह गए थे। गांव में होली का उल्लास पूरे जोरों पर था। रात को काफी देर तक बड़ी चौपाल पर ढोल-नगाड़े के साथ होली के गीत होते रहते और आधी रात के बाद शुरू होता गांव की होली को ऊंचा और बड़ा करने का अभियान। सब दूर-दूर से सूखी लकड़ी पेड़ों की टहनी, पुराने ठूंठ लेकर आते और होली पर डालते।

एक रात जब सब लोग होली बढ़ाने के अभियान के लिए चले गए, तो योजना के अनुसार हम लोग लंबे चौधरी की चौपाल पर पहुंचे, मगर हम लोग यह देखकर हैरान रह गए कि लंबे चौधरी जाग रहे थे। लगातार तीन दिन तक हम लोग आधी रात के बाद लंबे चौधरी की चौपाल पर जाते रहे मगर हमें सफलता हाथ नहीं लगी। अगली रात को जब हम लोग लंबे चौधरी की चौपाल पर पहुंचे, तो हम सब की बांछें खिल गईं। वे गहरी नींद में सो रहे थे और उनके खर्राटे दूर-दूर तक गूंज रहे थे। ईश्वर शायद आज हम लोगों पर कुछ अधिक ही मेहरबान था। लंबे चौधरी चौपाल पर बिल्कुल अकेले थे।

अपनी योजना के अनुसार हम लोगों ने रस्सी से लंबे चौधरी को चारपाई से अच्छी तरह से बांध दिया और फिर हममें से चार लड़के लाठियां डालकर चारपाई को कंधों पर रखकर होली की तरफ चल दिए। किसी खतरे की सूचना देने के लिए दो-तीन लड़के हमसे कुछ दूरी पर आगे-आगे चल रहे थे और दो-तीन पीछे-पीछे। यह एक संयोग ही था कि हमें किसी ने नहीं देखा और बिना किसी रुकावट के हम लोग होली के पास पहुंच गए। हमने लंबे चौधरी को चारपाई सहित होली पर रख दिया और फिर चुपचाप अपने-अपने घरों को लौट गए।

सुबह जब गांव के लोग जागे तो सबने होली पर एक अजब नजारा देखा। होली के ढेर पर चारपाई से बंधे लंबे चौधरी खर्राटे भर कर सो रहे थे। धीरे-धीरे होली के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोग आपस में कानाफूसी कर रहे थे। लोगों की आवाजें सुनकर लंबे चौधरी जाग गए। उन्होंने चारपाई से उठने की कोशिश की मगर चारपाई से अच्छी तरह से बंधे होने के कारण वे उठ नहीं पाए। उन दिनों गांवों में यह मान्यता थी कि होली के ढेर पर एक बार जो चीज रख दी गई उसे वापस नहीं उठाया जा सकता। अब लंबे चौधरी के साथ क्या किया जाए, सब इसी के बारे में बातचीत कर रहे थे। धीरे-धीरे पूरा गांव वहां जमा हो गया था। हम लोग भी एक तरफ खड़े यह नजारा देख रहे थे। इस समस्या पर विचार करने के लिए गांव के कुछ बुजुर्गों की एक पंचायत बैठी। काफी देर के विचार-विमर्श के बाद उन लोगों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि लंबे चौधरी के भाई लंबे चौधरी के वजन से दोगुनी लकड़ी होली के ढेर पर रखें तभी लंबे चौधरी को होली के ढेर से उतारा जा सकता है।

अब इतनी सूखी लकड़ी कहां से आए यह समस्या चौधरी के भाईयों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। उन लोगों ने अपनी एक पुरानी बैलगाड़ी को कई घंटे की मेहनत के बाद कुल्हाड़ियों से चीरकर होली के ढेर पर रखा तब कहीं जाकर लंबे चौधरी को होली के ढेर से उतारा जा सका। लंबे चौधरी की यह हालत देखकर लोग मन ही मन मुस्कुरा रहे थे। औरतें घूंघट मुंह में दबाकर हंस रही थीं। लंबे चौधरी किसी नाग की तरह फुफकार रहे थे और धारा प्रवाह गालियां दे रहे। उनकी गालियां भी हम लोगों को होली के प्रसाद की तरह लग रही थीं।

जॉब का पहला दिन

भावनाएं, अनुभव और एक नई शुरुआत

प्रो . हिमांशु शेखर सिंह
अयोध्या

जीवन में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जो समय बीत जाने के बाद भी स्मृतियों में सदैव ताजे बने रहते हैं। नौकरी का पहला दिन भी ऐसा ही एक अविस्मरणीय अनुभव है। यह केवल रोजगार की शुरुआत नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास की दिशा में उठाया गया पहला सशक्त कदम होता है। उस दिन मन में उत्साह, जिज्ञासा, हल्की घबराहट, भविष्य के सपने और स्वयं को सिद्ध करने का संकल्प सभी भावनाएं एक साथ उमड़ती हैं।

मेरे जीवन में यह महत्वपूर्ण अवसर तब आया, जब मैं 10 जनवरी 1994 को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में अपने प्रथम कार्य दिवस हेतु पहुंचा। प्रारंभिक रूप से 8 जनवरी को भी मैं बड़े उत्साह से वहां गया था, पर द्वितीय शनिवार होने के कारण कार्यालय बंद मिला और कार्यभार ग्रहण नहीं कर सका। हल्की निराशा के बावजूद मन में दृढ़ विश्वास था कि शीघ्र ही नई यात्रा प्रारंभ होगी। दो दिन बाद पुनः पहुंचा तो मन में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का भाव अधिक प्रबल था। विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही ऐसा लगा मानो जीवन का एक नया अध्याय खुल रहा हो।

विभागाध्यक्ष प्रो. एस. सी. सक्सेना तथा अन्य वरिष्ठ शिक्षकों ने अत्यंत आत्मीयता से स्वागत किया। उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार मेरे लिए प्रेरणास्रोत बना। नियुक्ति संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए जब मैंने संबंधित कार्यालयों में पत्र जमा किए, तो लगा कि लंबे समय से प्रतीक्षित लक्ष्य साकार हो गया है। उस समय विभाग नवस्थापित था, इसलिए कक्षाएं प्रारंभ नहीं हुई थीं। हम सबने मिलकर पाठ्यक्रम निर्माण और शैक्षणिक योजनाओं पर चर्चा की। चाय की चुस्कियों के साथ हुआ संवाद केवल औपचारिक नहीं, बल्कि सहयोग और भविष्य निर्माण की भावना से ओतप्रोत था। पहली नौकरी व्यक्ति को विद्यार्थी से जिम्मेदार पेशेवर की भूमिका में परिवर्तित कर देती है। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं- क्या मैं अपेक्षाओं पर खरा उतर पाऊंगा?

कार्य का वातावरण कैसा होगा? किंतु यही प्रश्न आत्मविश्वास को भी जन्म देते हैं। विशेषकर शिक्षण क्षेत्र में पहली बार कक्षा में प्रवेश करना अत्यंत भावनात्मक अनुभव होता है। विद्यार्थियों का आदरपूर्ण अभिवादन यह एहसास कराता है कि शिक्षण केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य गढ़ने की प्रक्रिया है। समय के साथ अनुभव बढ़ता गया और प्रारंभिक संकोच आत्मविश्वास में बदलता गया। 33 वर्षों की इस यात्रा ने मुझे सिखाया कि सफलता का आधार केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण है।

चुनौतियां हर क्षेत्र में आती हैं, पर वही हमें परिपक्व और सशक्त बनाती हैं। एक शिक्षक के रूप में मैंने अनुभव किया कि ज्ञान बांटने से स्वयं का ज्ञान भी समृद्ध होता है और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही वास्तविक संतोष देता है। नए शिक्षकों के लिए मेरा संदेश है कि शिक्षण को केवल नौकरी न समझें, बल्कि इसे समाज निर्माण का पवित्र दायित्व मानें। निरंतर अध्ययन, विनम्रता, नई तकनीकों को अपनाने की तत्परता और विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता ये गुण एक आदर्श शिक्षक की पहचान हैं। यदि व्यक्ति अपने मूल्यों, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को बनाए रखे, तो हर दिन नई सीख और नई उपलब्धि लेकर आता है। अंततः निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और समर्पण ही जीवन में आगे बढ़ने के सच्चे मूल मंत्र हैं।

कुमाऊंनी होली : नाद, राग और स्वर की जीवित विरासत

कुमाऊं की होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि शास्त्रीय संगीत की भाव–समृद्ध परंपरा का जीवंत उत्सव है। यहां होली नाद, राग और स्वर के विशिष्ट संयोजन से सजी होती है। जिन्होंने भी इस परंपरा को अपने ज्ञान, साधना और सुरों की तपस्या से आगे बढ़ाया, उनकी समझ और गायकी की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। कुमाऊंनी होली में शास्त्रीय संगीत का अनुशासन भी है और लोकजीवन की सहजता भी, यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

एक समय था जब गांवों में होली का इंतजार बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को रहता था। बड़े ढोल की थाप पर गोल घेरे में खड़े होकर होली गाई जाती थी। कम से कम बीस-पच्चीस होलियारों की टोली, ढोल की गूंज और बीच-बीच में मिलने वाले गुड़ या आलू के गुटके, बच्चों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं था, जो लोग रोजगार के लिए बाहर गए होते, वे भी होली पर अपने घर जरूर लौटते थे। उनकी उपस्थिति से गांव में रौनक बढ़ जाती और बच्चों को होलियारों की टोली में शामिल होने का अवसर मिलता, लेकिन समय बदला, पलायन बढ़ा और त्योहारों पर घर लौटने की परंपरा कम होती गई। गांव खाली होने लगे और होली गायन की धारा भी मंद होने लगी। अब इस परंपरा को बचाए रखने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है।

मुझे याद है जब गांव का होली में प्रयोग होने वाला बड़ा ढोल खराब हो गया था और उसे उपयोग में नहीं लाया जा सका। मान्यता थी कि एक बार होली छोड़ दी तो फिर वह दोबारा नहीं हो सकती इसलिए तब हमने एक कनस्तर को ही ढोल बना लिया और पूरे गांव में होली गाई। वह साधन भले ही साधारण था, पर उत्साह और परंपरा के प्रति समर्पण असाधारण था।

बैठकी और खड़ी होली : अनुशासन और उल्लास

कुमाऊं में मुख्यत : दो प्रकार की होली प्रचलित है बैठकी और खड़ी होली। बैठकी होली में शास्त्रीय रागों का आधार स्पष्ट दिखाई देता है। यह विशेष रूप से अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, नैनीताल और चंपावत में अपने पूरे सौंदर्य के साथ जीवित है। खड़ी होली खुले स्थान पर गोल घेरे में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते हुए गाई जाती है। इसमें सामूहिकता और उत्सवधर्मिता का अद्भुत संगम होता है।

स्त्रियों की होलियां और मर्यादा का संगीत

पहाड़ों में महिलाओं की होलियां और स्वांग भी अत्यंत रोचक होता है। वे तात्कालिक रचनाएं करती हैं, श्रृंगार और हंसी–ठिठोली के रंग बिखेरती हैं, पर मर्यादा का ध्यान बनाए रखती हैं। शिव के मन माहि बसे काशी, जल कैसे भरूं जमुना गहरी जैसी होलियां आज भी लोकप्रिय हैं।

चंपावत : होली परंपरा का अग्रणी जनपद

वर्तमान समय में यदि पुरानी परंपरा से कुमाऊंनी होली की जीवंतता की बात करें, तो चंपावत जनपद अग्रणी माना जाता है। कभी चंद्रवंशी शासकों की राजधानी रही यह चंपा नगरी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व के साथ–साथ अपनी सांगीतिक परंपराओं के लिए भी जानी जाती है। हालांकि यहां की होली में बरसाना की लठमार होली की तरह को विशेषता तो नहीं, पर अपनी सौम्यता और सामूहिक नृत्य–गायन और होलियारों विशेष कदम और ढोल की थाप के कारण यह विशिष्ट पहचान रखती है। यहां महिलाएं और पुरुष समान रूप से दिन में गोल घेरे में खड़े होकर होली गाते हैं। होली में विजयसार की लकड़ी से बने ढोलों का प्रयोग होता है, जिनकी कीमत आज बीस हजार से 30 हजार रुपये तक हो सकती है।

परंपरा की चुनौती और हमारी जिम्मेदारी

आज पलायन, आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के कारण यह परंपरा धीरे–धीरे सिमट रही है। शराब जैसी कुप्रथाएं भी कहीं–कहीं इस पावन उत्सव की गरिमा को प्रभावित करती हैं। फिर भी आशा की किरण जीवित है, जब तक युवाओं में अपने लोक–संगीत और संस्कृति के प्रति प्रेम रहेगा, कुमाऊंनी होली का नाद गूंजता रहेगा। कुमाऊं की होली केवल गीत नहीं, बल्कि पीढ़ियों से हस्तांतरित होती आ रही सांस्कृतिक चेतना है। इसे संजोना और आगे बढ़ाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी ढोल की थाप पर उसी उल्लास से गा सकें 'बलमा घर आए फागुन में...'

बिजनेस ब्रीफ

आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 0.20 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.0-7.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था का आकार आसानी से 4,000 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। जनवरी में संसद में पेश आर्थिक समीक्षा में अगले वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर 6.8-7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। नागेश्वरन ने राष्ट्रीय आय की नई शृंखला जारी किए जाने के मौके पर संवाददाताओं से कहा, "नई शृंखला के आधार पर हम वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को पहले के 6.8-7.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.0-7.4 प्रतिशत कर रहे हैं।... हालांकि अर्थव्यवस्था के सात प्रतिशत के बजाय 7.4 प्रतिशत के करीब रहने की अधिक संभावना है।"

केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 63 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जनवरी के अंत तक 9.8 लाख करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 के वार्षिक बजट लक्ष्य का 63 प्रतिशत है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 74.5 प्रतिशत था। केंद्र सरकार का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत, यानी 15.58 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

एफडीआई 18 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में देश के भीतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 18 प्रतिशत बढ़कर 47.87 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में देश के भीतर 40.67 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पुनर्निवेशित आय सहित कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर 2025-26 के दौरान 73.31 अरब डॉलर रहा। पुनर्निवेशित आय का अर्थ उस लाभ से है जिसे कोई विदेशी कंपनी भारत में कमाने के बाद अपने मूल देश भेजने के बजाय यहीं पर दोबारा निवेश कर देती है।

देखो मेरी दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को रफी मार्ग से दिल्ली पर्यटन की अत्याधुनिक डबल डेकर इलेक्ट्रिक टूरिस्ट बस सेवा 'देखो मेरी दिल्ली' को हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। इस दौरान कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। फोटो : एजेंसी

16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आयोजित सम्मेलन में बोले मोंटेक सिंह अहलूवालिया

बड़े खेतों पर टैक्स लगा सकते हैं राज्य

हैदराबाद, एजेंसी

- **कहा-वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए ज्यादा इनकम वालों पर टैक्स लगा सकती हैं सरकारें**

अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा है कि राज्य सरकारें अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए उन बड़े खेतों पर कर लगा सकती हैं जो विविधीकरण से उच्च आय अर्जित कर रहे हैं। यहां बुधवार को 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर आयोजित एक सम्मेलन में पूर्ववर्ती योजना आयोग के वाइस चेयरमैन रह चुके अहलूवालिया ने कहा कि राज्य विविधीकृत कृषि पर कराधान से प्राप्त राजस्व पूरी तरह अपने पास रख सकते हैं। इसे केंद्र के साथ साझा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि संपूर्ण कृषि पर केंद्र कर नहीं लगा सकता और केवल राज्य ही कर लगा सकते हैं। क्या यह मान लिया जाए कि कृषि को हमेशा के लिए आयकर से मुक्त रखा जाना चाहिए, चाहे खेत का आकार कुछ भी हो? इसका बचाव करना बहुत कठिन है। अहलूवालिया ने कहा, ''यदि आपके पास विविध तरह के मध्यम आकार के खेत हैं तो वे निश्चित रूप से पर्याप्त उच्च आय उत्पन्न कर सकते हैं। आयकर की श्रेणी में आ सकते हैं। वह कर 100 प्रतिशत राज्यों को जाएगा। उसे केंद्र द्वारा नहीं लिया जाएगा।''

उन्होंने कहा कि संविधान में ऐसा कुछ नहीं है जो किसी राज्य सरकार को नीचे के स्तरों पर संसाधनों का हस्तांतरण करने से रोकता हो, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि प्रायः दबाव केंद्र सरकार की ओर निर्देशित किया जाता है। अहलूवालिया ने कहा कि यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक निर्णय के रूप में सरकार के तीसरे स्तर यानी स्थानीय निकायों को धन हस्तांतरित और विकेंद्रीकृत करने का निर्णय लेता है, तो उसे केंद्र की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

अर्थशास्त्री ने यह भी कहा कि कि अधिकांश देशों में मानव पूंजी...जिसमें बाल स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य, शिक्षा और संबंधित क्षेत्र शामिल है...राष्ट्रीय स्तर की तुलना में सरकार के निचले स्तरों से अधिक जुड़ी हुई है। उन्होंने भारतीय राज्यों में मौजूद असमानताओं का जिक्र करते हुए कहा कि दक्षिणी राज्यों ने उल्लेखनीय रूप से कम प्रजनन दर के कारण जनसंख्या वृद्धि में काफी कमी हासिल की है।

हालात बदले तो डील भी बदलेगी: गोयल

टैरिफ मुद्दे पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर बदलते हालात पर सरकार की नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी

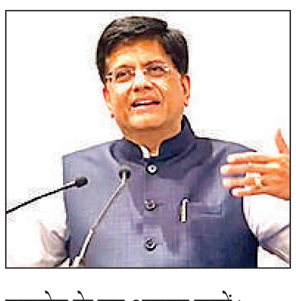

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत फिलहाल रुको और इंतजार करो की स्थिति में है। हालात लगातार बदल रहे हैं और सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। यह बात उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राइजिंग भारत समिट 2026 को सम्बोधित करते हुए कही। एक प्रश्न के उत्तर में गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संवाद में हैं और आंतरिक स्तर पर भी विचार-विमर्श जारी है।

उद्योग मंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत बेहतर अवसरों के लिए संवाद की नीति पर कायम है और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही बातचीत का उद्देश्य ऐसा समझौता सुनिश्चित करना है, जिससे भारत को अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खुलें।

व्यापार समझौते में भारत की स्थिति क्या है? पूछने पर गोयल ने कहा कि परिस्थितियां अभी गतिशील हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है। उन्होंने संकेत दिया कि हालात बदलने पर व्यापार समझौते में संतुलन (रीबैलेंस) की शर्त रखी गई है।

टैरिफ दरों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि अगर शुल्क दर 18 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत होती है, तो निर्यात को बिना बाधा जारी रखने में मदद मिलेगी।

गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। उनके अनुसार, अगर भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर मिलती है, तो यह निर्यात के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पहले 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत को निर्यात में बड़ा नुकसान झेलना पड़ता था, जबकि इसे कम स्तर पर लाना भारत के लिए महत्वपूर्ण लाभ साबित हो सकता है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या शुल्क में बदलाव भारत के लिए कोई फायदा देता है, तो मंत्री ने कहा कि यह घरेलू कंपनियों को बिना रुकावट निर्यात जारी रखने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, "ध्यान रखें, कोई भी व्यापार समझौता या अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। इसका मतलब केवल यह नहीं कि शुल्क कितना है, बल्कि यह भी देखा जाता है कि इससे आप अपनी प्रतिस्पर्धा में कितनी बढ़त पा सकते हैं। और निश्चित रूप से, जब शुल्क 50 प्रतिशत था, हमारी कंपनियों को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा।"

अमेरिकी सेब पर शुल्क रियायत के खिलाफ सेब उत्पादक करेंगे प्रदर्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब उत्पादक अमेरिकी सेब पर प्रस्तावित शुल्क रियायत के खिलाफ अगले महीने दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका को सेब पर कोटा-आधारित शुल्क रियायत दी है। अमेरिका से आने वाले सेब भारतीय बाजार में बिना किसी आयात शुल्क के प्रवेश करेंगे। उत्पादकों को आशंका है कि अमेरिका से सेबों की बाढ़ भारतीय बाजार में आ जाएगी और इससे घरेलू किसानों को बड़ा झटका लगेगा। कुलगाम के विधायक एवं श्रमिक संघ नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने यहां पत्रकारों से कहा, 'हमने कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों को शामिल करते हुए ''एप्पल फार्मर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया'' (एएफएफआई) का गठन किया है। हमने मार्च में (व्यापार समझौते के खिलाफ) दिल्ली में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।' तारिगामी ने कहा कि एएफएफआई ने संयुक्त किसान मोर्चा से देश के सेब किसानों के समर्थन में एकजुटता दिखाने की अपील की है, जो अपनी आजीविका पर हमले का सामना कर रहे हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर तारिगामी ने कहा कि यह 'व्यवहारिक रूप से अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण है।' उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि इस व्यापार समझौते में अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने पर प्रतिबंधित किया है। यदि हमारे देश को कुछ खरीदना है तो हमें अमेरिका की इच्छाओं पर विचार करना होगा। ऐसे में हम व्यापार संबंधी अपने निर्णयों में संप्रभु नहीं रहेंगे।' कुलगाम के विधायक ने कहा कि सेब उद्योग, कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा, 'जम्मू में छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं, लेकिन यहां अधिक नहीं हैं। हमारे पास हस्तशिल्प था लेकिन वह भी गिरावट के दौर में है। हमारी अंतिम उम्मीद सेब है लेकिन अब हम अमेरिकी सेब से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।'

चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति टली, टाटा ट्रस्ट पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन पद पर लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टलने से समूह के भीतर शीर्ष स्तर पर मतभेद से जुड़ी अटकलें तेज हो गई हैं। टाटा संस के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल देने के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। टाटा समूह से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह निर्णय स्थगित होने से टाटा ट्रस्ट के उस सर्वसम्मत प्रस्ताव की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की चेयरमैन पद पर दोबारा नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं। बताया जाता है कि उन्होंने समूह की कुछ कंपनियों, विशेषकर एयर इंडिया में हो रहे घाटे पर चिंता जताई। एयर इंडिया का अधिग्रहण 2022 में किया गया था और कंपनी को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया अभी तक जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर और बैटरी विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों में भारी पूंजीगत व्यय से जुड़े जोखिमों पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

सूत्रों ने यह भी कहा कि नियामकीय बाध्यता की वजह से टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने को लेकर भी निदेशक मंडल में आशंका जताई गई और इस संबंध में स्पष्ट आश्वासन मांगा गया। मामले से परिचित एक सूत्र ने कहा, "टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव स्पष्ट रूप से कायम है और उसे उचित समय पर लागू किया जाएगा।"

हालांकि, एक अन्य पर्यवेक्षक ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक टाटा संस के निदेशक मंडल में सर्वसम्मति के निर्णय से अलग रुख अपना सकते हैं। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस में निर्णायक हिस्सेदारी है।

विमान में वस्तुओं को ले जाने के नए नियम जारी

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

- **स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली वस्तुएं शामिल**

नागर विमानन मंत्रालय ने विमान में खतरनाक वस्तुओं को ले जाने के बारे में संशोधित नियम अधिसूचित कर दिए हैं। इनमें ऐसी वस्तुओं की साज-संभाल के लिए प्रमाणन-आधारित और जवाबदेही-आधारित व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। खतरनाक वस्तुओं से आशय उन वस्तुओं या पदार्थों से है जो स्वास्थ्य, सुरक्षा, संपत्ति या पर्यावरण के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकते हैं।

नियमों में खतरनाक वस्तु की आवाजाही की जानकारी देने संबंधी ढांचे को कड़ा किया गया है। ये नियम अघोषित या गलत जानकारी देकर खतरनाक वस्तुओं को विमान में लेकर जाने से जुड़े हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को इन वस्तुओं के प्रबंधन में चूक के मामलों में जांच के आदेश देने का अधिकार मिला है।

''विमान (खतरनाक वस्तुओं का परिवहन) नियम, 2026'' को हितधारकों से परामर्श के बाद 17 फरवरी को अधिसूचित किया गया। विमानन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खतरनाक वस्तुओं के परिवहन से संबंधित 2003 के नियम पूर्ववर्ती विमान अधिनियम के तहत बनाए गए थे और मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के मानकों के अनुरूप परिचालन अनुपालन विनियमों के रूप में कार्य करते थे।

इस अधिकारी ने ''एजेंसी'' से कहा कि नए नियमों में सुस्पष्ट निगरानी चक्र, औपचारिक स्वीकृतियां तथा व्यवस्थित प्रवर्तन शक्तियां शामिल हैं। अन्य प्रावधानों के तहत भारतीय एयरलाइंस को खतरनाक वस्तुओं के परिवहन के लिए डीजीसीए से प्रमाणन लेना जरूरी होगा। साथ ही, विदेशी विमानन कंपनियों को भारत से और भारत के लिए खतरनाक वस्तु ले जाने के लिए पूर्व-अनुमति लेनी होगी।

नियमों के मुताबिक, कोई भी प्रेषक या उसका एजेंट हवाई परिवहन के लिए किसी भी खतरनाक वस्तु के पैकेज या ''ओवरपैक'' की पेशकश तब तक नहीं करेगा जब तक यह सुनिश्चित न कर ले कि ऐसी खतरनाक वस्तुएं हवाई परिवहन के लिए निषिद्ध नहीं हैं और उन्हें तकनीकी निर्देशों में निर्दिष्ट शर्तों के अनुरूप सही ढंग से चिह्नित, वर्गीकृत, पैक और लेबल नहीं किया गया है। ''ओवरपैक'' में किसी प्रेषक कंपनी द्वारा एक या अधिक पैकेज को एक साथ रखा जाता है, ताकि उन्हें संभाल पाना और रखना आसान हो।

अब देश में ही बनेगा एमॉर्फस स्टील आंध्र में लगा प्लांट

दिल्ली। बिजली के ट्रांसफॉर्मरों में इस्तेमाल होने वाला एमॉर्फस स्टील अब देश में ही बनेगा। इसके लिए जापानी कंपनी प्रोटेरियल की भारतीय इकाई प्रोटेरियल इंडिया ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में जनवरी में फैक्ट्री लगाने का काम शुरू किया है और इस साल अक्टूबर तक उत्पादन आरंभ होने की उम्मीद है। बता दें कि भारत अब तक इसका आयात करता रहा है।

प्रोटेरियल इंडिया ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और बड़े बाजार को देखते हुए कंपनी ने भारत में अपना तीसरा संयंत्र लगाने का फैसला किया है।

सरकारी लेनदेन वाले बैंकों के लिए नियमावली जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

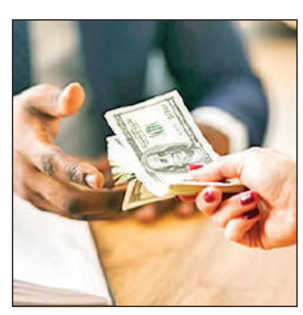

लेखा महानियंत्रक टी.सी.ए. कल्याणी ने सरकारी लेनदेन करने वाले बैंकों के संचालन और दक्षता को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में सरकारी बैंक डैशबोर्ड और सरकारी बैंक नियमावली का शुभारंभ किया।

सरकारी बैंक नियमावली बैंकों को सरकारी लेनदेन की प्रक्रिया के संबंध में एक व्यापक और मानक ढांचा प्रदान करती है। इसमें परिचालन प्रक्रियाओं, रिपोर्टिंग दायित्वों, मिलान की समय-सीमा और अनुपालन आवश्यकताओं को स्पष्ट रूप से बताया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इसका उद्देश्य अस्पष्टता और परिचालन जोखिम को कम करना तथा सभी हितधारकों के बीच जवाबदेही को मजबूत करना है।

सरकारी बैंक डैशबोर्ड सरकारी कामकाज से संबंधित महत्वपूर्ण बैंकिंग कार्यों की वास्तविक समय में डेटा-आधारित निगरानी की सुविधा प्रदान करता है। यह प्रेषण की समय-सीमा, स्क्रॉल अनुपालन, मिलान स्थिति, लेनदेन की सफलता की दर और सेवा-स्तर के मानकों के पालन पर नजर रखता है। श्रीमती कल्याणी ने कहा कि ये सुधार सार्वजनिक धन की सुरक्षा में साझा जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि सुधारों के अगले चरण में गहन डिजिटल एकीकरण, मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों, उन्नत विश्लेषणात्मक क्षमताओं और संस्थागत क्षमता निर्माण पर फोकस किया जायेगा जिससे सरकारी बैंकिंग संचालन के पारितंत्र का और आधुनिकीकरण किया जा सकेगा।

जानकारी

जानें कैपिटल गेन से जुड़ी हर जरूरी बात

प्रॉपर्टी, शेयर या सोना बेचने पर कितना टैक्स लगेगा

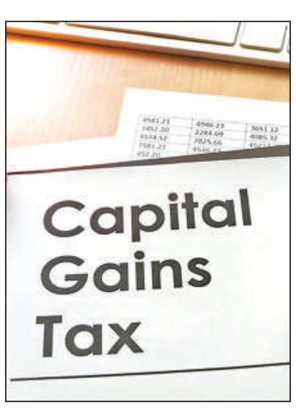

कारोबार डेस्क

भारत में कैपिटल गेन टैक्स (पूंजीगत लाभ कर) और उससे मिलने वाली छूट (एग्जेंप्शन्स) के नियमों को समझना किसी भी निवेशक या संपत्ति के मालिक के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बजट 2024 के बाद इन नियमों में काफी बदलाव आए हैं।

1. कैपिटल गेन क्या है?

जब आप किसी ''कैपिटल एसेट'' (जैसे जमीन, मकान, शेयर, म्यूचुअल फंड, सोना, बॉन्ड आदि) को उसकी खरीद की कीमत से अधिक दाम पर बेचते हैं, तो होने वाले मुनाफे को कैपिटल गेन कहा जाता है। इस लाभ पर जो टैक्स सरकार को दिया जाता है, उसे कैपिटल गेन टैक्स कहते हैं।

इसे दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है :

- **शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) :** कम समय के लिए संपत्ति रखने पर।
- **लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) :** लंबे समय तक संपत्ति रखने के बाद बेचने पर।

2. होल्डिंग पीरियड और टैक्स की दरें (बजट 2024 के बाद)

संपत्ति को कितने समय तक रखने पर उसे ''लॉन्ग-टर्म'' माना जाएगा, यह एसेट के प्रकार पर निर्भर करता है :

2.1) लिस्टेड शेयर और इक्विटी म्यूचुअल फंड

समय सीमा : 12 महीने (1 साल)।

- एसटीसीजी (1 साल से कम) : अब 20% की दर से टैक्स लगता है।
- एलटीसीजी (1 साल से अधिक) : अब 12.5% की दर से टैक्स लगता है।
- छूट : एक वित्तीय वर्ष में 1.25 लाख तक का लॉन्ग-टर्म मुनाफा टैक्स-फ्री होता है।

2.2) अचल संपत्ति (रियल एस्टेट- घर या जमीन)

समय सीमा : 24 महीने (2 साल)।

- एसटीसीजी : आपकी कुल आय में जोड़ा जाता है और आपके इनकम टैक्स स्लैब (5%, 20%, 30%) के अनुसार टैक्स लगता है।
- एलटीसीजी : अब फ्लैट 12.5% की दर से टैक्स लगता है। (पहले यह 20% था लेकिन इंडेक्सेशन का लाभ मिलता था, जिसे अब नए नियमों में हटा दिया गया है)।

2.3) अनलिस्टेड शेयर और सोना

समय सीमा : 24 महीने।

- एसटीसीजी : टैक्स स्लैब के अनुसार।
- एलटीसीजी : 12.5%।

3. टैक्स बचाने के उपाय (एग्जेंप्शन्स)

भारत का आयकर कानून (इनकम टैक्स एक्ट, 1961) निवेशकों को कुछ विशेष निवेश करने पर टैक्स से छूट देता है।

मुख्य धाराएं नीचे दी गई हैं :

- **धारा 54 (सेक्शन 54) :** घर बेचकर घर खरीदना यह छूट केवल ''रेसिडेंशियल हाउस'' (रहने वाले घर) की बिक्री पर मिलती है। **शर्त :** पुराने घर को बेचने के बाद आपको दूसरा घर खरीदना होगा।

समय : नया घर बिक्री की तारीख से 1 साल पहले खरीदा गया हो, या 2 साल के भीतर खरीदा जाए। यदि आप घर बना रहे हैं, तो 3 साल का समय मिलता है।

लाभ : जितना पैसा आप नए घर में निवेश करेंगे, उतने मुनाफे पर टैक्स नहीं लगेगा। यदि नया घर मुनाफे से महंगा है, तो पूरा टैक्स बच जाएगा।

- **धारा 54EC :** कैपिटल गेन बॉन्ड्स

यदि आपने जमीन या मकान बेचा है और आप दूसरा घर नहीं खरीदना चाहते, तो आप बॉन्ड्स में निवेश कर सकते हैं।

कहाँ निवेश करें : एनएचएआई, आरईसी, पीएफसी या आईआरएफसी के स्पेसिफाइड बॉन्ड्स में। **शर्त :** संपत्ति बेचने के 6 महीने के भीतर निवेश करना अनिवार्य है।

सीमा : आप एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 50 लाख तक निवेश कर सकते हैं।

लॉक-इन पीरियड : इन बॉन्ड्स को 5 साल तक बेचना नहीं होता।

- **धारा 54F :** घर के अलावा अन्य संपत्ति बेचकर घर खरीदना। यदि आपने सोना, शेयर या कमर्शियल प्लॉट बेचकर मुनाफा कमाया है, तो भी आप टैक्स बचा सकते हैं।

शर्त : आपको मुनाफे के पैसे से एक रेसिडेंशियल हाउस खरीदना होगा।

विशेष नियम : धारा 54 में सिर्फ ''मुनाफा'' निवेश करना होता है, लेकिन 54F में आपको 'पूरी बिक्री राशि' निवेश करनी पड़ती है। यदि आप केवल आधा पैसा निवेश करते हैं, तो छूट भी आनुपातिक (प्रोपोर्शनल) मिलेगी।

वाहन खरीदने में महाराष्ट्र, यूपी गुजरात के लोग सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

वाहन खरीदने के मामले में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के लोग सबसे आगे रहे। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश में कुल 12.76 लाख यात्री वाहन बिके। इसमें 12.4 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर रहा जिसमें 1.58 लाख वाहन बिके। उत्तर प्रदेश 10.8 फीसदी के साथ दूसरे और गुजरात 8.2 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर रहा। यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन आते हैं।

घरेलू बाजार में तिमाही के दौरान दुपहिया की कुल बिक्री 56.96 लाख इकाई रही। सबसे ज्यादा 8.62 लाख इकाई (15.1 प्रतिशत) की बिक्री उत्तर प्रदेश में हुई। महाराष्ट्र (11.3 प्रतिशत) दूसरे, तमिलनाडु (8.0 प्रतिशत) तीसरे और गुजरात (7.4 प्रतिशत) चौथे स्थान पर रहा। खास बात यह है कि कुछ राज्य जो यात्री वाहनों की खरीद में काफी पीछे थे, दुपहिया की खरीद में काफी आगे दिख रहे हैं। तिपहिया की बिक्री में 25 हजार इकाई (11.7 प्रतिशत) के साथ गुजरात ने बाजी मारी। उत्तर प्रदेश 11.5 प्रतिशत और महाराष्ट्र 11.2 प्रतिशत के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

राष्ट्रपति ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में भरी उड़ान

जयपुर, एजेंसी

- रचा इतिहास : राफेल व सुखोई में भी उड़ान भर चुकी हैं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरकर इतिहास रचा। मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान राफेल और सुखोई में भी उड़ान भर चुकी हैं।

भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने आलिव ग्रीन रंग की वर्दी और हेलमेट पहन प्रचंड में बतौर सह-पायलट उड़ान भरी। यह मिशन दो विमानों के एलसीएच फॉर्मेशन के रूप में क्रियान्वित किया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ पहले विमान में उड़ान भरी जबकि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और ग्रुप कैप्टन ए महेंद्र दूसरे विमान में नंबर दो के रूप में सवार थे।

लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान, उन्होंने गडिसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से उड़ान भरी और एक टैंक लक्ष्य पर हमला किया। उन्होंने उड़ान के दौरान दिए अपने संदेश में 'प्रचंड' को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताया।

किशोरियों को देंगे सुरक्षा कवच

भारत की बेटियों को जानलेवा कैंसर से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 14 वर्ष की किशोरियों के लिए राष्ट्रव्यापी मुफ्त टीकाकरण अभियान (एचपीवी वैक्सिनेशन) शुरू करने का निर्णय लिया है। यह पहल न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करेगी, बल्कि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भारी कमी लाएगी। भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई क्रांति का आगाज हो रहा है। केंद्र सरकार ने 14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के लिए मुफ्त टीकाकरण अभियान की रूपरेखा तैयार की है। सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, हर साल हजारों परिवारों को उजाड़ देता है। देश में हर साल लगभग 1.23 लाख से अधिक नए मामले सामने आते हैं और करीब 77,000 से ज्यादा महिलाओं की मौत हो जाती है।

सर्वाइकल कैंसर

बीमारी का मुख्य कारण

- इस घातक बीमारी (सर्वाइकल कैंसर) का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किशोरियों को यौन रूप से सक्रिय होने से पहले यह टीका लगा दिया जाए तो उनमें इस कैंसर का खतरा 93% से 100% तक कम हो जाता है। वर्तमान में निजी अस्पतालों में इस टीके की कीमत हजारों में है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से यह बाहर था। सरकार के इस फैसले से अब हर वर्ग की बेटी को यह सुरक्षा कवच मुफ्त मिलेगा। यह अभियान केवल एक स्वास्थ्य योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ नारी, सशक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा निवेश है। टीकाकरण की यह सरकारी योजना पांच साल तक चलेगी।

क्या है सर्वाइकल कैंसर

- सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के गर्भाशय ग्रीवा यानी बच्चेदानी के निचले हिस्से को प्रभावित करता है। यह धीरे-धीरे विकसित होने वाली बीमारी है जो अक्सर एचपीवी वायरस के संक्रमण से शुरू होती है।
- प्रभावित अंग : यह मुख्य रूप से गर्भाशय के प्रवेश द्वार की कोशिकाओं को प्रभावित करता है।
- लक्षण : असामान्य रक्तस्राव, पीरियड्स के बीच ब्लीडिंग, संबंध बनाने के बाद दर्द, पेल्विक हिस्से में लगातार दर्द इसके मुख्य लक्षण हैं।

टीके की कीमत

- बाजार मूल्य : निजी अस्पतालों में गार्डासिल जैसे टीकों की एक खुराक की कीमत 2,000 से 4,000 तक होती है, जबकि गार्डासिल-9 की कीमत 10,000 रुपये से भी अधिक है।
- स्वदेशी विकल्प : भारत का अपना स्वदेशी टीका 'सर्वावैक' सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाया गया है, जिसकी कीमत काफी कम है।
- सरकारी योजना : सरकार मुफ्त टीकाकरण प्रदान करेगी।

14 साल की उम्र ही क्यों

- **वैज्ञानिक कारण : 9 से 14 वर्ष की आयु में बच्चों का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) अधिक सक्रिय होता है, जिससे टीका लगने पर एंटीबॉडी का निर्माण अधिक प्रभावी ढंग से होता है।**
- **सुरक्षा का दायरा : यह टीका संक्रमण होने से पहले (प्री-एक्सपोज़र) सबसे अधिक प्रभावी होता है।**
- **एकल खुराक : सरकार 14 साल की लड़कियों के लिए सिंगल डोज़ रणनीति अपना सकती है जो शोधों में प्रभावी पाई गई है।**

स्तन का कैंसर भारती महिलाओं में सबसे आम। सर्वाइकल दूसरा सबसे आम। मुंह का कैंसर पुरुषों में सबसे अधिक पाया जाता है। फेफड़ों का कैंसर पुरुषों में मृत्यु का प्रमुख कारण।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में विधायिका के 19 सदस्य बर्खास्त

बीजिंग। चीन की विधायिका ने अपनी वार्षिक बैठक शुरू होने से एक सप्ताह पहले 19 सदस्यों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें नौ सैन्य अधिकारी शामिल हैं। गुरुवार को की गई इस घोषणा में यह नहीं बताया गया कि इस सदस्यों को क्यों हटाया गया है, लेकिन आमतौर पर इस तरह की कार्रवाई को भ्रष्टाचार संबंधी जांच से जोड़कर देखा जाता है। चीन के नेता शी जिनपिंग द्वारा शुरू किया गया भ्रष्टाचार रोधी अभियान एक दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी थमता नजर नहीं आ रहा है। हाल के वर्षों में इस अभियान के दायरे में सेना भी आई है।

दुष्कर्म के दोषी भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक मलेशियाई व्यक्ति को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के मामले में 12 वर्ष कारावास और 12 बेंत मारने की सजा सुनाई गई है। शरवीन चेट्टी (48) ने चार फरवरी को 35 वर्षीय इंडोनेशियाई महिला से दुष्कर्म के एक आरोप में दोष स्वीकार किया। घटना 11 जुलाई 2022 की है जब रात करीब आठ बजे लिटिल इंडिया मास रेपिड ट्रांसिज स्टेशन के बाहर चेट्टी ने झाड़ियों में महिला से दुष्कर्म किया। पीड़िता अपने मित्रों के साथ थी, लेकिन चेट्टी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उससे दुष्कर्म किया

यूएस नौका पर क्यूबा जल क्षेत्र में हमला

हवाना। क्यूबा के उप विदेश मंत्री ने कहा कि क्यूबा के जलक्षेत्र में एक अमेरिकी नौका पर हुई घातक गोलीबारी के बाद क्यूबा सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने कहा कि क्यूबा सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान करने को तैयार है। क्यूबा इस बारे में अमेरिका से जानकारी मांगने की योजना बना रहा है कि इस घटना में शामिल संदिग्धों कौन थे और उन्होंने आगे की यात्राओं के लिए किन साधनों का इस्तेमाल किया।

नेपाल में 4.7 तीव्रता के भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल के संखुवासभा जिले में शुक्रवार को 4.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप शुक्रवार तड़के तीन बजकर 18 मिनट पर आया और इसका केंद्र काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पूर्व में स्थित संखुवासभा-ताप्लेजंग सीमा क्षेत्र के पास टोपके गोला में था। भोजपुर, पंचथर और तेहरथुम सहित पड़ोसी जिलों के लोगों ने भी भूकंप के झटके महसूस किए।

संसद को कानून बनाने का अधिकार वह केंद्र के शपथ पत्र से बाध्य नहीं

बीएनएस की धारा 152 की वैधता से जुड़ी याचिका पर सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

- प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने की मामले की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण विशेषाधिकार है और वह केंद्र द्वारा अदालत के समक्ष दिए गए किसी भी शपथपत्र से बाध्य नहीं है। ये टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने की, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी।

बीएनएस की धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं में से एक ने कहा कि धारा 152 पूर्ववर्ती आईपीसी की धारा 124ए (राजद्रोह) को पुनः लागू करती है। मई 2022 में, उच्चतम न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने राजद्रोह से संबंधित औपनिवेशिक काल के दंड कानून पर तब तक रोक लगा दी थी, जब तक कि एक उपयुक्त सरकारी प्राधिकार इसकी पुनः समीक्षा नहीं करता और केंद्र एवं राज्यों को इस अपराध का हवाला देते हुए कोई भी नई प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया था। शुक्रवार को वकील ने कहा कि 2022 में केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष राजद्रोह कानून की समीक्षा करने के लिए एक शपथपत्र दिया था। वकील ने कहा कि अदालत के समक्ष एक शपथपत्र देने के बाद सरकार बीएनएस में इस प्रावधान को दोबारा पेश नहीं कर सकती। पीठ ने कहा, भारत सरकार ने भले ही अदालत के समक्ष शप पत्र दिया हो, लेकिन संसद उस शपथपत्र से बाध्य नहीं है। कानून बनाने का पूर्ण अधिकार संसद के पास है।

शांति अधि. के खिलाफ याचिका सुनी जाएगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति) अधिनियम, 2025 के कई प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। शीर्ष अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए टिप्पणी की कि उठाया गया सवाल एक दिखने वाले वास्तविक एवं ठोस राष्ट्रीय हित और एक दुर्भाग्यपूर्ण काल्पनिक नुकसान के बीच है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस मामले को अत्यंत संवेदनशील मुद्दा बताते हुए विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता जताई और याचिकाकर्ताओं से अन्य देशों के तुलनात्मक नियामक तंत्र प्रस्तुत करने को कहा।

बंगाल : न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आपत्ति खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस आपत्ति को खारिज कर दिया, जिसमें राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आपत्ति जताई गई थी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायिक अधिकारी किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे और इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश बिलकुल स्पष्ट हैं। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। सिब्बल ने पीठ को बताया, कुछ अजीबोगरीब घटना घटी है। माननीय न्यायाधीशों ने आदेश पारित किया कि सभी तौर-तरीके कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और समिति द्वारा तय किए जाएंगे, जबकि निर्वाचन आयोग ने पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं और एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं।

कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भूकंप

कोलकाता। बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में शुक्रवार दोपहर 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद कोलकाता और आसपास के जिलों में भी उसके झटके महसूस किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप दोपहर एक बजकर 22 मिनट पर महसूस किया गया और लोग दहशत में आ गए। उन्होंने कहा कि भूकंप धरती की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश का सतखीरा जिला था, जो कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर तथा उत्तरी 24 परगना जिले में सीमावर्ती क्षेत्र ताकी से महज 25 किलोमीटर दूर है।

भूकंप से जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है लेकिन कोलकाता के उत्तरी हिस्से में कुछ प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों ने भूकंप के कारण दीवारों में दरारें पड़ जाने का दावा किया। भूकंप के झटके लगभग 10 सेकंड तक महसूस किए गए जिससे कोलकाता के लोग घबरा कर अपने अपने घरों से निकलकर खुली सड़कों पर आ गए। राज्य सचिवालय, विधानसभा भवन और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों में दहशत फैल गई।

डॉल्फिन हंटर आईएनएस अंजदीप का जलावतरण

चेन्नई, एजेंसी

- भारतीय नौसेना की पनडुब्बीरोधी युद्ध क्षमता को बढ़ाएगा

भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को आईएनएस अंजदीप युद्धपोत का जलावतरण किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने चेन्नई बंदरगाह पर पोत का जलावतरण किया।

आईएनएस अंजदीप एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के तहत बनाए जा रहे आठ पोतों में से तीसरा है। यह पोत डॉल्फिन हंटर के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से पोत का जलावतरण किया। 77 मीटर लंबे इस पोत में एक हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है, जो इसे त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर संचालन के लिए 25 समुद्री मील की अधिकतम गति हासिल करने में सक्षम बनाता है। नौसेना ने कहा कि कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित अंजदीप को विशेष रूप से तटीय और राष्ट्र की सुरक्षा के लिहाज से अहम, उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है।

बचाव अभियानों को भी अंजाम देगा

पनडुब्बी रोधी युद्ध भूमिका के अलावा यह पोत तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तथा खोज एवं बचाव अभियानों को अंजाम देने में भी सक्षम है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धक हथियारों और सेंसर पैकेज से लैस है जिसमें सोनार अभय भी शामिल है और यह हल्के टॉरपीडो एवं पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से युक्त है। अंजदीप का नाम कर्नाटक के कारवार तट (अरब सागर) के निकट स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है।

अब अभिभावकों को सतर्क करेगा इंस्टाग्राम

वॉशिंगटन, एजेंसी

- आत्महत्या से संबंधित शब्द बार-बार खोजने पर भेजेगा संदेश

सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम ने घोषणा की है कि यदि किशोर उपयोगकर्ता आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने से संबंधित शब्दों को बार-बार खोजते हैं, तो वह उनके अभिभावकों को सूचित करेगा। यह अलर्ट केवल उन अभिभावकों को भेजे जाएंगे जो इंस्टाग्राम के पैरेंटल सुपरविजन कार्यक्रम में नामांकित हैं।

इंस्टाग्राम का कहना है कि वह पहले से ही ऐसे संवेदनशील कंटेंट को किशोरों के सर्च परिणामों में दिखने से रोकता है और उपयोगकर्ताओं को हेल्पलाइन की ओर निर्देशित करता है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा बच्चों को होने वाले कथित नुकसान से जुड़े दो मुकदमों का सामना कर रही है। लॉस एंजिलिस में चल रहे एक मुकदमे में यह सवाल उठाया गया है कि क्या मेटा के मंच जानबूझकर नाबालिगों को लत लगाने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। वहीं, न्यू मैक्सिको में एक अन्य मामले में यह जांच की जा रही है कि क्या मेटा अपने मंच पर बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रही। हजारों परिवारों, जिलों और सरकारी संस्थाओं ने मेटा तथा अन्य सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर किए हैं। आरोप है कि ये कंपनियां अपने मंच को जानबूझकर इस तरह डिजाइन करती हैं कि उनकी लत लग जाए।

झुग्गी की छात्रा कोऑस्ट्रेलिया में मिला वजीफा

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पीरागढ़ी स्थित झुग्गी बस्ती की एक युवती ने ऑस्ट्रेलिया में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति हासिल की है। ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री ने कैनबरा में आयोजित एक राष्ट्रीय उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में उसकी शैक्षिक यात्रा की सराहना की। दिल्ली स्थित एनजीओ आशा के सहयोग से पली-बढ़ी नैन्सी को मेलबर्न विवि में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश मिला है। एनजीओ ने गुरुवार को कहा कि नैन्सी को मेलबर्न वेलकमिंग यूनिवर्सिटीज स्कॉलरशिप प्रदान की गई है और वह अगले सप्ताह से अपना पाठ्यक्रम शुरू करेंगी। उन्हें कैनबरा में आयोजित यूनिवर्सिटीज ऑस्ट्रेलिया सॉल्यूशंस समिट 2026 में भी आमंत्रित किया गया था।

मेलानिया करेंगी संरा सुरक्षा परिषद बैठक की अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- बैठक की अध्यक्षता करने वाली पहली प्रथम महिला होंगी

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह पहली बार होगा जब कोई प्रथम महिला इस परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पत्रकारों को बताया कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप सोमवार दोपहर को सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष की कुर्सी संभालेंगी तो यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा।

15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बारी-बारी से आने वाली अध्यक्षता मार्च के लिए अमेरिका के पास है। प्रथम महिला के कार्यालय ने बताया कि वह जिस बैठक की अध्यक्षता करेंगी उसका उद्देश्य सहिष्णुता और विश्व शांति को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका को रेखांकित करना होगा। मेलानिया ट्रंप ने संघर्षरत क्षेत्रों में बच्चों के मुद्दे को अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में रखा है।

उन्होंने पिछले वर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी पत्र लिखा था, जिसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विस्थापित कुछ बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने की पहल की गई। दुजारिक ने बताया कि सोमवार की बैठक का विषय संघर्ष की परिस्थितियों में बच्चे, प्रौद्योगिकी और शिक्षा होगा।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज अपनी छवि को लेकर कुछ चिंतित रहेंगे। उधार धन लेना पड़ सकता है। आप फोकस होकर अपने कार्यों में लगे रहें।

तुला – आज व्यवसाय में अचानक धन लाभ हो सकता है। दूसरों के कार्यों में अधिक हस्तक्षेप न करें। शेयर से जुड़े कार्यों से लाभ होगा।

वृष – आज नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। अपनी दिनचर्या में आप परिवर्तन ला सकते हैं।

वृश्चिक – आज अधिकारी आपके कार्यों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में गति आ सकती है। आपको पुराने अनुभवों से लाभ हो सकता है।

मिथुन – आज टीम भावना को रखते हुए काम करें। काम के पूरा न होने से मन में असंतोष रहेगा। नए व्यावसायिक संपर्क विकसित हो सकते हैं।

धनु – आज आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। जीवन की सत्यता का सामना करना पड़ेगा। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें।

कर्क – आज आय की दृष्टि से दिन बहुत ही अच्छा है। अधूरे पड़े कार्य आप पुन: प्रारंभ कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके नए मित्र बन सकते हैं।

मकर – आज आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी तरक्की से जलेंगे। दांपत्य संबंध में कड़वाहट हो सकती है।

सिंह – आज आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

कुंभ – आज मित्रों का आपके ऊपर काफी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवनसाथी आपका उत्साहवर्धन करेंगे। आय बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

कन्या – आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। आपको कुछ आकस्मिक खर्च करने पड़ेंगे। अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मीन – आज का दिन काफी अच्छा रहना वाला है। दूसरों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

नेपाल आम चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला

काठमांडू, एजेंसी

- बालेंद्र शाह, गगन थापा और पूर्व प्रधानमंत्री ओली के बीच रेस

नेपाल में पांच मार्च को होने वाले राष्ट्रव्यापी चुनावों में, प्रधानमंत्री पद के दावेदार माने जा रहे तीन प्रमुख उम्मीदवारों में काठमांडू के पूर्व मेयर बालेंद्र शाह, नेपाली कांग्रेस के युवा नेता गगन थापा और पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली शामिल हैं। यह चुनाव पिछले साल हुए 'जेन जेड' के विरोध प्रदर्शन के कारण के. पी. शर्मा ओली के प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद हो रहा है।

चुनाव में विजयी होने वाला उम्मीदवार देश का 16वां प्रधानमंत्री बनेगा, जो 2008 में राजशाही की समाप्ति के बाद से जारी राजनीतिक अस्थिरता को रेखांकित करता है। पिछले साल नेपाल में हुए विरोध प्रदर्शनों ने देश में भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को लेकर युवाओं की हताशा को उजागर किया, जहां लगभग 20 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं। इस चुनाव के जरिये संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सदस्यों को भी चुना जाना है। बालेंद्र शाह, जिन्हें 'बालेन' नाम से जाना जाता है, चुनाव प्रचार के दौरान एक लोकप्रिय नेता के रूप में उभरने के बाद प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। वह 2022 में राजधानी काठमांडू के महापौर चुने गए थे। बाद में, उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने के लिए महापौर का पद छोड़ दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा | व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ कोई कार्रवाई तर्कसंगत होनी चाहिए

पासपोर्ट रखना निजी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग

- एक मामले में केंद्र के फैसले को रद्द करते हुए दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। न्यायालय ने कहा कि जब अधिकारियों की कोई भी कार्रवाई ऐसे किसी अधिकार का उल्लंघन करती है, तो यह तर्कसंगत होनी चाहिए और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने केंद्र सरकार के उस फैसले को रद्द करते हुए यह आदेश पारित किया,

जिसमें रहेजा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक योगेश रहेजा का पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन करते समय उनके खिलाफ लंबित प्राथमिकी की जानकारी न देने के कारण जब्त कर लिया गया था। याचिकाकर्ता का पासपोर्ट जब्त करने का आदेश अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित किया गया था, और इस निर्णय के खिलाफ उसकी अपील को अपीलीय प्राधिकरण द्वारा 25 मार्च, 2025 को खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि विदेश मंत्रालय के 2019 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केवल प्राथमिकी दर्ज होना पासपोर्ट जारी करने के संदर्भ में आपराधिक कार्यवाही लंबित माने जाने के समान नहीं है, जब तक कि सक्षम अधिकार क्षेत्र वाली अदालत ने कथित अपराध का संज्ञान न ले लिया हो। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता का पासपोर्ट जब्त करने के लिए अधिकारियों द्वारा दिए गए कारण कानून की कसौटी पर खरे नहीं उतरे, क्योंकि उसने अक्टूबर 2024 में अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था।

राज्य करे प्राकृतिक न्याय सिद्धांतों का पालन

अदालत ने कहा कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का एक अभिन्न अंग है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि पासपोर्ट रखने के अधिकार का अतिक्रमण करने वाली राज्य की किसी भी कार्रवाई को युक्तिसंगतता की कसौटी पर खरा उतरना होगा तथा वह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए। प्रतिवादियों द्वारा पारित निर्णय को बरकरार नहीं रखा जा सकता।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

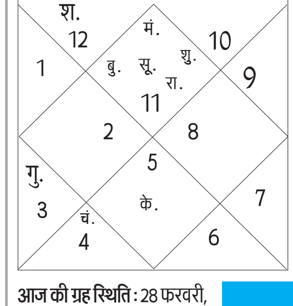

आज की ग्रह स्थिति : 28 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 20.43 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 21.35 तक तत्पश्चात पुष्य।

सुडोकू - 74 का हल

7	8	3	4	2	9	6	1	5
5	1	2	7	6	8	4	3	9
9	4	6	3	5	1	8	2	7
6	9	5	1	4	2	3	7	8
4	3	1	8	7	6	5	9	2
8	2	7	5	9	3	1	6	4
3	5	4	9	1	7	2	8	6
2	7	8	6	3	5	9	4	1
1	6	9	2	8	4	7	5	3

सुडोकू -75

	7	1				4		3
			2			7		
5	6			1		9		
9		6		3				8
		4				6		
1				7				5
		7		4			2	
		2			5			
8					1	3	9	

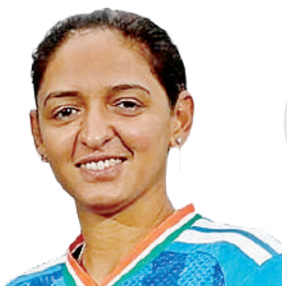

“ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।

-हरमनप्रीत कौर

सुपर-8 में आज

टीम	समय
श्रीलंका-पाकिस्तान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन

अलीगढ़/नोएडा। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार तड़के लंबी बीमारी के बाद ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सिंह 58 वर्ष के थे और कैंसर से पीड़ित थे। काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू के पिता लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था और आज तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। अलीगढ़ जिले के निवासी 28 वर्षीय रिंकू की सफलता के पीछे उनके पिता का बहुत बड़ा हाथ रहा है। अलीगढ़ में गैस सिलेंडर आपूर्ति का काम करने वाले सिंह ने तमाम अभावों के बावजूद रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में हरसंभव मदद की।

न्यूजीलैंड के हेनरी को पितृत्व अवकाश मिला

कोलंबो। न्यूलीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी इंग्लैंड के खिलाफ टीम के टी20 विश्व कप सुपर आठ मुकाबले के बाद अपने दूसरे बच्चे के जन्म के मौके पर पत्नी के साथ रहने के लिए शुक्रवार रात स्वदेश लौट जाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने कहा कि टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर हेनरी टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं।

भारत-वेस्टइंडीज मैच में ईडन गार्डन्स पर रन वर्षा की उम्मीद

‘वर्चुअल क्वार्टर फाइनल’ की तरह होगा मुकाबला, कोलकाता पहुंची टीम

टी-20 विश्व कप

कोलकाता, एजेंसी

भारत का रविवार को टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ ‘वर्चुअल क्वार्टर फाइनल’ उसी पिच पर खेला जाएगा जहां स्कॉटलैंड ने टूर्नामेंट का पहला 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। स्थानीय क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के अनुसार भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर-8 का मुकाबला उसी पिच पर होगा जिस पर टी-20 विश्व कप का दूसरा मैच खेला गया था।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार शाम पिच और आउटफील्ड को पूरी तरह ढकने से पहले उसका निरीक्षण किया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने मुखर्जी और बोर्ड के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ लंबी चर्चा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने दोनों छोर से पिच की सतह का मुआयना किया। मुखर्जी ने कहा गांगुली पिच की तैयारी देखकर खुश दिखे। यह वही पिच है जिसका इस्तेमाल विश्व कप के दूसरे मैच में हुआ था। यह पारंपरिक ईडन विकेट है जिस पर काफी रन बनते हैं और गेंदबाजों के लिए भी कुछ न कुछ होता है। उन्होंने साथ ही कहा कि मैदान पर काफी ओस भी रहने की संभावना है। स्कॉटलैंड ने नौ फरवरी को इटली के खिलाफ चार विकेट पर 207 रन का स्कोर बनाकर इस विश्व कप का पहला 200 रन से ज्यादा का स्कोर दर्ज किया। उसने इटली को 134 पर आउट कर दिया। पिच काफी सूखी होने की संभावना है जिसके कारण स्पिन गेंदबाजी फिर से अहम भूमिका निभा सकती है। हालांकि ईडन पिच पर अच्छा उछाल मिलता है। इंग्लैंड के मुकाबलों में यह साफ देखा गया जहां जोफ्रा आर्चर ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या भी अपने मौके को भुनाने की उम्मीद रख सकते हैं। भारत इस चरण में ईडन गार्डन्स पर अपना पहला मैच खेलेगा जबकि वेस्टइंडीज को थोड़ा फायदा मिल सकता है क्योंकि उसने पहले ही यहां दो ग्रुप मैच (स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ) खेले हैं जिसमें उसे जीत मिली है। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टइंडीज को हराने और भारत के जिम्बाब्वे को बाहर करने के बाद यह सुपर आठ मुकाबला लगभग नॉकआउट जैसा बन गया है।

टीम के साथ कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे वाशिंगटन सुंदर और तिलक वर्मा। एजेंसी

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. इंग्लैंड	3	3	0	0	6	1.096
2. न्यूज़ीलैंड	3	1	1	1	3	1.390
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

हम विपक्षी गेंदबाजों में खौफ देखना चाहते हैं : तिलक वर्मा

चेन्नई। तिलक वर्मा ने कहा कि शुरू में विकेट गंवाने के बावजूद भारत मौजूदा टी-20 विश्व कप में अपने आक्रामक रवैए पर कायम रहेगा, क्योंकि इससे विपक्षी टीम के गेंदबाजों में खौफ पैदा होता है। भारत ने सभी बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से जिम्बॉब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में चार विकेट पर 256 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इसके बाद 72 रन से आसान जीत दर्ज की। तिलक ने संवाददाताओं से कहा हम एक टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर चर्चा की कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी खो दें तब भी आक्रामक अंदाज में ही बल्लेबाजी करेंगे।

अभिषेक ने चुप करा दिया आलोचकों को

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर बोले-अभिषेक को रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर आलोचकों को चुप कराने के लिए अभिषेक शर्मा की सराहना की लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें इस विस्फोटक बल्लेबाज को रक्षात्मक शॉट खेलते देखकर हैरानी हुई। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज। जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।

उन्होंने कहा अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले। गावस्कर ने कहा इस मैच में उन्होंने वास्तव में रक्षात्मक शॉट खेले। उन्होंने कुछ गेंद को रोका भी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के लिए यह एक सीखने का दौर है। गावस्कर ने कहा मुझे सच में लगता है कि यह उसके लिए सीखने का एक अच्छा मौका है।

बुमराह, सिराज के साथ अपने कौशल पर काम कर रहा हूं : अर्शदीप

चेन्नई। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत की 72 रन से जीत के बाद अर्शदीप ने पत्रकारों से कहा मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा मैं (गेंदबाजी कोच) मोर्ने (मोर्केल) के साथ इस पर काम कर रहा हूं कि मैं कैसे सक्रिय रह सकता हूं। मैं कैसे बल्लेबाजों पर हावी हो सकता हूं, परिस्थितियों के अनुसार खुद को कैसे ढाल सकता हूं और अपने खेल में कैसे बदलाव ला सकता हूं। मेरा साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक (पंड्या) भाई जैसे बहुत अच्छे गेंदबाजी सहयोगी हैं। अर्शदीप से पूछा गया कि क्या 256 रन के विशाल स्कोर बनाने से गेंदबाजों को मदद मिली, उन्होंने कहा हम इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे थे कि हमने कितने रन बनाए। हम बस अपनी रणनीति के अनुसार गेंदबाजी करना चाहते थे और अपने स्तर को बनाए रखना चाहते थे।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी

- सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए कीवी टीम को करना होगा इंतजार
- जैक्स और रेहान ने हरफनमौला खेल दिखाया

विल जैक्स और रेहान अहमद के हरफनमौला खेल के दम पर इंग्लैंड ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में शुक्रवार को यहां हार के कगार से वापसी करते हुए न्यूजीलैंड पर चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। जैक्स ने चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट और रेहान ने तीन ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लेने बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सातवें विकेट के लिए 16 गेंद में 44 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। ‘प्लेयर ऑफ द मैच’ जैक्स ने 18 गेंद में नाबाद 32 रन की ताबड़तोड़ पारी जबकि रेहान ने सात गेंद में नाबाद 19 रन बनाये।

न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 159 रन पर रोकने के बाद इंग्लैंड ने तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते समय इंग्लैंड की टीम 17 ओवर में छह विकेट पर 117 रन बनाकर संकट में फंसी हुई थी और उसे आखिरी 18 गेंदों पर 43 रन की दरकार थी। टूर्नामेंट में चौथी बार मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये जैक्स और रेहान ने 18वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स पर 22 रन बटोरकर मैच का रुख पलट दिया और समीकरण 12 गेंदों में 21 रन पर ला दिया। इस जोड़ी ने कप्तान मिचेल सैंटनर के ओवर से 16 रन जुटाकर इंग्लैंड को निर्णायक बढ़त दिला दी और इंग्लैंड ने तीन गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले जैक्स और रेहान के साथ आदिल रशीद (28 रन पर दो विकेट) की स्पिनरों की तिकड़ी ने अच्छी शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड को बड़ स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली न्यूजीलैंड को किसी बल्लेबाज ने बड़ी पारी नहीं खेली। ग्लेन फिलिप्स (28 गेंदों पर 39 रन), टिम सिफर्ट (25 गेंदों पर 35 रन) और फिन एलेन (19 गेंदों पर 29 रन) ने बल्ले से अहम योगदान दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही, जब मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने-अपने पहले ओवर में विकेट लेकर स्कोर दो रन पर दो विकेट कर दिया। अनुभवी जोस बटलर 10वीं बार टी20 अंतर्राष्ट्रीय में खाता खोले बिना आउट हुए। वह इस प्रारूप में सबसे ज्यादा बाद शून्य पर आउट होने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गये।

शॉट लगाते इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स। एजेंसी

पाकिस्तान के लिए ये होंगे समीकरण

पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवित हो गई हैं। अब उसे आज पल्लेकल में श्रीलंका को 64 रनों से हराना होगा या 13.1 ओवर में लक्ष्य का पीछा करना होगा नहीं तो न्यूजीलैंड क्वालीफाई कर जाएगा। इंग्लैंड पहले ही तीनों जीत से अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंच चुका है।

न्यूजीलैंड

159/7 (20 ओवर)

- टिम सीफर्ट स्टंप बटलर बो रशीद 35
- फिन एलन का बेथल बो जैक्स 29
- रचिन रविंद्र का बेथल बो रेहन 11
- ग्लेन फिलिप्स बो जैक्स 39
- मार्क चैपमैन स्टं बटलर बो रशीद 15
- डेरिल मिचेल का जैक्स बो डॉसन 03
- मिचेल सैंटनर नाबाद 09
- कोल मैककोंची बो रेहान 14
- मैट हेनरी नाबाद 01

गेंदबाजी : आर्चर 3-1-24-0, डॉसन 4-0-32-1, रशीद 4-0-28-2, जैक्स 4-0-23-2, रेहान 3-0-28-2

इंग्लैंड

161/6 (19.3 ओवर)

- फिल सॉल्ट का सीफर्ट बो हेनरी 02
- बटलर का सीफर्ट बो फर्ग्यूसन 00
- हैरी ब्रूक का मिचेल बो फिलिप्स 26
- जैकब बेथल का फिलिप्स बो रविंद्र 21
- टॉम बैंटन का चैपमैन बो रविंद्र 33
- सैम कुरेन का फिलिप्स बो रविंद्र 24
- विल जैक्स नाबाद 32
- रेहान अहमद नाबाद 19

गेंदबाजी : हेनरी 2.3-0-19-1, फर्ग्यूसन 2-0-14-1, फिलिप्स 4-0-43-1, रविंद्र 4-0-19-3

व्यक्तिगत नहीं, टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है : कैगिसो रबाडा

अहमदाबाद, एजेंसी

कैगिसो रबाडा टी-20 विश्व कप में अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जैसा वह चाहते थे लेकिन दक्षिण अफ्रीका का जीत का सिलसिला जारी है और इसलिए यह तेज गेंदबाज बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने से संतुष्ट है। दक्षिण अफ्रीका की गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ विकेट से जीत के बाद रबाडा ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत नहीं टीम का प्रदर्शन महत्व रखता है। रबाडा ने अब तक टूर्नामेंट में केवल चार विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड, यूएई और भारत के खिलाफ विकेट लेने में नाकाम रहे थे। उन्होंने सुझाव दिया कि जब तक टीम अच्छा प्रदर्शन करती रहेगी तब तक व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात नहीं की जा सकती है। ऐसी बात बाद में की जा सकती है।

रबाडा को क्षेत्ररक्षकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। अब तक उनकी गेंदबाजी पर चार कैच छूट चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर रबाडा ने कहा यही क्रिकेट का खेल है। कई बार चीजें आपके पक्ष में होती है और कई बार नहीं। दुर्भाग्य से अभी ऐसा नहीं हो रहा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जीत रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के बीच अभी तक शानदार संतुलन देखने को मिला है और उन्होंने बहुत अच्छी तरह से तालमेल बिठाया है। उसके सभी खिलाड़ियों नेअपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। अगर डेविड मिलर ने एक मैच में टीम को जीत दिलाई तो कप्तान एडन मार्क्रम ने दूसरे मैच में यही कमाल किया। गेंदबाजों ने भी जरूरत पड़ने पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है, चाहे वो मार्को यानसन हों या लुंगी एनगिडी।

रबाडा ने कहा यह अच्छा संकेत है। हमारी टीम में काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। साथ ही कई युवा खिलाड़ी भी हैं। अगर आप सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखें, तो उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलता है और यही आत्मविश्वास मैचों में भी दिख रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय घरेलू टूर्नामेंट एसए20 को भी दिया जिसमें विश्व कप से पहले कई प्रमुख खिलाड़ियों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल की। रबाडा ने कहा यह लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और यह उम्मीद बनाए रखने से जुड़ा है कि चीजें हमारे पक्ष में हो जाएंगी। रबाडा ने अपने लंबे समय से नए गेंद के अपने साथी लुंगी एनगिडी की प्रशंसा भी की जिन्होंने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लगातार 12वीं वनडे शृंखला जीती

होबार्ट, एजेंसी

जॉर्जिया वोल के आकर्षक शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को यहां मौजूदा चैंपियन भारत को दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 83 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर तीन मैच की शृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका रावल की 81 गेंद पर खेली गई 52 रन की पारी से भारत ने अच्छी शुरुआत की। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके लगाए। भारतीय टीम हालांकि बीच के ओवरों में लड़खड़ा गई। इसके बाद हरमनप्रीत ने 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई जॉर्जिया वोल (82 गेंद पर 101 रन, 13 चौके, एक छक्का) और फोबे लिचफील्ड (62 गेंद पर 80 रन) की उम्दा पारियों की मदद से 36.1 ओवर में पांच विकेट पर 252 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में अपना शानदार रिकॉर्ड जारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक भारत के खिलाफ सभी 12 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखलाएं जीती हैं।

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपनी आखिरी अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेल रही कप्तान एलिसा हीली (06) का विकेट जल्दी गंवा दिया जिन्हें कासवी गौतम (47 रन देकर दो विकेट) ने इनस्विंग यॉर्कर पर बोल्ड किया। इसके बाद हालांकि लिचफील्ड और वोल ने अगले लगभग 15 ओवर तक भारत को कोई सफलता हाथ नहीं लगने दी और इस बीच दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन की साझेदारी की। इन दोनों ने भारत के तेज और स्पिन आक्रमण का सहजता से सामना किया और भारत के खराब क्षेत्ररक्षण का भी फायदा उठाया। वोल को दो जीवनदान मिले।

जॉर्जिया वोल।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

कर्नाटक की टीम पहली पारी में 293 रनों पर सिमटी, आकिब नबी ने झटके पांच विकेट, कुल बढ़त हुई 477 रनों की

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक खिताबी जीत तय

हुबली (कर्नाटक), एजेंसी

अनुभवी तेज गेंदबाज आकिब नबी (54 रन देकर पांच विकेट) और सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार प्रदर्शन से जम्मू-कश्मीर की टीम शुक्रवार को यहां चौथे दिन कर्नाटक के खिलाफ विशाल बढ़त की बदौलत अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने के करीब पहुंच गई है। इकबाल (नाबाद 94) के सातवें प्रथम श्रेणी अर्धशतक से जम्मू-कश्मीर ने स्टंप तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 186 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 477 रनों की कर ली।

दिन की शुरुआत में नबी ने सत्र का सातवीं बार पांच विकेट झटकने का कारनामा किया जिससे कर्नाटक की टीम पहली पारी में 293 रन पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त हासिल की। कर्नाटक की पारी में पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल (266 गेंद में 160 रन) के शतक का अहम योगदान रहा क्योंकि अन्य खिलाड़ी संभलकर नहीं खेल सके। पर नबी के पांच विकेट अग्रवाल के शानदार शतक पर भारी पड़े। जम्मू-कश्मीर का यह तेज गेंदबाज बेहतरीन फॉर्म में था। कर्नाटक ने सुबह पांच विकेट पर 220 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया। हालांकि जम्मू-कश्मीर के 584 रन के स्कोर को पार करना मुश्किल था लेकिन कर्नाटक को उम्मीद थी कि उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी करने का प्रयत्न करेंगे। अग्रवाल और कृतिक कृष्णा (36) ने छठे विकेट के लिए 80 से ज्यादा रन जोड़कर अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन दूसरी नई गेंद लिए जाने के बाद उनकी कोशिश नाकाम रही। साहिल लोत्रा ने कृतिक को पगबाधा आउट कर इस भागीदारी को समाप्त किया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने विद्याधर पाटिल का विकेट झटककर दबदबा बनाए रखा। लेकिन नबी ने अग्रवाल का विकेट झटककर कर्नाटक की बची उम्मीद भी खत्म कर दी। उनकी गेंद अग्रवाल के पैड पर गेंद लगी और डीआरएस ने मेजबान टीम को करारा झटका दिया। लोत्रा से यह पूछने पर कि पहली बार ट्रॉफी उठाने की उम्मीद कितनी रोमांचक है तो उन्होंने कहा यह तो बस शुरुआत है, हम सब खुश और उत्साहित हैं। यह पहली बार है जब हम फाइनल में खेल रहे हैं और यह हमारे लिए बहुत गर्व का पल है।

कर्नाटक के मयंक अग्रवाल का विकेट लेने के बाद टीम के साथ जश्न मनाते जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584, 186/4
कर्नाटक	293/10

आकिब नबी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के करीब: गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने जम्मू कश्मीर की कर्नाटक के खिलाफ अपने पहले रणजी ट्रॉफी फाइनल में शानदार प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा कि तेज गेंदबाज आकिब नबी में राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की काबिलियत है। नबी ने रणजी के वर्तमान सत्र में 60 विकेट लिए हैं। इनमें कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में 54 रन देकर पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। गांगुली ने एक्स पर लिखा जम्मू कश्मीर ने दुनिया को दिखा दिया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने राज्य को गौरवान्वित किया है।